शिवाजी कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरणिका 2026-27

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड से प्रत्यायित)

"एक जीवन का रूपांतरण, राष्ट्र का रूपांतरण" शिवाजी महाविद्यालय की उत्कृष्टता, नवाचार एवं समग्र विकास की दृष्टि का प्रतीक है।

प्राचार्य सन्देश

प्रिय विद्यार्थियों,

शिवाजी कॉलेज परिवार में आपका हार्दिक स्वागत है। आपके शैक्षणिक जीवन के इस महत्त्वपूर्ण चरण में प्रवेश पर हम आपको शुभकामनाएं देते हैं तथा आशा करते हैं कि यह यात्रा ज्ञान, नवाचार, आत्मविकास और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों से समृद्ध होगी।

वर्ष 1961 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में स्थापित शिवाजी कॉलेज, तत्कालीन केंद्रीय कषि मंत्री श्री पंजाबराव देशमख की दरदर्शी शैक्षिक दृष्टि का साकार स्वरूप है। महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ऐसा शिक्षण-अधिगम वातावरण विकसित करना था जो विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा, आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक प्रतिबद्धता का समन्वित विकास सुनिश्चित कर सके।

महाविद्यालय छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, नेतृत्व, सत्यनिष्ठा, न्यायप्रियता और लोककल्याण के आदर्शों से अनुप्राणित है। यही मूल्य हमारी संस्थागत संस्कृति, शैक्षणिक दृष्टिकोण तथा समग्र विकास की अवधारणा के आधारस्तंभ हैं।

शिवाजी कॉलेज उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रतिष्ठित है। वर्तमान में महाविद्यालय के 18 शैक्षणिक विभाग 20 स्नातक तथा 3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा प्रदत्त 'ए' ग्रेड हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता और गुणवत्ता आश्वासन का प्रमाण है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (NIRF) में महाविद्यालय का 69वाँ स्थान तथा इंडिया टुडे की राष्ट्रीय रैंकिंग में वाणिज्य में 23वाँ, विज्ञान में 32वाँ तथा मानविकी में 36वाँ स्थान इसकी उत्कृष्ट उपलब्धियों को रेखांकित करता है। दिल्ली स्तर पर भी महाविद्यालय ने क्रमशः 14वाँ, 15वाँ एवं 16वाँ स्थान प्राप्त किया है। विशेष रूप से, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर 8वाँ स्थान प्राप्त करना हमारी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है।

अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महाविद्यालय निरंतर सक्रिय है। वर्तमान में महाविद्यालय को पाँच बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ प्राप्त है, जिनमें सर्वाधिक वित्तपोषण ₹1.03 करोड़ का है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा चार आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया गया है, जिनमें प्रत्येक के लिए ₹1 लाख का वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया है। विभिन्न विभागों के 26 शिक्षक पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। शिक्षण, अनुसंधान तथा संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय ने सात प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoUs) संपादित किए हैं। प्राचार्य इंटर्नशिप योजना विद्यार्थियों को संस्थागत प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। साथ ही, कौशल विकास केंद्र (SDC) के

माध्यम से पायथन प्रोग्रामिंग एवं डेटा विश्लेषण का प्रशिक्षण तथा इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है, जिससे विद्यार्थी रोजगारोन्मुख होने के साथ-साथ रोजगार सृजन की दिशा में भी अग्रसर हो सके।

शिवाजी कॉलेज का शैक्षणिक परिवेश कक्षा-कक्ष की सीमाओं से परे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देता है। यहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल, सामाजिक सेवा और नेतृत्व संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव वाइब्रेशन्स, जीजाबाई पुरस्कार समारोह तथा शिवाजी जयंती जैसे आयोजन परिसर के जीवंत बौद्धिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध बनाते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) की सक्रिय इकाइयाँ विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक संवेदनशीलता तथा राष्ट्रनिर्माण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का विकास करती हैं।

प्रिय विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय जीवन केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, यह आत्मअन्वेषण, व्यक्तित्व-निर्माण और जीवनपर्यंत सीखने की प्रक्रिया का आधार है। मैं आपको प्रेरित करता हूँ कि उपलब्ध प्रत्येक शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या एवं अनुसंधान अवसर का पूर्णतः लाभ उठाएँ, नए विचारों के प्रति खुले रहें तथा अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों के माध्यम से समाज के प्रति सार्थक योगदान देने का संकल्प लें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि शिवाजी कॉलेज में आपका शैक्षणिक अनुभव आपको उत्कृष्टता, नवाचार और उत्तरदायी नागरिकता की दिशा में अग्रसर करेगा तथा आपके भविष्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा।

आप सभी को उज्ज्वल एवं सफल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज

प्राचार्य

शिवाजी कॉलेज का प्रतीक

शिवाजी कॉलेज भारतीय संस्कृति की समृद्ध ज्ञान-परंपरा तथा उपनिषदों के शाश्वत दार्शनिक सिद्धांतों पर प्रतिष्ठित एक अग्रणी शिक्षण-संस्था है। यह समावेशी, मूल्याधारित एवं रूपांतरणकारी शिक्षा के माध्यम से प्रबुद्ध, नैतिक तथा सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण के लिए सतत प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में बौद्धिक उत्कृष्टता, मानवीय संवेदनशीलता, नैतिक चेतना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वित विकास सुनिश्चित करना है।

महाविद्यालय के प्रतीक-चिह्न का ध्येय-वाक्य "अमृतं तु विद्या" (ज्ञान ही अमृत है) श्वेताश्वतर उपनिषद के पाँचवें अध्याय के प्रथम मंत्र से उद्धृत है। संबंधित मंत्र इस प्रकार है—

द्वे अक्षरे ब्रह्मपरे त्वनन्ते विद्याविद्ये निहिते यत्र गूढे।
क्षरं त्वविद्या ह्यमृतं तु विद्या विद्याविद्ये ईशते यस्तु सोऽन्यः॥

इस मंत्र में अविद्या को नश्वर जगत् से संबद्ध तथा विद्या को अमृतत्व का साधन निरूपित किया गया है। "अमृतं तु विद्या" उपनिषदों के उस मूल दार्शनिक प्रतिपाद्य का सार प्रस्तुत करता है जिसके अनुसार सत्य ज्ञान मानव-चेतना का परिष्कार करता है, उसे आत्मबोध की ओर उन्मुख करता है तथा शाश्वत सत्य के साक्षात्कार का माध्यम बनता है।

शिवाजी कॉलेज का प्रतीक-चिह्न महाविद्यालय के संस्थापक आदर्शों, सांस्कृतिक मूल्यों तथा शिक्षा की रूपांतरणकारी शक्ति में उसकी अटूट आस्था का सशक्त दृश्यात्मक रूपांकन है। इसके केंद्र में अंकित उदीयमान सूर्य ज्ञान, विवेक और प्रज्ञा के उस आलोक का प्रतीक है जो अज्ञान के अंधकार का निवारण कर बौद्धिक एवं आध्यात्मिक जागरण का मार्ग प्रशस्त करता है। यह तेजस्वी प्रतीक महाविद्यालय के ध्येय-वाक्य "अमृतं तु विद्या" की सार्थकता को मूर्त रूप प्रदान करता है तथा ज्ञान की शाश्वत एवं जीवनोन्नायक शक्ति का उद्घोष करता है।

प्रतीक-चिह्न का एक प्रमुख अवयव कमल है, जो कला, संस्कृति, सौन्दर्य तथा पवित्रता का द्योतक है। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपनी निर्मलता एवं गरिमा बनाए रखते हुए खिलने वाला कमल धैर्य, आत्मबल तथा विपरीत परिस्थितियों पर सद्गुणों की विजय का प्रतीक है। साथ ही, यह उन आदर्शों और जीवन-मूल्यों का भी प्रतिनिधित्व करता है जो छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली विरासत से संबद्ध हैं, जिनके नाम पर इस महाविद्यालय का नामकरण किया गया है।

प्रतीक-चिह्न के आधार भाग में अंकित गेहूँ की दो स्वर्णिम बालियाँ समृद्धि, संपन्नता, उत्पादकता तथा सतत विकास का प्रतीक हैं। वे महाविद्यालय की समग्र शिक्षा, आत्मनिर्भरता, श्रम की गरिमा तथा समाज के सर्वांगीण कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करती हैं।

समग्रतः, महाविद्यालय का यह प्रतीक-चिह्न बौद्धिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक आत्मबोध, नैतिक साहस तथा समष्टिगत प्रगति की आकांक्षा का सशक्त प्रतीक है। अपने ध्येय-वाक्य एवं भारतीय संस्कृति के व्यापक दार्शनिक आदर्शों के अनुरूप यह इस विश्वास की पुनर्पुष्टि करता है कि ज्ञान ही आत्मसाक्षात्कार, मुक्ति तथा मानवता की निःस्वार्थ सेवा का सर्वोच्च साधन है।

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्‌चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्‌गम
जयति जय जय–जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

प्रवेश प्रक्रिया एवं सीट आवंटन

प्रवेश शाखा
ADMISSION BRANCH
दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
दिल्ली DELHI –110007
office@admission.du.ac.in
दूरभाष न. 011–27666073

July 01, 2026

UNDERGRADUATE ADMISSIONS 2026-27

University of Delhi announces the Admission Schedule to Undergraduate Programmes

	TASK	TIME AND DATES
REGISTRATION AND CORRECTION WINDOW	Registration Phase I	Friday, June 26, 2026 till 11:59 pm, Saturday, July 11, 2026
	Registration Phase II	Friday, July 03, 2026 till 11:59 pm, Saturday, July 11, 2026
	Correction Window	10.00 am Friday, July 10, 2026 till 11:59, Saturday, July 11, 2026
DISPLAY OF SIMULATE D RANK	Declaration of Simulated Ranks	05.00 pm, Sunday, July 12, 2026
	Preference Change Window	05.00 pm, Sunday, July 12, 2026 till 04:59 pm, Monday, July 13, 2026
FIRST ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Declaration of First CSAS Allocation List	05.00 pm, Thursday, July 16, 2026
	Candidates to **"Accept"** the Allocated Seat	05.00 pm, Thursday, July 16, 2026 till 11:59 pm, Saturday, July 18, 2026
	College to **Verify and Approve** the online applications	05.00 pm, Thursday, July 16, 2026 till 04:59 pm, Monday, July 20, 2026
	Last date of **Online Payment of Fees** by Candidates	till 11:59 pm, Tuesday, July 21, 2026
SECOND ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Declaration of **Second** CSAS Allocation	12.00 noon, Saturday, July 25, 2026
	Candidates to **"Accept"** the Allocated seat	Saturday, July 25, 2026 till 11:59 pm, Sunday, July 26, 2026
	College to **Verify and Approve** the online applications	Saturday, July 25, 2026 till 11:59 pm, Monday, July 27, 2026
	Last date of **Online payment of fees** by the candidate	till 11:59 pm Tuesday, July 28, 2026

01/07/26

पता: प्रवेश शाखा, गेट नं. 4, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007
Address: Admission Branch, Near Gate No.4, University of Delhi, Delhi-110007

प्रवेश शाखा
ADMISSION BRANCH
दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
दिल्ली DELHI –110007
office@admission.du.ac.in
दूरभाष न. 011–27666073

This year, the University is offering 73 Bachelor's Programmes and 150 B.A. Programme Combinations.

The candidates must complete Phase I by making the registration fee.

The Phase II of CSAS will commence from Friday, July 03, 2026. To participate in Phase II, the candidates must complete Phase 1 and do the following:

SUBJECT-MAPPING

The candidates will be required to map the subjects studied in Class XII with the Test papers in which they have appeared in CUET(UG)-2026. For admission to University of Delhi, it is mandatory for the candidate to appear in CUET(UG)-2026 in those subjects in which s(he) has passed class XII. Language/Domain specific subject that is similar/closely related to the subject s(he) has studied at Class XII.

PREFERENCE SELECTION

During In the Preference selection, the candidate may choose as many Programme + College combinations as s(he) wishes, subject to meeting the programme-specific eligibility criteria. Candidate must take utmost care while selecting the Programme/s and College/s as the order of selection of the Programme + College combination will also determine the preference order. The candidate can reorder to prioritize the preference order of Programme + College combinations through "Top, Bottom and Preference Number" icons. Candidates must ensure to "SAVE" the preferences on regular intervals. Only the Programme + College combination selected and saved by the candidate during the Preference-Filling will be considered for allocations and upgradations (if any). The candidates must preview the "Preference Selection" to confirm their saved choices. Upon reaching the deadline of Phase II, the saved preferences will automatically get locked and will be used for allocations.

UPGRADE PROCEDURE

Once the candidates submit their programme fees within a stipulated Round, they will get an opportunity to choose "Upgrade/ Freeze". Candidates who choose for "upgrade" will be able to reorder their higher preferences within the duration of the round in which the admission was sought.

The candidates can reorder the higher preferences as many times as they wish for till the deadline of the respective round. For example, the candidates admitted in Round 1 will be able to reorder their preferences till 11:59 pm Tuesday, July 21, 2026. It is in the interest of the candidates to pay the programme fee and avail the option of upgrade and reorder well before the deadline. The last saved preferences will get auto-locked at 11:59 pm Tuesday, July 21, 2026. Similarly, for Round 2 the reorder option will close at 11:59 pm, Tuesday, July 28, 2026.

All candidates are advised to regularly visit the website (admission.uod.ac.in) for updates regarding admission status, schedules, and announcements.

Dean (Admission)

पताः प्रवेश शाखा, गेट नं. 4, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007
Address: Admission Branch, Near Gate No.4, University of Delhi, Delhi-110007

शैक्षणिक कैलेंडर

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

Acad.I/299/Academic Calendar/482 Dated: 01.07.2026

NOTIFICATION

The Academic Calendar to be followed for the all Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2026-27, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester I/III/V/VII	
Classes Begin	28th July, 2026 (Tuesday)
Autumn Vacation	18th October, 2026 (Sunday) to 25th October, 2026 (Sunday)
Classes begin after Autumn Vacation	26th October, 2026 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	20th November,2026 (Friday)
Theory examinations begin	04th December,2026 (Friday)
Winter Vacation	25th December, 2026 (Friday) to 31st December,2026 (Thursday)
Semester II/IV/VI/VIII	
Classes begin	01st January, 2027 (Friday)
Mid Semester Vacation	21st March, 2027 (Sunday) to 28th March, 2027 (Sunday)
Classes begin after Mid semester Vacation	29th March, 2027 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	30th April, 2027 (Friday)
Theory Examination Begin	13th May, 2027 (Thursday)
Summer Vacation	3rd June, 2027 (Thursday) to 20th July, 2027 (Tuesday)

In order to give effect to the above-mentioned Academic Calendar for the Academic Session 2026-27, summer vacation notified in the existing Academic Calendar for the Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2025-26 may be extended from 20th July, 2026 to 27th July, 2026.

1/7/26

REGISTRAR

Contd…

दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य परिसर, दिल्ली-110007 (भारत) दूरभाष: 27667725/27001000, वेबसाइट : www.du.ac.in
University of Delhi, Main Campus, Delhi - 110007 (India) Tel. : 27667725/27001000; Website : www.du.ac.in

विषय सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	शिवाजी कॉलेज के बारे में	11
2.	कॉलेज का विजन और मिशन	21
3.	कॉलेज का बुनियादी ढांचा	26
4.	शिक्षा से परे जीवन - समितियां	31
5.	प्रवेश 2026-27 के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम और स्वीकृत संख्या	60
6.	यूजीसीएफ 2026-27 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशा निर्देश	62
7.	विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयोजन	65
8.	दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसंख्या कोटा के माध्यम से प्रवेश	68
9.	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची	70
10.	प्रवेश संबंधी समितियां	71
11.	खेल और ईसी सीट मैट्रिक्स	72
12.	यूजीसीएफ संरचना 2026-27	74
13.	सेमेस्टर एक के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम एवं सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पेशकश	83-84
14.	विभाग	85-114
15.	प्रभारी-शिक्षकों की सूची 2026-27	115
16.	प्रशासन	116
17.	छात्रवृत्ति	116
18.	अध्यादेश/नियम	117
19.	पहचान पत्र	137
20.	शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुल्क संरचना	139

शिवाजी कॉलेज के बारे में

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अग्रणी सहशैक्षिक महाविद्यालय है। शिक्षा मंत्रालय के संरक्षण में वर्ष 1961 में भारत के पूर्व कृषि मंत्री, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं दूरदर्शी विचारक डॉ. पंजाबराव देशमुख की दूरदर्शी परिकल्पना के अनुरूप स्थापित किया गया। वर्ष 1976 में महाविद्यालय अपने वर्तमान परिसर, राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थानांतरित हुआ। महान मराठा वीर, राष्ट्रनायक एवं आदर्श शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर स्थापित यह महाविद्यालय उनके अदम्य साहस, दूरदृष्टि, न्यायप्रियता तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा का जीवंत प्रतीक है। अपनी स्थापना से अब तक महाविद्यालय ने भारतीय ज्ञान-परंपरा एवं सांस्कृतिक विरासत के मूल्यों से अनुप्राणित रहते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व-विकास के एक सशक्त केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

नई दिल्ली के राजा गार्डन स्थित शांत, हरित एवं विस्तृत परिसर में स्थित शिवाजी कॉलेज में 18 शैक्षणिक विभाग हैं, जो विज्ञान, मानविकी एवं वाणिज्य सहित विविध विषयों में 20 स्नातक तथा 3 स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करते हैं। महाविद्यालय में 4,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनका मार्गदर्शन 180 से अधिक समर्पित एवं विद्वान संकाय सदस्य करते हैं। महाविद्यालय अपनी नवोन्मेषी शिक्षण-पद्धति, अंतर्विषयक पाठ्यचर्या तथा सामाजिक समावेशन, पर्यावरणीय सततता और मूल्यपरक शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से प्रतिष्ठित है। इसका ध्येय-वाक्य "अमृतं तु विद्या" (विद्या अमृत है) शिक्षा को चरित्र-निर्माण, आत्म-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण का सर्वोच्च साधन मानने की इसकी दार्शनिक दृष्टि को अभिव्यक्त करता है। महाविद्यालय ऐसी समन्वित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है जो ज्ञान (ज्ञान), कर्म (सार्थक क्रिया), इच्छा (संकल्प-शक्ति) एवं धर्म (कर्तव्य एवं नैतिक आचरण) के संतुलित समन्वय के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक चेतना तथा उत्तरदायी नागरिकता का विकास करती है।

शिवाजी कॉलेज अपनी गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा को निरंतर नई ऊँचाइयों तक अग्रसर कर रहा है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड से मान्यता प्राप्त यह महाविद्यालय वर्तमान में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (NIRF) में देशभर के महाविद्यालयों में 69वें स्थान पर प्रतिष्ठित है। इसके अतिरिक्त, इंडिया टुडे की राष्ट्रीय रैंकिंग में महाविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए वाणिज्य संकाय में 23वाँ, विज्ञान संकाय में 32वाँ तथा मानविकी संकाय में 36वाँ स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली राज्य स्तर पर इन संकायों की रैंकिंग क्रमशः 14वीं, 15वीं एवं 16वीं रही, जो संस्थान की निरंतर उन्नतिशील शैक्षणिक गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है।

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान महाविद्यालय ने अनुसंधान संस्कृति और शैक्षणिक उत्कृष्टता को और अधिक सुदृढ़ किया। संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय अनुसंधान उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए दो पेटेंट प्राप्त किए, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं तथा संपादित ग्रंथों में 73 शोध-पत्र एवं 38 पुस्तक-अध्याय प्रकाशित किए तथा दो पुस्तकों का लेखन किया।

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने HEFA, ICMR, ICSSR, आयुष मंत्रालय तथा INSA जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थाओं से उल्लेखनीय बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त कर संस्थान की सुदृढ़ अनुसंधान संस्कृति को सशक्त बनाया। HEFA ने जल एवं मृदा की सूक्ष्मजीवी विविधता तथा पेयजल गुणवत्ता सुधार संबंधी परियोजना हेतु ₹50 लाख, ICMR ने MRNA-आधारित उपचार अनुसंधान हेतु ₹1.03 करोड़, ICSSR ने TVET एवं कौशल-अंतर पर अनुदैर्ध्य अध्ययन हेतु ₹30 लाख तथा आयुष मंत्रालय ने शतावरी जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम हेतु ₹18.9 लाख का अनुदान प्रदान किया। INSA ने भी विभिन्न प्रायोजित परियोजनाओं के माध्यम से संकाय अनुसंधान को प्रोत्साहित किया।
अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय के अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ ने चार आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं को, प्रत्येक हेतु ₹1 लाख के अनुदान सहित, स्वीकृति प्रदान की। यह पहल अंतर्विषयक अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। शिवाजी कॉलेज शैक्षणिक एवं संस्थागत नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित है।

विगत वर्षों में महाविद्यालय ने गुणवत्ता संवर्धन हेतु अनेक अभिनव पहलें प्रारम्भ की हैं। इसी क्रम में शैक्षणिक सत्र 2024–25 में दिल्ली विश्वविद्यालय की Vice Chancellor Internship Scheme के अनुरूप प्राचार्य इंटर्नशिप योजना **(Principal Internship Scheme–PIS)** आरम्भ की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थागत कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा सैद्धान्तिक अध्ययन और व्यावसायिक व्यवहार के मध्य की दूरी को अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से कम करना है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में इस योजना को अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ। चयन प्रक्रिया के उपरान्त 43 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 15 विद्यार्थियों को 120 घंटे की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप हेतु ₹6,000 तथा 28 विद्यार्थियों को विभागीय एवं कार्यालय इंटर्न के रूप में 200 घंटे की सेवा हेतु ₹12,000 का मानदेय प्रदान किया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में महाविद्यालय ने वर्ष 2024 में ‘शिवराज भूषण पुरस्कार’ की स्थापना की। यह सम्मान 25 वर्षों की समर्पित सेवा प्रदान करने वाले शिक्षण एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है तथा संस्थान की कृतज्ञता, निष्ठा और उत्कृष्ट सेवाभाव के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

पर्यावरणीय सततता महाविद्यालय की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग है। परिसर में प्रतिवर्ष 95,000 किलोवाट-घंटे से अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला सौर ऊर्जा संयंत्र, प्रतिवर्ष 27,62,162.16 लीटर अपशिष्ट जल का शोधन करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रथम सीवेज उपचार संयंत्र, तथा 1.2 लाख लीटर वार्षिक क्षमता वाली वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित है। इसके अतिरिक्त, जैव-अपशिष्ट से प्रतिवर्ष 2,080 किलोग्राम कम्पोस्ट का उत्पादन, 450 से अधिक वृक्षों का हरित परिसर, पुनर्जीवित औषधीय उद्यान एवं मधुमक्खी पालन इकाइयाँ, कागज़ एवं खाद्य अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रणाली, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध, एलईडी प्रकाश व्यवस्था तथा वाहन-मुक्त हरित क्षेत्र जैसी पहलें महाविद्यालय की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं।

महाविद्यालय में अनुसंधान एवं नवाचार को संस्थागत विकास के प्रमुख आधार-स्तंभों के रूप में विकसित किया गया है। अंतःमहाविद्यालयी अनुसंधान योजना (Intramural Research Scheme) के अंतर्गत पाँच नवीन बहुविषयक शोध-परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई तथा प्रति परियोजना अनुदान राशि ₹30,000 से बढ़ाकर ₹1,00,000 कर दी गई। इन परियोजनाओं में भगवद्गीता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनर्स्थापन एवं समेकन, कला एवं साहित्य के माध्यम से भारत-विभाजन का पुनर्पाठ, कोल जनजाति *(चित्रकूट, मध्य प्रदेश)* का सामाजिक-आर्थिक विकास एवं सांस्कृतिक अस्मिता, बैसिलस एन्थ्रेसिस उत्परिवर्तियों के माध्यम से एन्थ्रेक्स वैक्सीन का विकास तथा प्यूरिन अनुरूपों का माइक्रोवेव-सहायित संश्लेषण सम्मिलित हैं। जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में समर्पित अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। साथ ही, शिवराज **350:** बहुविषयक शोध पत्रिका के शुभारम्भ ने विविध ज्ञान-विषयों में उच्चस्तरीय शोध एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करते हुए महाविद्यालय की अनुसंधान-प्रमाणिकता को और सुदृढ़ किया है।

पारंपरिक कक्षा-शिक्षण से परे, महाविद्यालय विद्यार्थियों को अनुभवात्मक एवं अंतर्विषयक अधिगम के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विविध मूल्यवर्धित (Add-on) पाठ्यक्रमों तथा कार्यशालाओं का संचालन करता है। इन पहलों का उद्देश्य विद्यार्थियों की रोजगारपरकता, व्यावहारिक दक्षताओं तथा समग्र शैक्षणिक विकास को प्रोत्साहित करना है। दिसम्बर 2025–जनवरी 2026 के दौरान भौतिकी, गणित, वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान विभागों तथा पूर्व छात्र संबंध प्रकोष्ठ द्वारा चार अंतर्विषयक मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए गए। इनमें फंक्शनल फूड एवं न्यूट्रास्यूटिकल्स के लिए प्रौद्योगिकी, पदार्थ अभिलक्षण *(Materials Characterization)* तकनीकों का परिचय, गूगल वर्कस्पेस की मूलभूत जानकारी तथा मानसिक क्षमता एवं तार्किक विवेचन जैसे समकालीन एवं व्यावसायिक महत्त्व के विषय सम्मिलित थे। प्रत्येक 30 घंटे की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों ने विद्यार्थियों को उभरते ज्ञान-क्षेत्रों एवं कौशल-विकास के मूल्यवान अवसर प्रदान किए।

पाइथन प्रोग्रामिंग एवं डेटा विश्लेषण के लिए ₹8 लाख के अनुदान से एक कौशल विकास केंद्र (Skill Development Centre) की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत 13वीं पीढ़ी के i5 एचपी ऑल-इन-वन डेस्कटॉप से सुसज्जित अत्याधुनिक कौशल प्रयोगशाला स्थापित की गई, जिसका उद्घाटन नवम्बर 2025 में हुआ। प्रभावी शिक्षण, प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं संवादात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न कक्षों में स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनल भी स्थापित किए गए हैं। विद्यार्थियों को रोजगार-प्रदाता (Job Creators) के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से एक इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना भी की गई है, जिसमें ₹25,000 तक की प्रारम्भिक वित्तीय सहायता (Seed Funding) उपलब्ध कराई जाती है तथा समर्थ भारत के सहयोग से स्टार्टअप का फंडा जैसी पहल संचालित की जा रही है।

महाविद्यालय ने अग्रणी संस्थानों एवं संगठनों के सहयोग से प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल-आधारित तथा उद्योगोन्मुख शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ किया है। फॉरेंसिक साइंस एवं आपराधिक अन्वेषण विषयक उन्नत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन शेरलॉक इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के सहयोग से किया गया, जिससे विद्यार्थियों को न्यायवैज्ञानिक पद्धतियों, आपराधिक अन्वेषण तकनीकों तथा समकालीन व्यवहारिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। जून–जुलाई 2025 के दौरान ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी कानपुर के सहयोग से एडवांस्ड एक्सेल विद डेटा विज़ुअलाइज़ेशन विषयक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने विद्यार्थियों की डेटा विश्लेषण, दृश्यांकन तथा स्प्रेडशीट प्रबंधन संबंधी व्यावसायिक एवं विश्लेषणात्मक दक्षताओं को सुदृढ़ किया।

महाविद्यालय, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन आईआईटी बॉम्बे द्वारा संचालित स्पोकन ट्यूटोरियल परियोजना का शैक्षणिक सहयोगी भी है। इस सहयोग के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए स्व-अध्ययन आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किए गए, जिनमें **GChemPaint**, **GeoGebra** के अनुप्रयोग**, Scilab** में **GUI**, **Python**, **HTML** तथा **JavaScript** जैसे विषय सम्मिलित थे। इन पाठ्यक्रमों ने प्रतिभागियों के तकनीकी कौशल एवं डिजिटल दक्षताओं को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक एवं रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से जर्मन भाषा का अंशकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

महिला विकास प्रकोष्ठ (Women’s Development Cell) वर्ष 2010 से सामुदायिक उत्थान, सतत् विकास तथा सांस्कृतिक योगदान के लिए प्रतिवर्ष जीजाबाई अचीवर्स अवार्ड प्रदान करता आ रहा है। वर्ष 2024–25 में इस परंपरा का विस्तार करते हुए दो नए सम्मान—जीजाबाई यंग अचीवर्स अवार्ड तथा

इसके अतिरिक्त, 'मनोहर छात्रवृत्ति' के अंतर्गत 15 विद्यार्थियों को ₹10,000 प्रति छात्र की दर से कुल ₹1,50,000 प्रदान किए गए। साथ ही, दो विद्यार्थियों को पूर्ण शुल्क-मुक्ति प्रदान की गई, जिसकी कुल वित्तीय राशि ₹29,720 रही। समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 38 दिव्यांग विद्यार्थियों को ₹240 प्रति छात्र की दर से कुल ₹9,120 की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

ये सभी पहलें इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि महाविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक आकांक्षाओं एवं समग्र विकास में आर्थिक बाधाओं को आड़े नहीं आने देने के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए अत्याधुनिक आधारभूत संरचना तथा अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। शैक्षणिक वर्ष के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप शिक्षण-अधिगम, परामर्श (मेंटोरिंग) तथा शैक्षणिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने हेतु अनेक नवोन्मेषी एवं प्रौद्योगिकी-आधारित अवसंरचनात्मक पहलें की गईं।

आधारभूत संरचना के विस्तार के अंतर्गत 15 नए कक्षों का निर्माण किया गया। बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यमान प्रयोगशालाओं का पुनर्गठन कर अतिरिक्त कक्षाओं एवं ट्यूटोरियल कक्षों का सृजन किया गया। साथ ही, प्रत्येक विभाग को पृथक एवं विस्तृत विभागीय कक्ष आवंटित किए गए। यह व्यवस्था विशेष रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक कार्यक्रम के चतुर्थ वर्ष के प्रभावी संचालन के लिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अनुसंधान, नवाचार, परामर्श तथा शैक्षणिक पर्यवेक्षण हेतु समर्पित स्थान उपलब्ध हुए हैं।

भूषण ग्रंथालय ने शैक्षणिक संसाधन केंद्र के रूप में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका को और सशक्त करते हुए मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक अध्ययन-सामग्री के समृद्ध संग्रह का निरंतर विस्तार किया। शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के दौरान पुस्तकालय में 1,936 नई पुस्तकों का समावेश किया गया, जिससे कुल संग्रह बढ़कर 86,453 पुस्तकों तक पहुँच गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न शैक्षणिक विषयों एवं संदर्भ सामग्री से संबंधित 746 सीडी का संग्रह भी उपलब्ध है। शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुस्तकालय ने 7 शोध-पत्रिकाओं, 17 पत्रिकाओं (मैगज़ीन) तथा 30 समाचार-पत्रों की सदस्यता ली, जिनकी एकाधिक प्रतियाँ विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की व्यापक पहुँच सुनिश्चित करती हैं। ये संसाधन उपयोगकर्ताओं को उनके विषय-क्षेत्रों के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिदृश्य की समसामयिक जानकारी से भी अवगत कराते हैं।

पुस्तकालय में विश्वकोशों, शब्दकोशों, एटलस, वार्षिकियों तथा अन्य महत्त्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। साथ ही, दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (DULS) के माध्यम से लगभग **3,67,515** ई-पुस्तकों, **51** उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस तथा **44** डिजिटल अभिलेखागारों तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। इसके अतिरिक्त, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन **(ONOS)** के अंतर्गत 13,000 से अधिक ई-जर्नल, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय **(NDLI)** के माध्यम से लगभग 6,00,000 ई-पुस्तकें तथा **DELNET** के माध्यम से 14,377 शोध-पत्रिकाएँ एवं 2,35,581 ई-पुस्तकों तक पहुँच भी उपलब्ध है।

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अध्ययन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में कंप्यूटर एवं इंटरनेट सुविधाओं से युक्त दो वातानुकूलित वाचनालय उपलब्ध हैं। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग **(OPAC)** के माध्यम से पुस्तकालय संसाधनों तक त्वरित एवं सुगम पहुँच सुनिश्चित की गई है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल किट, ब्रेल पुस्तकें, एंजेल ऑडियो प्लेयर तथा अन्य सहायक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं।

समृद्ध मुद्रित संग्रह के अतिरिक्त, पुस्तकालय परिसर के भीतर तथा दूरस्थ (Remote Access) माध्यम से भी विविध डिजिटल संसाधनों तक निःशुल्क पहुँच उपलब्ध कराता है। उपयोगकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय ई-लाइब्रेरी, **NLIST**, **DELNET** तथा **ONOS** के माध्यम से ई-पुस्तकों, ई-जर्नलों, डेटाबेस एवं अन्य शोध संसाधनों के विशाल भंडार का उपयोग कर सकते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से भूषण ग्रंथालय महाविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान संस्कृति तथा आजीवन अधिगम को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

महाविद्यालय अपने सक्रिय एवं सशक्त पूर्व छात्र समुदाय पर भी गर्व करता है। शिवाजी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन **(SCAA)** का पंजीकरण 17 सितम्बर 2024 को सोसाइटीज़ रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अंतर्गत किया गया। इसके विशिष्ट सदस्यों में सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक श्री डी.के. शर्मा सहित दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी पेशेवर सम्मिलित हैं।

कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, सहभागितापूर्ण एवं संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय के शिक्षण कक्षों में स्मार्ट बोर्ड स्थापित किए गए। विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खेल मैदान के प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त वाटर कूलर लगाए गए।

मनोरंजन एवं सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए बहुउद्देशीय समर्थ गुरु रामदास सभागार में टेबल टेनिस की समर्पित सुविधा स्थापित की गई। यह सुविधा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को विश्राम, मनोरंजन तथा अनौपचारिक संवाद के लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करती है।

ये सभी विकासात्मक पहलें महाविद्यालय की उस सतत प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं, जिसके माध्यम से एक आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संपन्न, विद्यार्थी-केंद्रित परिसर का निर्माण किया जा रहा है। ऐसा परिसर न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि अनुसंधान, नवाचार तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास को भी सशक्त रूप से प्रोत्साहित करता है।

भूषण ग्रंथालय (Bhushan Granthalaya Library) ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करते हुए मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक अध्ययन सामग्री के व्यापक संग्रह को निरंतर समृद्ध बनाया है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान महाविद्यालय पुस्तकालय में 1,936 नई पुस्तकों का समावेश किया गया, जिससे विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की कुल संख्या बढ़कर 86,453 हो गई।

पुस्तकालय में विभिन्न शैक्षणिक विषयों एवं संदर्भ सामग्री से संबंधित 746 सीडी (CDs) का भी समृद्ध संग्रह उपलब्ध है।

शिक्षण, अध्ययन एवं अनुसंधान गतिविधियों को प्रभावी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से पुस्तकालय ने 7 प्रतिष्ठित मुद्रित शोध-पत्रिकाओं (Print Journals), 17 पत्रिकाओं (Magazines) तथा 30 समाचार-पत्रों (Newspapers) की सदस्यता ली है। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की अधिकतम सुविधा और व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए इन संसाधनों की एकाधिक प्रतियाँ उपलब्ध कराई गई हैं। ये संसाधन उपयोगकर्ताओं को उनके संबंधित विषयों के नवीनतम शोध एवं विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समसामयिक घटनाओं से भी अद्यतन रखते हैं।

पुस्तकालय में विश्वकोश (Encyclopaedias), शब्दकोश (Dictionaries), एटलस (Atlases), ईयरबुक (Yearbooks) तथा अन्य महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथों (Reference Books) का भी समृद्ध संग्रह उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान कार्यों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

भूषण ग्रंथालय ने शैक्षणिक संसाधन केंद्र के रूप में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका को और सशक्त करते हुए मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक अध्ययन-सामग्री के समृद्ध संग्रह का निरंतर विस्तार किया। शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के दौरान पुस्तकालय में 1,936 नई पुस्तकों का समावेश किया गया, जिससे कुल संग्रह बढ़कर 86,453 पुस्तकों तक पहुँच गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न शैक्षणिक विषयों एवं संदर्भ सामग्री से संबंधित 746 सीडी का संग्रह भी उपलब्ध है। शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुस्तकालय ने 7 शोध-पत्रिकाओं, 17 पत्रिकाओं (मैगज़ीन) तथा 30 समाचार-पत्रों की सदस्यता ली, जिनकी एकाधिक प्रतियाँ विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की व्यापक पहुँच सुनिश्चित करती हैं। ये संसाधन उपयोगकर्ताओं को उनके विषय-क्षेत्रों के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिदृश्य की समसामयिक जानकारी से भी अवगत कराते हैं।

पुस्तकालय में विश्वकोशों, शब्दकोशों, एटलस, वार्षिकियों तथा अन्य महत्त्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। साथ ही, दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (DULS) के माध्यम से लगभग **3,67,515** ई-पुस्तकों, **51** उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस तथा **44** डिजिटल अभिलेखागारों तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। इसके अतिरिक्त, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन **(ONOS)** के अंतर्गत 13,000 से अधिक ई-जर्नल, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय **(NDLI)** के माध्यम से लगभग 6,00,000 ई-पुस्तकें तथा **DELNET** के माध्यम से 14,377 शोध-पत्रिकाएँ एवं 2,35,581 ई-पुस्तकों तक पहुँच भी उपलब्ध है।

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अध्ययन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में कंप्यूटर एवं इंटरनेट सुविधाओं से युक्त दो वातानुकूलित वाचनालय उपलब्ध हैं। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग **(OPAC)** के माध्यम से पुस्तकालय संसाधनों तक त्वरित एवं सुगम पहुँच सुनिश्चित की गई है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल किट, ब्रेल पुस्तकें, एंजेल ऑडियो प्लेयर तथा अन्य सहायक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं।

समृद्ध मुद्रित संग्रह के अतिरिक्त, पुस्तकालय परिसर के भीतर तथा दूरस्थ (Remote Access) माध्यम से भी विविध डिजिटल संसाधनों तक निःशुल्क पहुँच उपलब्ध कराता है। उपयोगकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय ई-लाइब्रेरी, **NLIST**, **DELNET** तथा **ONOS** के माध्यम से ई-पुस्तकों, ई-जर्नलों, डेटाबेस एवं अन्य शोध संसाधनों के विशाल भंडार का उपयोग कर सकते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से भूषण ग्रंथालय महाविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान संस्कृति तथा आजीवन अधिगम को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

महाविद्यालय अपने सक्रिय एवं सशक्त पूर्व छात्र समुदाय पर भी गर्व करता है। शिवाजी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन **(SCAA)** का पंजीकरण 17 सितम्बर 2024 को सोसाइटीज़ रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अंतर्गत किया गया। इसके विशिष्ट सदस्यों में सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक श्री डी.के. शर्मा सहित दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी पेशेवर सम्मिलित हैं।

आज सम्पूर्ण राष्ट्र वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ मना रहा है। यह एक ऐसा अमर राष्ट्रगीत है जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना, देशभक्ति और आत्मबल का संचार किया था। ऐसे में शिवाजी कॉलेज भी उसके शाश्वत आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ कर रहा है। वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति समर्पण, सांस्कृतिक गौरव तथा आत्मनिर्भर, समृद्ध और प्रबुद्ध भारत की सामूहिक आकांक्षा का सशक्त प्रतीक है।

इसी प्रेरणादायी विरासत तथा विकसित भारत **@2047** की राष्ट्रीय परिकल्पना से प्रेरित होकर शिवाजी कॉलेज स्वयं को एक ऐसे परिवर्तनकारी शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भावी विचारकों, नवोन्मेषकों, शोधकर्ताओं तथा उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करे। परम्परा एवं आधुनिकता, ज्ञान एवं सेवा तथा सिद्धांत एवं व्यवहार के संतुलित समन्वय के माध्यम से महाविद्यालय बौद्धिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नागरिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र-समर्पण की भावना का भी विकास करने का प्रयास करता है।

भारतीय संस्कृति के मूल्यों तथा समग्र शिक्षा के सिद्धांतों से अनुप्राणित शिवाजी कॉलेज स्वदेशी ज्ञान-परंपराओं, अनुसंधान एवं नवाचार, पर्यावरणीय सततता, सामाजिक समावेशन तथा नैतिक नेतृत्व को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वन्दे मातरम् की प्रेरणादायी ध्वनि से ऊर्जा ग्रहण करते हुए महाविद्यालय वर्ष 2047 तक एक सशक्त, समतामूलक, समृद्ध एवं सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी भारत के निर्माण में सार्थक योगदान देने के अपने संकल्प को पुनः अभिव्यक्त करता है।

कॉलेज की दृष्टि और ध्येय

दृष्टि (Vision)

महाविद्यालय के आदर्श वाक्य **"अमृतं तु विद्या"** (ज्ञान ही अमर है) की मूल भावना को आत्मसात करते हुए, शिवाजी कॉलेज को उच्च शिक्षा एवं समग्र व्यक्तित्व विकास के एक गतिशील केंद्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। "एक जीवन का रूपांतरण, राष्ट्र का रूपांतरण" शिवाजी कॉलेज की मूल दृष्टि है। संस्थान जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित होने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। यह स्वयं को केवल ज्ञानार्जन का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के सशक्त मंच के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय नवाचार, प्रगतिशीलता एवं सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाले स्वस्थ, प्रेरणादायी एवं सौहार्दपूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए सतत प्रयासरत है। भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्यों तथा ज्ञान, प्रज्ञा, चरित्र-निर्माण एवं आत्मबोध की पवित्र परंपरा में प्रतिष्ठित शिवाजी कॉलेज उपनिषद् के इस उद्घोष—**"विद्यया अमृतमश्नुते।"** *(ईशावास्योपनिषद्, मंत्र 11)* —को अपने शैक्षिक दर्शन का आधार मानता है, जिसका अभिप्राय है कि ज्ञान के माध्यम से मनुष्य अमरत्व की प्राप्ति करता है।

भारतीय संस्कृति में विद्या को भौतिक सीमाओं का अतिक्रमण कर बौद्धिक, इच्छाशक्ति-संपन्न तथा आध्यात्मिक परिपूर्णता प्राप्त करने का साधन माना गया है। इसी दार्शनिक आधार पर शिवाजी कॉलेज

ज्ञान (ज्ञान), कर्म (कर्तव्यनिष्ठ कार्य), इच्छा (उत्कृष्ट आकांक्षा) तथा धर्म (सत्यनिष्ठ आचरण) के समन्वय के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक गौरव, राष्ट्रीय चेतना एवं नैतिक उत्तरदायित्व को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय ऐसा पोषणकारी, प्रगतिशील एवं प्रेरक वातावरण निर्मित करता है, जहाँ नवाचार, सृजनात्मकता, स्वतंत्र चिंतन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का समन्वित विकास संभव हो। इसका उद्देश्य ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करना है जो आशावान, दक्ष, प्रतिबद्ध, उत्साही तथा नैतिक मूल्यों से संपन्न हों और समाज एवं राष्ट्र के समग्र विकास में रचनात्मक एवं सार्थक योगदान दे सकें।

ध्येय (Mission)

अपनी दृष्टि के अनुरूप महाविद्यालय का ध्येय पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से आगे बढ़कर अनुभवात्मक, अंतर्विषयक एवं समाजोन्मुख शिक्षा प्रदान करना है, जिससे बौद्धिक रूप से जिज्ञासु, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तथा नैतिक रूप से उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति निम्नलिखित प्रमुख लक्ष्यों के माध्यम से की जाती है—

शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं अनुसंधानपरक शिक्षण वातावरण:

अनुसंधान-आधारित, जिज्ञासा-प्रेरित एवं अंतर्विषयक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा का समकालीन वैज्ञानिक प्रगति के साथ प्रभावी समन्वय हो। वर्तमान में महाविद्यालय के 18 विभागों में 20 स्नातक एवं 3 स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित हैं, जिनमें 4,587 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

समावेशन, लोकतांत्रिक मूल्य एवं सांस्कृतिक विविधता:

लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समावेशन तथा सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान को प्रोत्साहित करना तथा दिव्यांग, आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को लक्षित योजनाओं एवं वित्तीय सहायता के माध्यम से समान अवसर उपलब्ध कराना।

लैंगिक संवेदनशीलता एवं अंतर्संबद्ध सामाजिक न्याय:

लैंगिक समानता एवं अंतर्संबद्ध सामाजिक असमानताओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना तथा जीजाबाई पुरस्कार, महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC) एवं समान अवसर कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं प्रतिनिधित्व से वंचित समुदायों के सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना।

पारिस्थितिकीय सततता:

पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास को संस्थागत संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना। इस उद्देश्य से महाविद्यालय ने सौर ऊर्जा संयंत्र, 27 लाख लीटर से अधिक क्षमता का सीवेज शोधन संयंत्र, आरओ अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण प्रणाली, कम्पोस्ट एवं वर्मी-कम्पोस्ट इकाइयाँ, औषधीय उद्यान में मधुमक्खी पालन, ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था, ई-कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण तथा वाहन-मुक्त परिसर जैसी अनेक पर्यावरण-अनुकूल पहलें की हैं।

सह-पाठ्यचर्या एवं सांस्कृतिक सहभागिता:

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा एवं व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने हेतु महाविद्यालय नियमित रूप से वाइब्रेशन्स 2026, वसंतोत्सव 2026, शिवाजी जयंती तथा 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष जैसे सांस्कृतिक आयोजनों का संचालन करता है। इनके अतिरिक्त छात्र-समितियों, अंतर-विभागीय उत्सवों तथा विविध खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।

अनुभवात्मक एवं उद्योगोन्मुख शिक्षा:

सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से महाविद्यालय विभिन्न सहयोगात्मक पहलों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है। इनमें प्राचार्य इंटर्नशिप योजना **(Principal Internship Scheme)** विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में 43 विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन तथा वार्षिक इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, अंतर्विषयक मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों—जैसे फॉरेंसिक साइंस एवं आपराधिक अन्वेषण, जर्मन भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, फंक्शनल फूड एवं न्यूट्रास्यूटिकल्स के लिए प्रौद्योगिकी, मैटेरियल्स कैरेक्टराइजेशन तकनीकों का परिचय, मानसिक क्षमता एवं तार्किक विवेचन तथा गूगल वर्कस्पेस की मूलभूत जानकारी—के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावसायिक एवं व्यावहारिक कौशल का विकास किया जाता है। उद्योग एवं शिक्षाजगत के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने हेतु महाविद्यालय ने हिन्दी

भवन, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, महात्मा हंसराज–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र **(MHM–MMTTC)**, हंसराज कॉलेज, शेरलॉक इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस तथा **HEFA** सहित प्रतिष्ठित संस्थानों एवं संगठनों के साथ सात उद्योगोन्मुख समझौता ज्ञापनों **(MoUs)** पर हस्ताक्षर किए हैं।

अनुसंधान, नवाचार एवं बौद्धिक विमर्श:

अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय के अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा ₹1 लाख प्रति परियोजना की दर से चार अंतःमहाविद्यालयी **(Intra-mural)** शोध परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थाओं से बाह्य वित्तपोषित **(Extramural)** शोध परियोजनाएँ भी प्राप्त की हैं। हायर एजुकेशन फाइनेंसिंग एजेंसी **(HEFA)** ने राजस्थान के नागौर जिले की *'कुबड़ पट्टी'* में जल एवं मृदा की सूक्ष्मजीव विविधता तथा पेयजल की गुणवत्ता सुधार हेतु उपचारात्मक उपायों पर आधारित शोध परियोजना के लिए **₹50** लाख का अनुदान प्रदान किया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद **(ICMR)** ने फेनिलकीटोन्यूरिया के उपचार हेतु स्व-प्रवर्धित ***mRNA*** आधारित एंज़ाइम प्रतिस्थापन चिकित्सा के मूल्यांकन संबंधी परियोजना के लिए **₹1.03** करोड़ का वित्तपोषण किया है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद **(ICSSR)** ने नीति से व्यवहार तक*:* भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण *(TVET)* नीतिगत रूपांतरण*,* कौशल अंतराल तथा जनसांख्यिकीय लाभांश के साकार होने पर एक दीर्घकालिक अध्ययन विषयक परियोजना हेतु **₹30** लाख का अनुदान प्रदान किया है। आयुष मंत्रालय ने शतावरी ***(Asparagus racemosus)*** के प्रति जन-जागरूकता अभियान एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के चयनित जिलों में इसके पौधों के वितरण संबंधी परियोजना के लिए **₹18.9** लाख की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी **(INSA)** द्वारा भी महाविद्यालय की विभिन्न शोध परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। बौद्धिक विमर्श एवं बहुविषयक शोध को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय ने 'शिवराज **350:** बहुविषयक शोध पत्रिका' का भी शुभारम्भ किया है, जो उच्चस्तरीय अकादमिक संवाद का एक प्रतिष्ठित मंच है।

आधारभूत संरचना विकास एवं तकनीकी उन्नयन:

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महाविद्यालय ने वर्ष के दौरान अनेक महत्त्वपूर्ण विकासात्मक पहलें कीं। मुख्य स्टाफ रूम का व्यापक आधुनिकीकरण करते हुए पुराने फर्नीचर एवं उपकरणों के स्थान पर आधुनिक एवं एर्गोनॉमिक सुविधाएँ स्थापित की गईं, जिससे कार्यकुशलता, स्थान के बेहतर उपयोग तथा स्वच्छता मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ। जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में पूर्णतः वातानुकूलित इनक्यूबेशन सेंटर-सह-स्टाफ रूम की स्थापना की गई, जो शैक्षणिक सहयोग, नवाचार एवं व्यावसायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करता है।

उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से जैव-रसायन (बायोकेमिस्ट्री) प्रयोगशालाओं को आधुनिक कक्षाओं में परिवर्तित किया गया। साथ ही, भूगोल विभाग में 15 ऑल-इन-वन डेस्कटॉप प्रणालियों से सुसज्जित अत्याधुनिक भौगोलिक सूचना प्रणाली **(GIS)** प्रयोगशाला की स्थापना कर उसकी शिक्षण एवं अनुसंधान क्षमताओं को सुदृढ़ किया गया। महाविद्यालय की डिजिटल अवसंरचना को **MyDU Wi-Fi** सुविधा के संचालन से नई गति मिली। परिसर में रणनीतिक रूप से स्थापित 100 से अधिक एक्सेस प्वाइंट्स के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रशासनिक गतिविधियों के लिए निर्बाध उच्च-गति इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई गई।

संस्थान की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक विरासत के संरक्षण एवं प्रदर्शन के उद्देश्य से 'स्मारिका: द शिवाजी कॉलेज सुवेनियर शोकेस' का उद्घाटन किया गया, जिसने विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं संकाय सदस्यों में संस्थागत गौरव एवं आत्मीयता की भावना को और सुदृढ़ किया। मनोरंजन एवं सह-पाठ्यचर्या संबंधी सुविधाओं के विस्तार के अंतर्गत बहुउद्देशीय समर्थ गुरु रामदास सभागार में टेबल टेनिस की समर्पित इकाई स्थापित की गई, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विश्राम, मनोरंजन एवं अनौपचारिक संवाद का उपयुक्त मंच प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय अपने पाँच अत्याधुनिक सभागारों—चाणक्य, पेशवा बाजीराव, छत्रपति संभाजी, तानाजी मालुसरे तथा समर्थ गुरु रामदास सभागार—पर भी गर्व करता है। ऐतिहासिक विभूतियों के नाम पर स्थापित ये सभागार शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के सशक्त केंद्र हैं। उपर्युक्त सभी विकासात्मक पहलें महाविद्यालय की अवसंरचना विकास योजना **(Infrastructure Development Plan–IDP)** का अभिन्न अंग हैं, जो संस्थान की दृष्टि एवं ध्येय के अनुरूप क्रियान्वित की जा रही हैं तथा आधुनिक, समावेशी एवं बौद्धिक रूप से प्रेरक परिसर के निर्माण के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं।

विद्यार्थी वित्तीय सहायता एवं छात्रवृत्तियाँ:

विद्यार्थी कल्याण समानता, समावेशन तथा सुलभ उच्च शिक्षा के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता का आधारभूत स्तंभ है। शैक्षणिक वर्ष के दौरान महाविद्यालय द्वारा अपनी शुल्क रियायत समिति **(Fee Concession Committee)** के माध्यम से **511** विद्यार्थियों को कुल **₹19,07,840** की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस सहायता का एक महत्त्वपूर्ण भाग 'सक्षम छात्रवृत्ति' के अंतर्गत प्रदान किया गया, जिसके माध्यम से माता-पिता में से एक अथवा दोनों को खो चुके **35** विद्यार्थियों को **₹10,000** प्रति छात्र की दर से कुल **₹3,50,000** की सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, दो अन्य लाभार्थियों को उनके जमा शुल्क का **50** प्रतिशत शुल्क-मुक्ति **(Fee Waiver)** भी प्रदान की गई।

महाविद्यालय ने योग्यता-आधारित वित्तीय सहायता के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को भी प्रोत्साहित किया। **8.0** से अधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले **112** विद्यार्थियों को **₹4,000** प्रति छात्र की दर से कुल **₹4,48,000** तथा **8.0** से कम सीजीपीए प्राप्त **307** विद्यार्थियों को **₹3,000** प्रति छात्र की दर से कुल **₹9,21,000** की सहायता प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त, 'मनोहर छात्रवृत्ति' के अंतर्गत **15** विद्यार्थियों को **₹10,000** प्रति छात्र की दर से कुल **₹1,50,000** की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। दो विद्यार्थियों को **₹29,720** मूल्य की पूर्ण शुल्क-मुक्ति प्रदान की गई, जबकि **38** दिव्यांग विद्यार्थियों को कुल **₹9,120** की वित्तीय सहायता दी गई। ये सभी पहलें इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि महाविद्यालय आर्थिक कठिनाइयों को विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा नहीं बनने देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी शैक्षणिक क्षमता के समुचित विकास हेतु समावेशी एवं सहयोगात्मक अधिगम वातावरण उपलब्ध कराता है।

संकाय विकास एवं संस्थागत नेतृत्वः

संकाय सदस्यों के सतत व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानकों के अनुरूप शिक्षकों को नियमित पदोन्नति प्रदान करता है। साथ ही, उन्हें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक नेतृत्वकारी दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया जाता है। ये प्रयास महाविद्यालय की संस्थागत प्रतिष्ठा, शैक्षणिक प्रभावशीलता तथा नेतृत्व क्षमता को निरंतर सुदृढ़ करते हैं।

सामुदायिक सहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्वः

महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करता है। पर्यावरणीय सततता, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्रीय चेतना से संबंधित व्यापक सामुदायिक विस्तार कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। गणतंत्र दिवस परेड, नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, कारगिल विजय दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तथा अन्य राष्ट्रीय महत्त्व के अवसरों पर आयोजित कार्यक्रम विद्यार्थियों में सेवा-भाव, अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

खेल, स्वास्थ्य एवं परिसर सुविधाएँ:

महाविद्यालय समावेशी, स्वस्थ एवं सहयोगात्मक अधिगम वातावरण के निर्माण हेतु खेल अवसंरचना एवं परिसर सुविधाओं के निरंतर उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में बास्केटबॉल कोर्टों का नवीनीकरण, क्रिकेट प्रतियोगिताओं एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन, छात्र एवं छात्राओं के कॉमन रूम का आधुनिकीकरण (जिसमें छात्राओं के कॉमन रूम में सेनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर एवं रेफ्रिजरेटर जैसी सुविधाएँ सम्मिलित हैं), स्वच्छ पेयजल सुविधाओं का विस्तार तथा कैंटीन की स्वच्छता एवं गुणवत्ता में सुधार जैसे महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

'ए' ग्रेड **NAAC** प्रत्यायन तथा **NIRF** में **69**वें स्थान जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ शिवाजी कॉलेज शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवोन्मेषी अनुसंधान, विद्यार्थियों के समग्र विकास, सामुदायिक सहभागिता एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की अपनी समृद्ध परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। अपनी गहन दार्शनिक दृष्टि तथा दूरदर्शी ध्येय से प्रेरित यह संस्थान उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट मानक स्थापित करने के लिए सतत प्रयत्नशील है तथा राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के अपने संकल्प के प्रति दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है।

कॉलेज का बुनियादी ढांचा

शिवाजी कॉलेज का समर्पित, अनुभवी एवं गतिशील संकाय विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखते हुए वास्तविक जीवन की चुनौतियों एवं समसामयिक विषयों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करते हैं। संकाय के अनेक सदस्य पीएच.डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग **(UGC)** द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं एवं विश्वविद्यालय प्रायोजित नवाचार परियोजनाओं **(Innovation Projects)** में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

महाविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ **(Internal Quality Assurance Cell – IQAC)** शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने, विद्यार्थियों की प्रगति का सतत मूल्यांकन करने तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निरंतर सुधार एवं उत्कृष्टता की संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भूषण ग्रंथालय : महाविद्यालय पुस्तकालय (Bhushan Granthalaya: College Library)

शिवाजी कॉलेज का "भूषण ग्रंथालय" एक उत्कृष्ट शैक्षणिक संसाधन केंद्र है, जो विद्यार्थियों की अध्ययन एवं अनुसंधान संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु समृद्ध एवं व्यापक संसाधन उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से संबंधित 86,453 से अधिक पुस्तकें तथा 746 सीडी का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय 30 समाचार-पत्रों, 17 पत्रिकाओं तथा 7 मुद्रित शोध-पत्रिकाओं की सदस्यता भी प्रदान करता है।

पुस्तकालय में विश्वकोश , शब्दकोश , एटलस , ईयरबुक तथा अन्य महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। साथ ही, दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से लगभग 3,67,515 ई-पुस्तकों, 51 उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस तथा 44 डिजिटल अभिलेखागार तक पहुँच की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं को वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन **(ONOS)** के माध्यम से 13,000 से अधिक ई-जर्नल्स, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया **(NDLI)** के माध्यम से लगभग 6,00,000 ई-पुस्तकों, तथा **DELNET** के माध्यम से 14,377 शोध-पत्रिकाओं एवं 2,35,581 ई-पुस्तकों तक पहुँच की सुविधा प्राप्त है।

पुस्तकालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए दो वातानुकूलित वाचन कक्ष उपलब्ध हैं, जो कंप्यूटर एवं उच्च गति इंटरनेट सुविधाओं से सुसज्जित हैं। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग **(OPAC)** के माध्यम से पुस्तकालय संसाधनों तक सरल एवं त्वरित पहुँच सुनिश्चित की जाती है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पुस्तकालय में ब्रेल किट **(Braille Kits)**, ब्रेल पुस्तकें **(Braille Books),** एंजेल ऑडियो प्लेयर **(Angel Audio Players)** तथा अन्य सहायक अध्ययन सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे सभी विद्यार्थियों के लिए समावेशी एवं सुलभ शिक्षण वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

खेल एवं क्रीड़ा

शिवाजी महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आधुनिक एवं सुव्यवस्थित खेल अवसंरचना उपलब्ध कराता है। परिसर में फुटबॉल मैदान, क्रिकेट ग्राउंड, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एवं टेनिस कोर्ट तथा शतरंज और टेबल टेनिस जैसी इनडोर खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। फ्लडलाइट, लॉकर एवं चेंजिंग रूम, पेयजल, स्टोररूम तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ खेल अवसंरचना को और सुदृढ़ बनाती हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थी अंतर-महाविद्यालयी एवं अंतर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के साथ खेल संस्कृति को समान महत्त्व देते हुए विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व एवं नेतृत्व क्षमता के विकास को प्रोत्साहित करता है।

प्रयोगशालाए

महाविद्यालय विज्ञान एवं मानविकी संकायों के विभिन्न विषयों के लिए आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणिविज्ञान, भूगोल, जैव-रसायन तथा वनस्पति विज्ञान विभागों की प्रयोगशालाएँ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं अनुभवात्मक अधिगम का सशक्त आधार प्रदान करती हैं।

महाविद्यालय की पुरानी इमारत में कुल **9** प्रयोगशालाएँ स्थित हैं, जिनमें भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणिविज्ञान एवं रसायन विज्ञान विभागों की दो**-**दो प्रयोगशालाएँ सम्मिलित हैं। भौतिकी विभाग की प्रत्येक प्रयोगशाला में डार्क रूम की सुविधा भी उपलब्ध है। भूगोल विभाग में दो विशिष्ट प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं—एक भौगोलिक सूचना प्रणाली **(GIS)** एवं रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला तथा दूसरी कार्टोग्राफी **(**मानचित्रण**)** प्रयोगशाला, जहाँ मानचित्र निर्माण एवं स्थानिक (Spatial) विश्लेषण का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, वनस्पति विज्ञान, जैव-रसायन, रसायन विज्ञान एवं भौतिकी विभागों में चार उपकरणीय **(Instrumentation)** प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं। प्राणिविज्ञान विभाग में एक समृद्ध संग्रहालय **(Museum)** भी उपलब्ध है, जो शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करता है। इन सुविधाओं के अतिरिक्त महाविद्यालय में चार आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ भी संचालित हैं।

सभी प्रयोगशालाएँ वाई**-**फाई सुविधा एवं प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं, जिससे प्रौद्योगिकी-संपन्न एवं संवादात्मक शिक्षण-अधिगम वातावरण सुनिश्चित होता है। इसके साथ ही, जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में जैव-रसायन, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणिविज्ञान तथा कंप्यूटर विज्ञान विभागों के लिए नवीन एवं अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जिन्हें नवीनतम तकनीक से युक्त उच्च-क्षमता वाले कंप्यूटरों एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। ये सुविधाएँ विद्यार्थियों को समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार एवं कौशल-आधारित अधिगम के लिए उत्कृष्ट अवसंरचना उपलब्ध कराती हैं।

पत्रिका

वार्षिक पत्रिका 'शिवराज' विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंग्रेज़ी, हिंदी तथा संस्कृत में साहित्यिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करती है। पत्रिका के आवरण-डिज़ाइन प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को भी प्रोत्साहन मिलता है।

सभागार

महाविद्यालय में चार पूर्णतः वातानुकूलित एवं अत्याधुनिक सभागार उपलब्ध हैं। नवीन भवन में पेशवा बाजीराव सभागार, छत्रपति संभाजी सभागार तथा तानाजी मालुसरे सभागार, जबकि पुरानी इमारत में चाणक्य सभागार स्थित है। ये सभी सभागार अत्याधुनिक श्रव्य-दृश्य (ऑडियो-विजुअल) प्रणाली, प्रोजेक्टर तथा उन्नत मंच-प्रकाश (स्टेज लाइटिंग) व्यवस्था से सुसज्जित हैं।

महाविद्यालय के ये सभागार संगोष्ठियों, व्याख्यानों, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, नाट्य प्रस्तुतियों, चलचित्र प्रदर्शन, विभागीय उत्सवों तथा अन्य शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में इन सभागारों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि यहीं उन्हें सार्वजनिक मंच पर पहली बार अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने, मंच-संकोच (Stage Fright) पर विजय प्राप्त करने तथा आत्मविश्वास, नेतृत्व एवं प्रभावी अभिव्यक्ति कौशल विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है।

अनुसंधान रास्ते और अवसर

अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए अंतर्विषयी शोध-परियोजनाओं, अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं, ई-जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस तथा निःशुल्क वाई-फाई जैसी सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अकादमिक अन्वेषण के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

जर्मन एवं फ्रेंच भाषा के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः

शिवाजी कॉलेज की मूल्यवर्धित एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम समिति **(Add-on and Value-Added Courses Committee)** विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम से परे विविध अधिगम अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित की गई है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं का विस्तार करते हुए विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल, भाषायी दक्षता तथा बहुआयामी ज्ञान का विकास करना है।

इसी क्रम में महाविद्यालय सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिए जर्मन एवं फ्रेंच भाषा के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर का होता है तथा कक्षाएँ सप्ताह में तीन दिन आयोजित की जाती हैं। सेमेस्टर-अंत परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थियों की न्यूनतम **66** प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। दोनों सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

विद्यार्थी सूचना प्रणाली:

शिवाजी प्लेटफ़ॉर्म फॉर अकादमिक कनेक्ट एंड एम्पावरमेंट (**SPACE**) महाविद्यालय की अत्याधुनिक एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (**ERP**) प्रणाली है। यह एक समेकित डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन तथा अन्य शैक्षणिक सूचनाओं का ऑनलाइन अवलोकन एवं प्रबंधन कर सकते हैं।

बैंकिंग सुविधा

महाविद्यालय परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा कार्यरत है। इस शाखा के माध्यम से शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को बैंक खाता खोलने सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाता है।

फोटोकॉपी सुविधा

महाविद्यालय परिसर में दो फोटोकॉपी (ज़ेरॉक्स) केंद्र संचालित हैं, जहाँ विद्यार्थियों को नाममात्र शुल्क पर फोटोकॉपी एवं पुस्तक-बाइंडिंग की सुविधा उपलब्ध है। इनमें से एक केंद्र मुख्य प्रवेश द्वार के समीप तथा दूसरा भूषण ग्रंथालय परिसर में स्थित है।

विश्व विश्वविद्यालय सेवा (WUS) स्वास्थ्य केन्द्र

महाविद्यालय परिसर में विश्व विश्वविद्यालय सेवा (**WUS**) स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है, जिसका लाभ विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय समुदाय के सदस्य प्राप्त कर सकते हैं। वार्षिक **₹120** के नाममात्र शुल्क पर विद्यार्थियों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ, निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श तथा अन्य स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

आईसीटी-सक्षम एवं भविष्य-उन्मुख परिसर

शिवाजी कॉलेज शिक्षण-अधिगम एवं परिसर प्रशासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के प्रभावी समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में महाविद्यालय ने अपनी आईसीटी अवसंरचना का व्यापक उन्नयन करते हुए नवीन एवं उन्नत प्रोजेक्टर, आधुनिक प्रस्तुतीकरण प्रणालियाँ तथा **21** नवीन कंप्यूटरों की व्यवस्था की है।

परिसर में विभिन्न तल पर राउटर एवं लोकल एरिया नेटवर्क (**LAN**) की स्थापना के माध्यम से वाई-फाई सुविधा को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है, जिससे निर्बाध एवं उच्च-गति इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई है। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी कैमरों के व्यापक नेटवर्क द्वारा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त किया गया है। इन पहलों के माध्यम से महाविद्यालय एक डिजिटल रूप से सशक्त, सुरक्षित एवं भविष्य-उन्मुख शैक्षणिक परिसर के रूप में निरंतर विकसित हो रहा है।

कौशल विकास केंद्र

शिवाजी कॉलेज को पाइथन प्रोग्रामिंग एवं डेटा विश्लेषण हेतु कौशल विकास केंद्र (SDC) प्रदान किया गया है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पाइथन, डेटा प्रबंधन तथा डेटा दृश्यांकन के व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उद्योगोन्मुख तकनीकी कौशल से सुसज्जित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की परिकल्पना के अनुरूप यह केंद्र सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिए लचीले एवं समावेशी अधिगम के अवसर उपलब्ध कराता है। रोजगारपरकता पर विशेष बल देते हुए यह केंद्र शैक्षणिक अध्ययन और व्यावहारिक अनुप्रयोग के मध्य की दूरी को कम करने का प्रयास करता है।

हरित पहल

शिवाजी कॉलेज सतत विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। परिसर में जैव-खाद एवं वर्मी-कम्पोस्ट इकाइयाँ, कागज़ पुनर्चक्रण इकाई, सौर ऊर्जा संयंत्र तथा आधुनिक सीवेज शोधन प्रणाली स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त, आरओ अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, औषधीय उद्यान में मधुमक्खी पालन, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, ई-कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण तथा वाहन-मुक्त परिसर जैसी पहलें कॉलेज की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं।

सौहार्दपूर्ण वातावरण

विद्यार्थियों की शिकायतों के निवारण हेतु प्राचार्य कार्यालय के बाहर शिकायत-पेटिका स्थापित की गई है, जिसमें यौन उत्पीड़न, रैगिंग तथा छेड़छाड़ से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। धूम्रपान-मुक्त एवं वाहन-मुक्त परिसर विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करता है।

शिक्षा से परे जीवन - समितियां

अतिरिक्त एवं मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम समिति

शिवाजी कॉलेज की अतिरिक्त एवं मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम समिति नियमित पाठ्यक्रम के पूरक के रूप में कौशलोन्मुख, अंतर्विषयी तथा उद्योग-संगत पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों के कौशल, व्यावहारिक दक्षताओं तथा आजीवन अधिगम की प्रवृत्ति का विकास करना है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान महाविद्यालय ने अनेक अंतर्विषयी एवं अंतर-महाविद्यालयीय अतिरिक्त पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया।

आईआईटी बॉम्बे के स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के शैक्षणिक सहयोगी के रूप में महाविद्यालय ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए **Python, LaTeX, Arduino, R, Gnuplot** तथा **Avogadro** में छह स्व-अध्ययन आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किए। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मैनिक एवं रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से फ़्रेंच एवं जर्मन भाषा के अंशकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किए गए, जिससे विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं में प्रवीणता प्राप्त करने तथा वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिला।

शरलॉक इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, इंडिया के साथ संपादित समझौता ज्ञापन **(MoU)** के अंतर्गत सभी पात्र भारतीय नागरिकों के लिए 'फॉरेंसिक साइंस एवं आपराधिक अन्वेषण' विषय पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किया गया। साथ ही, ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी कानपुर के सहयोग से 'एडवांस्ड एक्सेल विद डेटा विज़ुअलाइज़ेशन' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने विद्यार्थियों को डेटा विश्लेषण एवं डेटा दृश्यांकन से संबंधित आवश्यक कौशल प्रदान किए।

इन पहलों के माध्यम से समिति शैक्षणिक अधिगम को व्यावहारिक विशेषज्ञता, व्यावसायिक कौशल तथा उद्योग-अनुभव से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करती है और उन्हें उच्च शिक्षा तथा विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करती है।

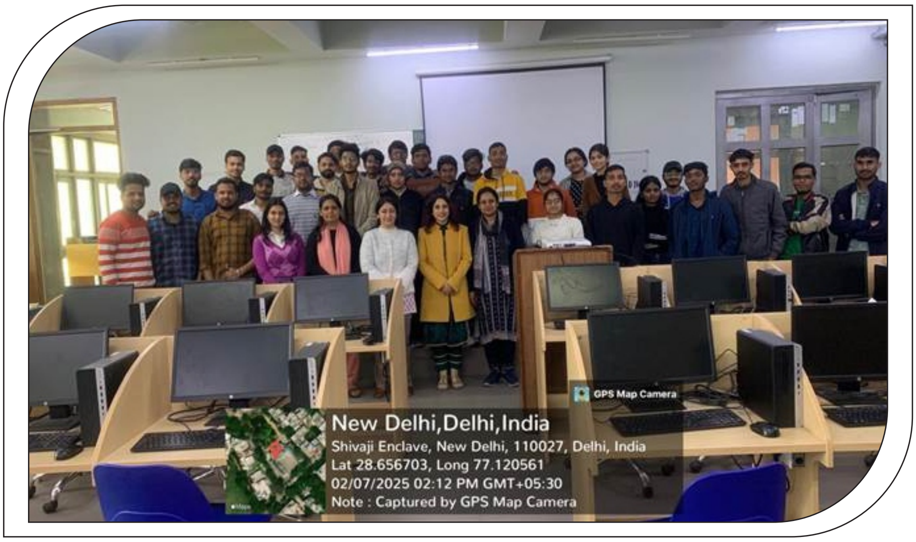

पूर्व छात्र संबंध समिति

शिवाजी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के पूर्व छात्रों ने विधि, शिक्षाजगत, सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों, कला एवं मनोरंजन, खेल, कॉर्पोरेट क्षेत्र तथा उद्यमिता सहित विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। महाविद्यालय को अपने विशिष्ट पूर्व छात्रों—वीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित कारगिल वीर शहीद कैप्टन सुमीत रॉय तथा शहीद कैप्टन हनीफ़ उद्दीन—पर विशेष गर्व है। हाल ही में महाविद्यालय के पूर्व छात्र रोहिन कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय 39वीं रैंक प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, अनेक पूर्व छात्रों ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता अर्जित की, जिनमें राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) के पूर्व छात्र मनोरंजन कुमार ने 46वीं रैंक प्राप्त की।

पूर्व छात्र संबंध समिति एवं शिवाजी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन संयुक्त रूप से महाविद्यालय के विकास एवं कल्याण के लिए कार्यरत हैं। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में एसोसिएशन ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 30 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान कीं, **'Technology for Functional Foods and Nutraceuticals'** विषयक राष्ट्रीय स्तर के अतिरिक्त पाठ्यक्रम को प्रायोजित किया, 'बौद्धिक संपदा अधिकार' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की तथा 'श्री डी.के. मुद्गल दिल्ली राज्य वरिष्ठ वॉलीबॉल चैंपियनशिप' का आयोजन किया। पूर्व छात्र नेटवर्क विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
पूर्व छात्र संबंध समिति एवं एलुमनाई एसोसिएशन अपने पूर्व छात्रों और मातृसंस्था के स्थायी संबंधों को सुदृढ़ करते हुए उनके अनुभव एवं विशेषज्ञता के माध्यम से महाविद्यालय के बहुआयामी विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

पर्यावरण एंव आपदा प्रबंधन केन्द्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में स्थापित पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन केंद्र **(Centre for Environment and Disaster Management–CEDM)** पर्यावरणीय सततता तथा आपदा-प्रतिरोधक क्षमता के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा एवं व्यवहारिक पहलों को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण संस्थागत केंद्र है। यह केंद्र पर्यावरणीय चुनौतियों एवं आपदा जोखिमों के प्रभावी समाधान हेतु अंतर्विषयक दृष्टिकोण को अपनाते हुए मानव गतिविधियों एवं प्राकृतिक तंत्रों के परस्पर संबंधों की समग्र समझ विकसित करने का प्रयास करता है।

अपने विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह केंद्र पर्यावरणीय जागरूकता का प्रसार, सतत जीवन-शैली एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवहारों को प्रोत्साहन तथा प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए रणनीतियों के विकास हेतु निरंतर कार्यरत है। केंद्र का दृढ़ विश्वास है कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण तभी संभव है जब सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'रोकथाम की संस्कृति' **(Culture of Prevention)** को संस्थागत एवं सामाजिक स्तर पर विकसित किया जाए।

विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा व्यापक समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए **CEDM** पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक, उत्तरदायी एवं सक्रिय समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जो पर्यावरण संरक्षण, आपदा पूर्व तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रभावी आपदा अनुक्रिया (Response) के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम हो।

अपने विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह केंद्र पर्यावरणीय जागरूकता का प्रसार, सतत जीवन-शैली एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवहारों को प्रोत्साहन तथा प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए रणनीतियों के विकास हेतु निरंतर कार्यरत है। केंद्र का दृढ़ विश्वास है कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण तभी संभव है जब सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'रोकथाम की संस्कृति' **(Culture of Prevention)** को संस्थागत एवं सामाजिक स्तर पर विकसित किया जाए।

विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा व्यापक समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए **CEDM** पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक, उत्तरदायी एवं सक्रिय समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जो पर्यावरण संरक्षण, आपदा पूर्व तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रभावी आपदा अनुक्रिया (Response) के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम हो।

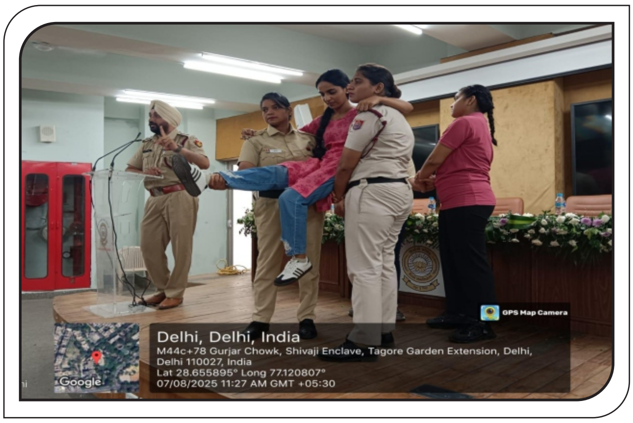

महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज का महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ **(College Research and Innovation Cell – CRIC)** एक सक्रिय एवं गतिशील संस्थागत पहल है, जिसका उद्देश्य अंतर्विषयक अनुसंधान, नवाचार तथा ज्ञान-सृजन को प्रोत्साहित करते हुए एक सशक्त शोध-संस्कृति का निर्माण करना है। यह प्रकोष्ठ संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं नवोन्मेषी परियोजनाओं में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करता है तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने हेतु कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं शोध-अनुदान जैसी विविध गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान-विनिमय का प्रभावी मंच उपलब्ध कराता है। इसका लक्ष्य समाजोपयोगी एवं प्रभावशाली अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।

उद्देश्य एवं गतिविधियाँ

सीआरआईसी का प्रमुख उद्देश्य महाविद्यालय में अनुसंधान-संस्कृति को सुदृढ़ करना तथा अनुसंधान संस्थानों, उद्योगों एवं नीति-निर्माताओं के साथ सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना है। यह संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी प्रयासों में सहयोग प्रदान करते हुए नवीन खोजों, नवाचारों एवं सतत विकासोन्मुख समाधानों को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है।

प्रकोष्ठ की प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं—

वार्षिक शोध महोत्सव – 'सृजन' जो विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अपने शोध निष्कर्षों, नवाचारों एवं अकादमिक उपलब्धियों के प्रदर्शन का प्रभावी मंच प्रदान करता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ **(IQAC)** के तत्वावधान में आयोजित **'सृजन 2026'** का आयोजन **12** अप्रैल **2026** को किया गया। इसका उद्देश्य स्नातक स्तर पर अनुसंधान, नवाचार, अंतर्विषयक सहयोग तथा विद्यार्थियों द्वारा

संचालित शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र **2024–25** के अंतर्गत स्वीकृत लघु अनुसंधान परियोजनाओं के सफल समापन पर प्रधान अन्वेषकों **(Principal Investigators)** को शिवाजी कॉलेज के प्राचार्य द्वारा पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं सम्मान-पत्र प्रदान किए गए।

लघु अनुसंधान परियोजनाएँ **:** शैक्षणिक सत्र **2025–26** में सीआरआईसी ने अंतःमहाविद्यालयी अनुसंधान योजना **(Intramural Research Scheme)** के अंतर्गत पाँच लघु अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। प्रत्येक परियोजना के लिए **₹1,00,000** का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को समाजोपयोगी एवं प्रभावशाली अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना है।

शिवराज **350**- बहुविषयक शोध पत्रिका' का प्रकाशन**:** महाविद्यालय में उच्चस्तरीय शैक्षणिक विमर्श एवं बहुविषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीआरआईसी द्वारा 'शिवराज **350:** बहुविषयक शोध पत्रिका' का शुभारम्भ किया गया है। इस प्रतिष्ठित शोध पत्रिका का प्रथम अंक जुलाई **2026** में प्रकाशित होने की अपेक्षा है।

विशिष्ट वक्ता एवं सहयोगात्मक पहलें:

सीआरआईसी समय-समय पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों एवं उद्योग विशेषज्ञों को समकालीन अनुसंधान की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर अपने विचार साझा करने हेतु आमंत्रित करता है। 'सृजन **2026**' के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका एवं विदेशी छात्र पंजीकरण **(Foreign Students' Registry)** की अधिष्ठाता प्रो**.** रूपम कपूर ने मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अनुसंधान, नवाचार तथा वैज्ञानिक चिंतन के विविध आयामों पर प्रेरक विचारों से अवगत कराया।

प्राचार्य प्रो**.** वीरेन्द्र भारद्वाज के दूरदर्शी नेतृत्व तथा महाविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ**.** अभिजीत मिश्रा के मार्गदर्शन में सीआरआईसी शिवाजी कॉलेज में अनुसंधान-उन्मुख शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अंतर्विषयक सहयोग को बढ़ावा देने, अनुसंधान अनुदान उपलब्ध कराने तथा ज्ञान-साझाकरण संबंधी विविध शैक्षणिक आयोजनों के माध्यम से यह प्रकोष्ठ संस्थान में अनुसंधान, नवाचार एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

सांस्कृतिक समिति

महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति कलात्मक अभिव्यक्ति, सृजनात्मकता एवं सौंदर्यबोध को प्रोत्साहित करने वाला एक सशक्त मंच है। समिति अपनी सात सक्रिय सांस्कृतिक समितियों के माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी विविध प्रतिभाओं के प्रदर्शन एवं विकास के लिए व्यापक अवसर प्रदान करती है। शैक्षणिक वर्ष के दौरान समिति अनेक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इनमें नवप्रवेशी विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराने हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा **SPIC MACAY** के सहयोग से भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से विद्यार्थियों का परिचय कराना विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

सांस्कृतिक समिति की गतिविधियों का प्रमुख आकर्षण महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'वाइब्रेशन्स (**VIBRATIONS**)' है। इस प्रतिष्ठित महोत्सव में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी वाद-विवाद, संगीत, फैशन, नृत्य, ललित कला, फोटोग्राफी एवं रंगमंच जैसी विविध प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं रचनात्मक सहभागिता से परिपूर्ण यह महोत्सव भव्य 'स्टार नाइट' के साथ संपन्न होता है। शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ में सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत कार्यरत प्रत्येक सोसायटी नए सदस्यों के चयन हेतु ऑडिशन आयोजित करती है।

बिज़ार (BIZZARE) – फैशन सोसायटी

बिज़ार महाविद्यालय की प्रतिष्ठित फैशन सोसायटी है, जिसमें विद्यार्थियों की व्यापक एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रहती है। इसकी प्रस्तुतियाँ अपनी उच्च गुणवत्ता, सृजनात्मकता एवं व्यावसायिक स्तर की प्रस्तुति के लिए विशेष रूप से सराही जाती हैं। सोसायटी अपने फैशन प्रस्तुतियों को सामाजिक सरोकारों एवं समसामयिक विषयों से जोड़ते हुए प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत करती है, जिसके कारण इसे व्यापक प्रशंसा प्राप्त होती है।

यह सोसायटी 'पैनाश (**Panache**)' नामक प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन का सफलतापूर्वक संचालन करती है, जिसमें विभिन्न संस्थानों की अनेक टीमें भाग लेती हैं। बिज़ार अंतर-महाविद्यालय एवं अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक सम्मान एवं पुरस्कार अर्जित करने वाली महाविद्यालय की अग्रणी सांस्कृतिक सोसायटियों में से एक है।

डिक्टम (DICTUM) – सार्वजनिक वक्तृत्व सोसायटी

डिक्टम महाविद्यालय की सार्वजनिक वक्तृत्व एवं वाद-विवाद सोसायटी है, जो विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी एवं हिन्दी, दोनों भाषाओं में संसदीय तथा पारंपरिक वाद-विवाद प्रारूपों के माध्यम से अपने विचारों की प्रभावी अभिव्यक्ति एवं बौद्धिक आदान-प्रदान का सशक्त मंच प्रदान करती है। यह सोसायटी प्रतिवर्ष 'द शिवाजी भोंसले डिबेट प्रतियोगिता', 'जीजाबाई पारम्परिक वाद-विवाद प्रतियोगिता' तथा 'एथेना' जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन करती है। विश्वविद्यालय स्तर पर इन प्रतियोगिताओं की विशिष्ट पहचान है तथा इनमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की सहभागिता और उत्साहपूर्ण प्रतिसाद देखने को मिलता है।

फुटलूज़ (FOOTLOOSE) – नृत्य सोसायटी

फुटलूज़ महाविद्यालय की प्रमुख नृत्य सोसायटी है, जो नृत्य-कला के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के विकास एवं प्रदर्शन का उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। सोसायटी का वार्षिक आयोजन 'टैंज़मेनिया (**Tanzmania**)' विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को आकर्षित करता है तथा उनकी सृजनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति एवं उत्कृष्ट नृत्य-कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है।

विद्यार्थियों के तकनीकी एवं प्रस्तुतीकरण कौशल को परिष्कृत करने के उद्देश्य से सोसायटी प्रत्येक वर्ष एक पेशेवर कोरियोग्राफर नियुक्त करती है, जो उन्हें विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

रिवर्ब (REVERB) – संगीत सोसायटी

रिवर्ब महाविद्यालय की संगीत सोसायटी है, जो गायन एवं वादन कला के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थियों की प्रतिभा के संवर्धन एवं परिष्कार के लिए समर्पित है। सोसायटी के सदस्य स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, शिवाजी जयंती तथा अन्य प्रमुख महाविद्यालयीन आयोजनों में नियमित रूप से अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं, जिन्हें सदैव व्यापक सराहना प्राप्त होती है।

सोसायटी का वार्षिक संगीत महोत्सव 'स्वरांजलि (**Swaranjali**)' विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों को आकर्षित करने वाला एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जो युवा संगीत प्रतिभाओं को अपनी कला के प्रदर्शन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

रिवर्ब से जुड़े अनेक विद्यार्थियों ने आगे चलकर संगीत के क्षेत्र को अपने व्यावसायिक जीवन के रूप में अपनाया है तथा इस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

शटरबग्स (SHUTTERBUGS) – फोटोग्राफी एवं फिल्म निर्माण सोसायटी

शटरबग्स महाविद्यालय की फोटोग्राफी एवं फिल्म निर्माण सोसायटी है, जो अपने सदस्यों के तकनीकी एवं सृजनात्मक कौशल को व्यावसायिक स्तर तक विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोसायटी के सदस्यों द्वारा निर्मित फोटोग्राफ एवं लघु फिल्में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं आयोजनों में निरंतर सराहना एवं सम्मान प्राप्त करती रही हैं।

सोसायटी फोटोग्राफी एवं फिल्म निर्माण की उन्नत पोस्ट-प्रोसेसिंग तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करती है, देश के विभिन्न स्थलों पर फोटोग्राफी भ्रमण (Photography Trips) आयोजित करती है तथा प्रतिष्ठित फोटोग्राफरों एवं फिल्मकारों के साथ संवादात्मक सत्रों का आयोजन करती है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

सोसायटी का वार्षिक आयोजन 'सिनेड्रोम (**Cinedrome**)' एक प्रतिष्ठित प्रतियोगितात्मक मंच है, जिसमें फोटोग्राफी, फिल्म निर्माण एवं दृश्य-माध्यमों से संबंधित विविध रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

वयम् (VAYAM) – रंगमंच सोसायटी

वयम् दिल्ली विश्वविद्यालय की सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं बहुचर्चित रंगमंचीय सोसायटियों में से एक है, जिसने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं सम्मान अर्जित किए हैं। सोसायटी को सर्वश्रेष्ठ टीम प्रदर्शन, नाट्य-लेखन, निर्देशन, संगीत तथा अभिनय जैसी विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं।

विब्ग्योर (VIBGYOR) – ललित कला सोसायटी

विब्ग्योर (**VIBGYOR**) दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज की ललित कला सोसायटी है, जो विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा के संवर्धन, अभिव्यक्ति एवं प्रदर्शन के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय की सर्वाधिक सक्रिय कला सोसायटियों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित यह सोसायटी दृश्य कलाओं (**Visual Arts**) के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को अपनी सृजनात्मक क्षमता के विकास एवं प्रदर्शन का सशक्त मंच प्रदान करती है।

सोसायटी प्रतिवर्ष अपने प्रमुख कला महोत्सव ‘एक्रिलिका (**ACRYLICA**)’ का आयोजन करती है, जिसमें आर्ट बैटल, कला प्रदर्शनी, कार्यशालाएँ तथा अंतर-महाविद्यालयीय कला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, ‘स्केच-डू-पेंट (**Sketch-Doo-Paint**)’ जैसी प्रतियोगिताएँ विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता आकर्षित करती हैं।

विद्यार्थियों के कलात्मक कौशल के विकास हेतु सोसायटी ‘कला कक्षा’ जैसी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करती है, जिनके माध्यम से विभिन्न कला-विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सोसायटी के सदस्य अंतर-महाविद्यालयीय सांस्कृतिक एवं कला महोत्सवों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तथा समाचार-पत्र परिधान निर्माण (**Newspaper Dressing**), टी-शर्ट डूडलिंग एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ एवं सम्मान अर्जित करते हैं।

अपनी विविध गतिविधियों एवं रचनात्मक पहलों के माध्यम से विब्ग्योर विद्यार्थियों में कलात्मक अभिव्यक्ति, नवाचार एवं सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हुए एक प्रेरक एवं सशक्त कलात्मक वातावरण का निर्माण करता है।

TEDx शिवाजी कॉलेज

TEDx शिवाजी कॉलेज एक प्रतिष्ठित बौद्धिक मंच है, जो परिवर्तनकारी विचारों वाले वक्ताओं को अपने अनुभव, दृष्टिकोण एवं नवोन्मेषी सोच साझा करने का अवसर प्रदान करता है। यह मंच सार्थक, प्रेरणादायी एवं विचारोत्तेजक संवाद को प्रोत्साहित करते हुए प्रतिभागियों को नए दृष्टिकोण अपनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करता है। **TEDx** कार्यक्रमों में **TED Talks** के चयनित वीडियो एवं आमंत्रित वक्ताओं के प्रत्यक्ष व्याख्यानों का समन्वय किया जाता है, जिससे नवीन संभावनाओं की खोज तथा स्थानीय स्तर पर रचनात्मक पहल को बढ़ावा मिलता है।

TEDx का वैश्विक ध्येय वाक्य **"Ideas Worth Spreading"** (प्रसार योग्य विचार) शिवाजी कॉलेज के ध्येय "एक जीवन का रूपांतरण, राष्ट्र का रूपांतरण" के साथ पूर्णतः सामंजस्य स्थापित करता है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल चुनिंदा महाविद्यालयों को ही TEDx आयोजन की मेजबानी का गौरव प्राप्त है, जिनमें शिवाजी कॉलेज भी सम्मिलित है।

वर्तमान वर्ष में **TEDx** शिवाजी कॉलेज का आयोजन **"Gravity and Glitch"** विषय पर किया गया। यह विषय स्थिरता एवं परिवर्तन के मध्य संतुलन की अवधारणा को रेखांकित करता है तथा इस बात का अन्वेषण करता है कि चुनौतियाँ, अप्रत्याशित परिस्थितियाँ एवं नए दृष्टिकोण किस प्रकार विकास, नवाचार, लचीलेपन **(Resilience)** तथा सकारात्मक परिवर्तन के प्रेरक बन सकते हैं।

पर्यावरण एवं सततता समिति (Environment and Sustainability Committee)

शिवाजी कॉलेज की पर्यावरण एवं सततता समिति संस्थान की पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का एक महत्त्वपूर्ण आधार है। समिति के अंतर्गत ईको क्लब तथा उद्यान उपसमिति **(Garden Subcommittee)** सहित विभिन्न उपसमितियाँ कार्यरत हैं, जो प्रकृति भ्रमण, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं हरित जीवन-शैली को प्रोत्साहित करती हैं। संरचनात्मक विकास एवं सामुदायिक सहभागिता पर आधारित इसकी विविध पहलें शिवाजी कॉलेज को दिल्ली विश्वविद्यालय के आदर्श हरित परिसरों **(Green Campus)** में स्थापित करती हैं।

समिति की प्रमुख जिम्मेदारियों में महाविद्यालय के **130 KLD** क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट **(STP)** तथा **10 KLD** क्षमता वाले अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र **(Effluent Treatment Plant–ETP)** का संचालन एवं रखरखाव सम्मिलित है। ये संयंत्र परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट जल का प्रभावी उपचार एवं पुनर्चक्रण सुनिश्चित करते हैं। उपचारित जल का उपयोग उद्यानिकी एवं हरित क्षेत्रों के रखरखाव में किया जाता है, जिससे ताजे जल पर निर्भरता कम होती है तथा जल संसाधनों के चक्रीय एवं सतत प्रबंधन को बढ़ावा मिलता है।

नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में **75** किलोवाट क्षमता का रूफटॉप ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। यह प्रणाली **300** सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूलों से युक्त है तथा **TPDDL DISCOM** की सौर मीटरिंग प्रणाली से संबद्ध है। इस पहल के माध्यम से महाविद्यालय के कार्बन उत्सर्जन में कमी आने के साथ-साथ विद्युत व्यय में भी उल्लेखनीय बचत होती है।

समिति महाविद्यालय की वर्षा जल संचयन प्रणाली **(Rainwater Harvesting)** तथा जल पुनर्भरण गड्ढों **(Water Recharge Pits)** के संचालन एवं रखरखाव का भी दायित्व निभाती है, जिससे भूजल संरक्षण एवं जल संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा मिलता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में महाविद्यालय ने एक समन्वित प्रणाली विकसित की है, जिसमें बायो-कम्पोस्टिंग इकाई, वर्मी-कम्पोस्टिंग गड्ढे तथा बायो-बिन सम्मिलित हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से भोजन एवं अन्य जैविक अपशिष्टों को पोषक तत्वों से युक्त जैविक खाद में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग महाविद्यालय के उद्यानों एवं हरित क्षेत्रों के संरक्षण एवं संवर्धन में किया जाता है। इस प्रकार जैविक अपशिष्टों का प्रभावी पुनर्चक्रण सुनिश्चित होता है।

जैव-विविधता संरक्षण भी समिति की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। लगभग **6.5** एकड़ में विस्तृत हरित परिसर में **60** से अधिक प्रजातियों के लगभग **500** वृक्ष विद्यमान हैं, जिन पर उनके वैज्ञानिक एवं प्रचलित नाम अंकित किए गए हैं। महाविद्यालय का **220** वर्गमीटर क्षेत्रफल वाला औषधीय उद्यान 70 से अधिक औषधीय पौधों की प्रजातियों—जैसे तुलसी, एलोवेरा, अश्वगंधा, नीम, शतावरी एवं ब्राह्मी—से समृद्ध है। ये हरित क्षेत्र परिसर की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरणीय शिक्षा एवं जागरूकता के जीवंत प्रयोगशाला **(Living Laboratory)** के रूप में भी कार्य करते हैं।

उद्यान उपसमिति महाविद्यालय के उद्यानों एवं हरित क्षेत्रों के संरक्षण एवं रखरखाव का दायित्व निभाती है तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी **(Annual Flower Show)** में नियमित रूप से सहभागिता करती है। शैक्षणिक सत्र **2025–26** में आयोजित **68**वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में शिवाजी कॉलेज ने तीन प्रमुख श्रेणियों में **10** पुरस्कार अर्जित किए। महाविद्यालय को पाम्स **(Palms)** श्रेणी में

शिवाजी कॉलेज में सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा इसके हितधारकों को सशक्त बनाने में योगदान देता है।

समावेशन समिति (Inclusion Committee)

शिवाजी कॉलेज की समावेशन समिति **(Inclusion Committee)** महाविद्यालय परिसर में समावेशिता, समानता एवं विविधता के मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्य करती है। इस समिति के अंतर्गत सक्षम इकाई **(Enabling Unit)**, पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ **(North East Cell)** तथा समावेशन संवर्द्धन केंद्र **(Centre for Promotion of Inclusivity)** संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से समिति महाविद्यालय परिसर तथा व्यापक समाज में समानता, सहानुभूति, परस्पर सम्मान एवं विविधताओं के प्रति संवेदनशीलता पर आधारित समावेशी वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है।

समिति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में सामाजिक समावेशन, संवेदनशीलता एवं जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समय-समय पर विविध शैक्षणिक, संवादात्मक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों तथा अन्य गतिविधियों का आयोजन करती है। इन पहलों के माध्यम से महाविद्यालय में ऐसा जागरूक, उत्तरदायी एवं संवेदनशील वातावरण विकसित करने का प्रयास किया जाता है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, समान अवसर एवं विविध सामाजिक-सांस्कृतिक पहचानों का सम्मान सुनिश्चित हो।

राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme – NSS)

शिवाजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) अपने मूल मंत्र "स्वयं से पहले आप" **(Not Me, But You)** की भावना से प्रेरित होकर विद्यार्थियों में निःस्वार्थ सेवा, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता के मूल्यों का संवर्धन करती है। एनएसएस इकाई समय-समय पर जन-जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, विशेष शिविर तथा विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करती है, जिनके माध्यम से समाज पर सकारात्मक एवं सार्थक प्रभाव उत्पन्न होता है।

राष्ट्र-निर्माण, स्वैच्छिक सेवा एवं समग्र व्यक्तित्व विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ शिवाजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को उत्तरदायी, संवेदनशील, सहृदय एवं सामाजिक चेतना से संपन्न नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (National Cadet Corps – NCC)

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारत का एक प्रतिष्ठित युवा संगठन है, जिसका उद्देश्य कैडेटों में चरित्र-निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, राष्ट्रभक्ति तथा सेवा-भाव का विकास करना है। शिवाजी कॉलेज की एनसीसी इकाई विद्यार्थियों को सुव्यवस्थित प्रशिक्षण, साहसिक गतिविधियों, सामाजिक सेवा तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है।

महाविद्यालय की एनसीसी बालक इकाई 2 दिल्ली बटालियन, आईटीआई पूसा, नई दिल्ली से संबद्ध है, जबकि बालिका इकाई 7 दिल्ली गर्ल्स बटालियन, कीर्ति नगर से संबद्ध है।

एनसीसी इकाई ने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं विविध गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के माध्यम से महाविद्यालय को निरंतर गौरवान्वित किया है। कैडेट नियमित रूप से ड्रिल, प्रशिक्षण शिविर, परेड, शस्त्र प्रशिक्षण, योग सत्र, ट्रेकिंग तथा राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिनसे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं टीम-भावना का विकास होता है।

महाविद्यालय विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस शिविर **(Republic Day Camp)** चयन प्रक्रिया, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर **(Annual Training Camps)**, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान तथा आपदा राहत कार्यों जैसी विभिन्न एनसीसी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम होने के साथ-साथ भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए महत्त्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करती है।

एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र प्राप्त कैडेटों को भारतीय सैन्य अकादमी **(IMA)** एवं ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी **(OTA)** में निर्धारित आरक्षित रिक्तियों का लाभ प्राप्त होता है। साथ ही, उन्हें सेवा चयन बोर्ड **(SSB)** के साक्षात्कार हेतु प्रत्यक्ष प्रवेश **(Direct Entry)** की पात्रता भी प्राप्त होती है।

एनसीसी में सम्मिलित होने के इच्छुक विद्यार्थी प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ में महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ (Placement and Internship Cell)

शिवाजी कॉलेज का प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ एक सक्रिय एवं गतिशील इकाई है, जो विद्यार्थियों की रोज़गार-योग्यता (**Employability**) एवं व्यावसायिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्यरत है। यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों और उद्योग जगत के मध्य प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करते हुए उन्हें विविध इंटर्नशिप एवं रोजगार अवसर उपलब्ध कराता है।

प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को समकालीन प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से कौशल-विकास कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करता है। इन कार्यक्रमों में बायोडाटा (**Résumé**) लेखन, साक्षात्कार की तैयारी, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, कैरियर नियोजन तथा भारत एवं विदेशों में उभरते औद्योगिक रुझानों जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विद्यार्थी महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप के लिए अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

यह प्रकोष्ठ दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (**Central Placement Cell**) के साथ भी नियमित समन्वय बनाए रखता है, जिससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित भर्ती अभियानों एवं विविध कैरियर अवसरों का लाभ प्राप्त होता है।

शैक्षणिक सत्र **2025–26** में प्रकोष्ठ ने शिवाजी कॉलेज के कौशल विकास केंद्र (**Skill Development Centre**) के सहयोग से **Power BI**, **Tableau** तथा शोध पद्धति (**Research Methodology**) पर कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों ने उद्योगोन्मुख, विश्लेषणात्मक एवं डेटा-आधारित कौशल अर्जित किए।

उक्त शैक्षणिक सत्र के दौरान आयोजित विभिन्न ऑन-कैंपस भर्ती अभियानों में प्रकोष्ठ ने **200** से अधिक कंपनियों के साथ सक्रिय समन्वय बनाए रखा, जिन्होंने विद्यार्थियों के लिए विविध क्षेत्रों में प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए।

इसके अतिरिक्त, प्रकोष्ठ प्रतिवर्ष महाविद्यालय में प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप मेले का आयोजन करता है। **'क्रेसिता–2026 (Crescita '26)'** नामक वार्षिक इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट मेले में **50** से अधिक प्रतिष्ठित संगठनों ने सहभागिता की, जिससे विद्यार्थियों को उद्योग जगत से प्रत्यक्ष संवाद एवं रोजगार के व्यापक अवसर प्राप्त हुए। इस वर्ष की एक उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि **Galytix, Master's Union, Deltax, Recruit CRM, BDO India LLP, Amerix Cancer Hospital** तथा **Amura Health** जैसे अनेक प्रतिष्ठित संगठन पहली बार महाविद्यालय के भर्ती अभियान से जुड़े। इन संस्थानों की सहभागिता से विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर अवसरों का दायरा और अधिक विस्तृत हुआ।

प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को ग्रीष्मावकाश के दौरान इंटर्नशिप करने के लिए भी सक्रिय रूप से प्रेरित करता है, क्योंकि ऐसे अनुभव उन्हें उद्योग जगत की कार्यप्रणाली से परिचित कराते हैं, व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं तथा व्यावसायिक नेटवर्क विकसित करने का अवसर उपलब्ध कराते हैं, जिससे उनकी कैरियर-तत्परता (**Career Readiness**) में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

इस प्रकार, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं को साकार करने तथा उन्हें शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक जगत की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस प्रकार, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं को साकार करने तथा उन्हें शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक जगत की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्राचार्य इंटर्नशिप योजना (Principal Internship Scheme – PIS)

विद्यार्थियों को संस्थागत कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष परिचय तथा व्यावसायिक, संगठनात्मक एवं पारस्परिक कौशलों के विकास के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्राचार्य इंटर्नशिप योजना **(Principal Internship Scheme – PIS)** का शुभारम्भ वर्ष **2024** में किया गया। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों की संस्थागत प्रक्रियाओं में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उनमें उत्तरदायित्व, टीम-भावना, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक दक्षता का विकास करना है।

ग्रीष्मकालीन तथा शैक्षणिक सत्र इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से शिवाजी कॉलेज अनुभवात्मक अधिगम **(Experiential Learning)** को निरंतर सुदृढ़ करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा भविष्य के लिए सक्षम एवं दक्ष पेशेवरों के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर साकार कर रहा है।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप – 2026

प्राचार्य इंटर्नशिप योजना **(PIS) 2024–25** के अंतर्गत शिवाजी कॉलेज ने ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव एवं अनुभवात्मक अधिगम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपने प्रथम ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शुभारम्भ किया।

इंटर्न के चयन हेतु विद्यार्थियों को उनकी सीजीपीए **(CGPA)** के आधार पर प्रारंभिक रूप से चयनित किया जाता है। इसके पश्चात बहुविकल्पीय प्रश्न **(MCQ)** परीक्षा, समूह चर्चा तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार की बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया आयोजित की जाती है। अंतिम चयन के उपरांत प्रतिवर्ष **15** विद्यार्थियों को महाविद्यालय के विभिन्न प्रभागों—जैसे प्रशासनिक कार्यालय, प्रवेश प्रकोष्ठ, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ **(IQAC)**, पुस्तकालय सेवाएँ एवं लेखा विभाग—में कार्यानुभव हेतु नियुक्त किया जाता है।

यह इंटर्नशिप प्रतिवर्ष जून एवं जुलाई माह में आयोजित की जाती है, जिसमें प्रत्येक इंटर्न को **120** घंटे का कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होता है। कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रत्येक इंटर्न को **₹6,000** का मानदेय प्रदान किया जाता है।

गत दो वर्षों में **30** विद्यार्थी इस ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं तथा उन्होंने संस्थागत कार्यप्रणाली, कार्यालयीन उत्तरदायित्वों एवं व्यावसायिक कार्य-संस्कृति का मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव अर्जित किया है।

शैक्षणिक सत्र इंटर्नशिप – 2026

प्राचार्य इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक सत्र इंटर्नशिप विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ-साथ महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली का सुव्यवस्थित एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जाती है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में व्यावसायिक दक्षता, संस्थागत समझ एवं कार्यानुभव का विकास करता है।

इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक इंटर्न को सितम्बर से मार्च की अवधि में **200** घंटे का कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना होता है। चयन प्रक्रिया सीजीपीए, एमसीक्यू परीक्षा तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर संपन्न की जाती है।

चयनित विद्यार्थियों को संस्थागत आवश्यकता एवं विभागीय अनुशंसा के अनुसार महाविद्यालय कार्यालय, आईक्यूएसी, पुस्तकालय तथा विभिन्न शैक्षणिक विभागों में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रत्येक इंटर्न को **₹12,000** का मानदेय प्रदान किया जाता है।

गत दो वर्षों में कुल **81** विद्यार्थियों ने प्राचार्य इंटर्नशिप योजना का लाभ प्राप्त किया है। कार्यक्रम के सफल समापन एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

योजना का प्रभाव:

ग्रीष्मकालीन एवं शैक्षणिक सत्र, दोनों प्रकार की इंटर्नशिप योजनाओं ने सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव के मध्य की दूरी को प्रभावी रूप से कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक संस्थागत परिवेश में अर्जित ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग का अवसर प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त, इन इंटर्नशिप कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों में संचार कौशल, टीम-भावना, नेतृत्व क्षमता, समस्या-समाधान, तकनीकी दक्षता तथा व्यावसायिक नैतिकता जैसे आवश्यक कौशलों का उल्लेखनीय विकास किया है। परिणामस्वरूप उनकी रोज़गार-योग्यता **(Employability)**, व्यावसायिक दक्षता तथा कैरियर-तत्परता **(Career Readiness)** में महत्वपूर्ण वृद्धि हई है।

राजभाषा समिति

राजभाषा समिति या राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिवाजी कॉलेज में राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए एक दायित्वपूर्ण निकाय के रूप में कार्य करती है। यह समिति शिवाजी कॉलेज के शिक्षकों, विद्यार्थियों और गैर शिक्षण कर्मचारियों के बीच राजभाषा नीति के क्रियान्वयन का मूल्यांकन करती है और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाती है।

ध्यातव्य है कि शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के उन चुनिंदा कॉलेजों में से एक है जिन्होंने दो साल के कार्यकाल के साथ माननीय सांसद श्री भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली प्रतिष्ठित संसदीय कार्यान्वयन समिति के समक्ष अपना निरिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है साथ ही संसदीय राजभाषा समिति से प्राप्त महत्वपूर्ण निर्देशों और सुझावों को त्वरित गति से शिवाजी कॉलेज में कार्यान्वित किया है।

शिवाजी कॉलेज की राजभाषा समिति को दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के बीच नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(नराकास) का सदस्य होने पर गर्व है। यह समिति छात्रों, शिक्षकों और संस्थान के कर्मचारियों के बीच राजभाषा के कार्यान्वयन का लगातार मूल्यांकन करती है। प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में राजभाषा समिति राजभाषा हिंदी पर केंद्रित महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है, जिसमें लेखन प्रतियोगिताएँ, हिंदी में हस्ताक्षर अभियान, वेबसाइट एवं टीवी स्क्रीन के माध्यम से राजभाषा नीति संबंधी निर्देशों एवं उद्धरणों का प्रसारण एवं हिंदी भाषा शिक्षण, नियमित अंतराल पर कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ का आयोजन शामिल है। इन गतिविधियों एवं कॉलेज में राजभाषा कार्यान्वयन की विस्तृत रिपोर्ट कॉलेज वेबसाइट एवं नराकास केंद्र के साथ साझा की जाती है।

पिछले वर्ष माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित राजभाषा विभाग स्वर्ण जयंती समारोह में शिवाजी कॉलेज राजभाषा समिति के संयोजक एवं नोडल अधिकारी डॉ. तरुण ने शिवाजी कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।

25 मई 2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ की अध्यक्षता में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (दिल्ली मध्य) की महत्वपूर्ण बैठक में शिवाजी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की एवं संयुक्त निदेशक (राजभाषा) गृह मंत्रालय के समक्ष राजभाषा कार्यान्वयन की छमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्र निर्माण के इस महान प्रयास में शिवाजी कॉलेज अपने प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को लेकर प्रतिबद्ध है।

शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करती है तथा भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करती है।शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के उन चुनिंदा महाविद्यालयों में से एक है, जिसने माननीय सांसद श्री भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। महाविद्यालय ने समिति द्वारा दिए गए सुझावों एवं अनुशंसाओं को भी तत्परता से लागू किया है।

महाविद्यालय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) का एक गौरवशाली सदस्य है। प्राचार्य प्रोफेसर वीरेन्द्र भारद्वाज के नेतृत्व में राजभाषा समिति हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है, जिनमें लेखन प्रतियोगिताएँ, हिन्दी हस्ताक्षर अभियान, हिन्दी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ तथा महाविद्यालय की वेबसाइट एवं डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से राजभाषा संबंधी दिशा-निर्देशों का प्रदर्शन शामिल है। इन गतिविधियों की रिपोर्ट नियमित रूप से नराकास केन्द्र को प्रेषित की जाती है तथा महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है।

गत वर्ष राजभाषा समिति के संयोजक एवं नोडल अधिकारी डॉ. तरुण ने भारत सरकार के माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शिवाजी कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।25 मई 2025 को शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र महाविद्यालय था जिसने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ की अध्यक्षता में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (दिल्ली केंद्रीय) की बैठक में भाग लिया। महाविद्यालय ने इस अवसर पर गृह मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) को अपनी अर्धवार्षिक राजभाषा कार्यान्वयन रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।शिवाजी कॉलेज अपने प्राचार्य प्रोफेसर वीरेन्द्र भारद्वाज के नेतृत्व में राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है तथा हिन्दी को राजभाषा

उपचारात्मक शिक्षण प्रकोष्ठ (Remedial Cell)

शिवाजी कॉलेज का उपचारात्मक शिक्षण प्रकोष्ठ **(Remedial Cell)** उन विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने हेतु समर्पित एक महत्त्वपूर्ण संस्थागत पहल है, जिन्हें अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह प्रकोष्ठ समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा विद्यार्थियों की विविध अधिगम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक चुनौतियों के कारण अपनी शिक्षा से वंचित न रहे।

प्रकोष्ठ विद्यार्थियों की विषयगत समझ को सुदृढ़ करने एवं उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से विशेष कक्षाओं, संदेह-समाधान सत्रों तथा मार्गदर्शन (मेंटोरिंग) कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करता है। ये सत्र अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए जाते हैं तथा इनमें मूलभूत अवधारणाओं की स्पष्टता, पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन एवं परीक्षा-तैयारी पर विशेष बल दिया जाता है।

यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय के सभी विभागों एवं शैक्षणिक निकायों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए ऐसे विद्यार्थियों की पहचान करता है, जिन्हें अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता की आवश्यकता होती है, तथा उन्हें समयबद्ध एवं प्रभावी सहयोग उपलब्ध कराता है।

अपने विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से उपचारात्मक शिक्षण प्रकोष्ठ महाविद्यालय के समावेशी, सहयोगात्मक एवं न्यायसंगत शिक्षण वातावरण के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक क्षमता का पूर्ण विकास कर सके।

गत शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रकोष्ठ ने विद्यार्थियों के लिए एक विद्यार्थी-केंद्रित संगोष्ठी का भी आयोजन किया, जिसमें महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया गया तथा उनके समाधान एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्द्धन के उपायों पर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अनुसंधान गतिविधियाँ: सजीव अधिगम एवं अनुसंधान वातावरण को प्रोत्साहित करते हुए, विद्यार्थियों ने विभाग के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में अपना शोध कार्य स्कोपस (Scopus) अनुक्रमित पत्रिकाओं में सफलतापूर्वक प्रकाशित किया है।

सहयोगात्मक एवं समतामूलक शिक्षण वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से यह प्रकोष्ठ सभी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक क्षमता का पूर्ण विकास करने में सक्षम बनाने के लिए कार्य करता है। गत शैक्षणिक वर्ष में प्रकोष्ठ ने विद्यार्थी-केंद्रित एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों के तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

शिवाजी अकादमिक संवर्द्धन केंद्र (Shivaji Academic Enrichment Centre – SAEC)

महाविद्यालय का शिवाजी अकादमिक संवर्द्धन केंद्र (**Shivaji Academic Enrichment Centre – SAEC**) विद्यार्थियों के समग्र विकास के उद्देश्य से कार्यरत एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक मंच है। इसका उद्देश्य अधिगम के अवसरों का विस्तार करते हुए विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन (**Critical Thinking**), सृजनात्मकता (**Creativity**) तथा समस्या-समाधान क्षमता (**Problem-solving Skills**) का विकास करना है। वर्षभर यह केंद्र अपनी तीन उपसमितियों—दिशा (**DISHA**), स्पेड (**SPADE**) तथा साहित्यिक सोसायटी (**Literary Society**)—के माध्यम से विविध शैक्षणिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन करता है, जो विद्यार्थियों को प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करती हैं।

दिशा (DISHA) – सिविल सेवा सोसायटी

दिशा, शिवाजी कॉलेज की सिविल सेवा सोसायटी, सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने तथा समसामयिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के प्रति उनकी जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से कार्य करती है। यह सोसायटी अनुभवी सिविल सेवकों एवं विषय-विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में व्याख्यानों, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं की श्रृंखला का नियमित आयोजन करती है, जिससे विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (**UPSC**) सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी एवं चयन प्रक्रिया का व्यापक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

दिशा की विभिन्न पहलें विद्यार्थियों में जागरूकता, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं लोकसेवा की भावना का विकास करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र के प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में प्रभावी योगदान देने हेतु प्रेरित करती हैं।

स्पेड (SPADE) – सोसायटी फॉर प्रैक्टिकल एप्लिकेशन्स एंड डेवलपमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स

स्पेड **(SPADE)** महाविद्यालय की एक शैक्षणिक सोसायटी है, जिसका उद्देश्य विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मुद्दों का गहन एवं अकादमिक दृष्टि से विश्लेषण करना है। यह सोसायटी अनुप्रयोग-आधारित (Application-oriented) तथा अनुसंधान-उन्मुख अधिगम को प्रोत्साहित करते हुए विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करती है।

सोसायटी वर्षभर विविध कार्यशालाओं, व्याख्यानमालाओं, संवादात्मक सत्रों तथा संगोष्ठियों का आयोजन करती है, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को समकालीन आर्थिक विषयों एवं नीतिगत प्रश्नों की गहन समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है।

स्पेड का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चिंतन, सृजनात्मक दृष्टिकोण एवं विविध आर्थिक मुद्दों के प्रति गहन एवं समालोचनात्मक समझ का विकास करना है।

लिटसॉक (LITSOC) – साहित्यिक सोसायटी

लिटसॉक (**LITSOC**) महाविद्यालय की साहित्यिक सोसायटी है, जो विद्यार्थियों में पठन एवं लेखन के प्रति रुचि विकसित करने तथा साहित्यिक अभिरुचि, आलोचनात्मक चिंतन एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। यह सोसायटी विद्यार्थियों को उनके लिखित एवं मौखिक संप्रेषण कौशल के विकास हेतु विविध अवसर एवं सशक्त मंच उपलब्ध कराती है।

सोसायटी द्वारा वर्षभर वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, फिल्म प्रदर्शन एवं परिचर्चाएँ, कविता-पाठ (**Poetry Slam**), पुस्तक चर्चा, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी तथा लेखन कार्यशालाओं सहित अनेक साहित्यिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसका वार्षिक प्रमुख आयोजन 'अभिव्यक्ति' है, जिसके अंतर्गत अंतर-महाविद्यालयीय साहित्यिक प्रतियोगिताओं की श्रृंखला आयोजित की जाती है, जो युवा साहित्यिक प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मक क्षमता के प्रदर्शन का प्रतिष्ठित मंच प्रदान करती है।

अपनी विविध पहलों के माध्यम से लिटसॉक ऐसा समावेशी एवं प्रेरणादायी साहित्यिक वातावरण निर्मित करता है, जहाँ विविध विचारों, दृष्टिकोणों एवं अभिव्यक्तियों का सम्मान किया जाता है तथा विद्यार्थियों को स्वतंत्र, रचनात्मक एवं संवेदनशील चिंतन के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

उद्यमोदय समिति (Udhmodya Committee)

उद्यमोदय समिति शिवाजी कॉलेज की एक सक्रिय एवं नवोन्मेषी पहल है, जिसका गठन महाविद्यालय की दो प्रमुख छात्र संस्थाओं—एनैक्टस शिवाजी **(Enactus Shivaji)** एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ **(Entrepreneurship Cell)**—के संयुक्त सहयोग से किया गया है। यह समिति उद्यमिता, नवाचार एवं सामाजिक प्रभाव के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सशक्त मंच प्रदान करते हुए उन्हें भावी उद्यमी एवं परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करने के लिए कार्यरत है।

दृष्टि (Vision)

नवाचार, नेतृत्व एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता पर आधारित एक सशक्त उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) का निर्माण करना, जो विद्यार्थियों को भविष्य के लिए सक्षम उद्यमी, नवोन्मेषक एवं सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत के रूप में विकसित करे।

ध्येय (Mission)

- महाविद्यालय में उद्यमिता की सशक्त संस्कृति का विकास करना।
- भावी उद्यमियों को मार्गदर्शन, परामर्श एवं उद्योग जगत का व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना।
- शैक्षणिक अधिगम एवं व्यावसायिक परिवेश के मध्य की दूरी को कम करना।
- नवोन्मेषी विचारों को इनक्यूबेशन एवं रणनीतिक परामर्श के माध्यम से प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सृजनात्मकता एवं समस्या-समाधान कौशल का विकास करना।
- उद्योग जगत से संवाद एवं अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से व्यावसायिक विकास के अवसर सृजित करना।

उद्देश्य (Objectives)

- उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ एवं ई-समिट (**E-Summit**) का आयोजन।
- नवोन्मेषी विद्यार्थी परियोजनाओं एवं स्टार्टअप्स को परामर्श एवं इनक्यूबेशन सहायता प्रदान करना।
- प्रतिष्ठित उद्यमियों एवं उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित करना।
- औद्योगिक एवं कॉर्पोरेट भ्रमणों के माध्यम से उद्योग जगत का व्यावहारिक परिचय कराना।
- स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार एवं नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स, निवेशकों एवं उद्योग विशेषज्ञों के मध्य नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराना।
- उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल-विकास एवं व्यावहारिक अधिगम को बढ़ावा देना।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपक्रम

उद्यमोदय समिति विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच विकसित करने के उद्देश्य से नवाचार, नेतृत्व एवं उद्योग सहभागिता पर आधारित एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही है। यह समिति इच्छुक उद्यमियों को मार्गदर्शन, उद्योग-अनुभव एवं अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से अपने विचारों को प्रभावशाली उद्यमों में रूपांतरित करने का अवसर प्रदान करती है। शैक्षणिक ज्ञान एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के मध्य सेतु स्थापित करते हुए समिति विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच एवं उद्यमशील दृष्टिकोण का विकास करती है।

हाल ही में समिति ने अपने वार्षिक ई-समिट के अवसर पर इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया, जो विद्यार्थी-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स एवं नवोन्मेषी व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है। यह केंद्र प्रारम्भिक चरण के उद्यमों को रणनीतिक परामर्श, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, नेटवर्किंग के अवसर तथा उद्योग विशेषज्ञों की विशेषज्ञता उपलब्ध कराकर उनके विकास को गति प्रदान करता है।

इनक्यूबेशन सेंटर

महाविद्यालय का इनक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों के अभिनव विचारों को व्यवहार्य एवं विस्तारयोग्य (Scalable) व्यावसायिक मॉडल में विकसित करने हेतु उत्प्रेरक (Catalyst) की भूमिका निभाता है। यह केंद्र नवोदित उद्यमियों को सहयोगात्मक वातावरण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं संस्थागत समर्थन उपलब्ध कराता है।

इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक सलाहकार समिति **(Advisory Committee)** का गठन किया गया है, जिसमें प्रतिष्ठित उद्योग जगत के विशेषज्ञ, स्टार्टअप संस्थापक, पेशेवर एवं मार्गदर्शक सम्मिलित हैं। उनके अनुभव एवं विशेषज्ञता के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, रणनीतिक दिशा एवं वास्तविक व्यावसायिक परिवेश का अनुभव प्राप्त होता है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

समिति नियमित रूप से उद्यमिता, स्टार्टअप विकास, नवाचार, वित्त, नेतृत्व एवं उभरती औद्योगिक प्रवृत्तियों पर आधारित संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यावसायिक परिवेश के अनुरूप आवश्यक उद्यमशील दक्षताओं एवं व्यावहारिक कौशलों से सुसज्जित करना है।

इसके अतिरिक्त, प्रतिष्ठित उद्यमियों, कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ताओं, निवेशकों एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक व्याख्यान सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वे अपने अनुभव, सफलता की कहानियाँ एवं उद्यमशील यात्रा से जुड़े व्यावहारिक पक्ष विद्यार्थियों के साथ साझा करते हैं।

औद्योगिक भ्रमण एवं 'उड़ान' पॉडकास्ट

विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्य से समिति समय-समय पर औद्योगिक एवं कॉर्पोरेट भ्रमण आयोजित करती है। इन भ्रमणों के माध्यम से विद्यार्थियों को उत्पादन प्रक्रियाओं, प्रबंधन प्रणाली, व्यावसायिक संचालन एवं बाज़ार की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है।

समिति की एक अभिनव पहल 'उड़ान' **(Udaan)** है, जो उद्यमिता प्रकोष्ठ का आधिकारिक पॉडकास्ट मंच है। इसके माध्यम से उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों, कॉर्पोरेट पेशेवरों एवं नवोन्मेषकों के साथ संवाद आयोजित किए जाते हैं, जिनमें उद्यमिता, नेतृत्व, स्टार्टअप अनुभव एवं उद्योग जगत के विविध आयामों पर विचार-विमर्श किया जाता है। यह पहल विद्यार्थियों को प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक ज्ञान एवं उद्यमशील दृष्टिकोण विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विद्या विस्तार योजना (Vidya Vistar Scheme – V2S)

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ की गई विद्या विस्तार योजना (Vidya Vistar Scheme – V2S) का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की परिकल्पना को साकार करना है। यह योजना विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों एवं देश के दूरस्थ तथा शैक्षणिक दृष्टि से वंचित क्षेत्रों में स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों के मध्य शैक्षणिक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा ज्ञान-साझाकरण को प्रोत्साहित करती है।

इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए शिवाजी कॉलेज ने हिमालयन डिग्री कॉलेज, राजौरी (जम्मू एवं कश्मीर) तथा सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, बर्टुक (सिक्किम) के साथ शैक्षणिक साझेदारी स्थापित की है। इन सहयोगात्मक पहलों का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान तथा शैक्षणिक विस्तार गतिविधियों के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़ करना तथा ज्ञान एवं संसाधनों के प्रभावी आदान-प्रदान के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करना है।

महिला विकास प्रकोष्ठ (Women's Development Cell – WDC)

शिवाजी कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ (Women's Development Cell – WDC) लैंगिक संवेदनशीलता, समानता एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के प्रति समर्पित एक सक्रिय संस्थागत निकाय है। यह प्रकोष्ठ उन प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सामाजिक संरचनाओं की पहचान करता है जिनके माध्यम से लैंगिक असमानता, भेदभाव एवं उत्पीड़न को बढ़ावा मिलता है, तथा सृजनात्मक एवं संवादपरक पहलों के माध्यम से दैनिक जीवन में लैंगिक प्रश्नों की समझ विकसित करने और उनके समाधान की दिशा में कार्य करता है।

महिला विकास प्रकोष्ठ सभी लिंगों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर ऐसा समावेशी शैक्षणिक वातावरण निर्मित करता है, जो जिज्ञासा, संवाद, संवेदनशीलता एवं रचनात्मक सहभागिता को प्रोत्साहित करता है। प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर लैंगिक संवेदनशीलता, विधिक जागरूकता एवं आत्मरक्षा जैसे विषयों पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वर्षभर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं।

पिछले एक दशक से अधिक समय से महिला विकास प्रकोष्ठ प्रतिवर्ष 'जीजाबाई अचीवर्स अवार्ड्स' का आयोजन करता आ रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज की माता राजमाता जीजाबाई के नाम पर स्थापित ये सम्मान उन विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों एवं समाज के वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी योगदान दिया है। पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों का जीवन-संघर्ष एवं कार्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, आशा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त स्रोत बनता है।

शैक्षणिक वर्ष **2024–25** में महिला विकास प्रकोष्ठ ने दो नए सम्मानों—‘जीजाबाई यंग अचीवर्स अवार्ड’ तथा ‘जीजाबाई कर्मचारी सम्मान पुरस्कार **(Jijabai Employee Recognition Award)**’—का शुभारम्भ किया। इन पुरस्कारों के माध्यम से शिवाजी कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं समर्पित कर्मचारियों के उत्कृष्ट योगदान को भी सम्मानित किया जाने लगा है।

जीजाबाई अचीवर्स अवार्ड्स के अतिरिक्त महिला विकास प्रकोष्ठ प्रतिवर्ष एक संपादित पुस्तक का प्रकाशन भी करता है, जिसका लेखन शिवाजी कॉलेज के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किया जाता है। समकालीन लैंगिक विमर्श, शोध, विचारों, प्रश्नों एवं सामाजिक बहसों पर केंद्रित यह प्रकाशन संस्थान की लैंगिक समानता, सामाजिक संवेदनशीलता एवं सकारात्मक परिवर्तन के प्रति उसकी सतत प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

विभागीय समितियां

विभाग का नाम	समिति का नाम
बी. ए. (प्रो .)	चाणक्य
जैव रसायन विज्ञान	चैपरोन
वनस्पति विज्ञान	फ्रेगरेंस
व्यावसायिक अर्थशास्त्र	इनोवॉक
रसायन विज्ञान	रसतंत्रम
वाणिज्य	काइज़ेन
कंप्यूटर साइंस	वेबस्टर्स
अर्थशास्त्र	एपिटोम
अंग्रेजी	पांडेमोनियम
भूगोल	शिवालिक
इतिहास	इतिहास
हिंदी	साहित्य संगम

प्रवेश के लिए उपलब्ध और स्वीकृत संख्या वाले पाठ्यक्रम 2026- 27

Courses Available and Sanctioned Strength for Admission 2026-27						
Course Offered (UG- Entrance Based)	कुल सीटें	सामान्य	एस सी	एसटी	ओबी सी	ई डब्ल्यू एस
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) गणित **Bachelor of Science (Honours) Mathematics**	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक (विज्ञ) Bachelor of Commerce (Honours)	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक Bachelor of Commerce (Prog.)	115	46	17	9	31	12
कला–स्नातक (विज्ञ) अर्थशास्त्र Bachelor of Arts (Honours) Economics	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) भूगोल Bachelor of Arts (Honours) Geography	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) हिन्दी Bachelor of Arts (Honours) Hindi	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) इतिहास Bachelor of Arts (Honours) History	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) राजनीति शास्त्र Bachelor of Arts (Honours) Political Science	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक Bachelor of Arts (PROG.)	231	93	35	17	63	23
कला–स्नातक (विज्ञ) अंग्रेजी Bachelor of Arts (Honours) English	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) अंग्रेजी Bachelor of Arts (Honours) English	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विज्ञ) संस्कृत Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit	57	23	9	4	15	6

विज्ञान-स्नातक (रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) Bachelor of Science (Physical Science with Chemistry)	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (जीव विज्ञान) Bachelor of Science (Life Science)	115	46	17	9	31	12
विज्ञान-स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) Bachelor of Science (Physical Science with Computer Science)	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) जीव रसायन Bachelor of Science (Honours) Biochemistry	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) वनस्पति विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Botany	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) रसायन विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Chemistry	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) भौतिकी Bachelor of Science (Honours) Physics	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विज्ञ) प्राणि विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Zoology	39	16	6	3	10	4
कला–स्नातक (विज्ञ) व्यवसाय अर्थशास्त्र Bachelor of Arts (Honours) Business Economics	78	31	12	6	21	8

प्रवेश के लिए उपलब्ध और स्वीकृत संख्या वाले पाठ्यक्रम 2026-27

Course Offered (PG- Entrance Based)	Total Seats	UR	SC	ST	OBC	EWS
कला-निष्णात (हिन्दी) MASTER OF ARTS (HINDI)	14	05	2	1	4	2
कला-निष्णात (राजनीति शास्त्र) MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)	12	04	2	1	4	1
कला-निष्णात (संस्कृत) MASTER OF ARTS (SANSKRIT)	15	06	2	2	4	1

यूजीसीएफ 2026–27 के अंतर्गत प्रवेश हेतु सामान्य दिशानिर्देश

महत्वपूर्ण बिंदु

CUET (UG) – 2026 संबंधी आवश्यकताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक (Undergraduate) कार्यक्रमों में प्रवेश CUET (UG)–2026 में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। हालांकि, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (SOL), नॉन-कॉलेजिएट विमेन एजुकेशन बोर्ड (NCWEB) तथा विदेशी नागरिकों (Foreign Nationals) के प्रवेश इस व्यवस्था से अलग होंगे।

पात्रता मानदंड (Eligibility Criteria)

- अभ्यर्थी ने किसी एक मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से कक्षा XII अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
- अभ्यर्थी ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय अथवा ऐसे विदेशी संस्थान से कक्षा XII अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो, जिसे एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ (AIU) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को CUET (UG)–2026 में उन्हीं विषयों में परीक्षा देना अनिवार्य होगा, जिन विषयों का अध्ययन उसने कक्षा XII में किया है अथवा जिनमें वह सम्मिलित हुआ/हुई है।
- यदि कक्षा XII में अध्ययन किया गया कोई विषय CUET (UG)–2026 में उपलब्ध नहीं है, तो अभ्यर्थी को उस विषय से समान अथवा निकटतम संबंधित भाषा/डोमेन विषय में परीक्षा देनी होगी। उदाहरणार्थ, यदि किसी अभ्यर्थी ने कक्षा XII में बायोकेमिस्ट्री का अध्ययन किया है, तो उसे CUET (UG)–2026 में बायोलॉजी विषय में परीक्षा देनी होगी।
- कक्षा XII के विषय एवं CUET विषय के बीच समानता स्थापित करने हेतु दोनों विषयों के पाठ्यक्रम में कम-से-कम 50 प्रतिशत समानता होना आवश्यक होगा। विषयों की समानता निर्धारित करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा तथा इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)

- सीटों का आवंटन एवं प्रवेश केवल भाषा (Language), डोमेन-विशिष्ट विषय (Domain Specific Subjects) तथा/या सामान्य अभिरुचि परीक्षा (General Aptitude Test - GAT) के उस संयोजन के आधार पर किया जाएगा, जिसमें अभ्यर्थी ने संबंधित कार्यक्रम की पात्रता के अनुसार CUET (UG)–2026 में भाग लिया हो।
- शैक्षणिक सत्र 2026–27 में प्रवेश हेतु केवल CUET (UG)–2026 में प्राप्त अंक ही मान्य होंगे।
- अभ्यर्थियों को संबंधित कार्यक्रम की पात्रता (Program-Specific Eligibility) का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद ही CUET (UG)–2026 में भाषा एवं/अथवा डोमेन विषयों का चयन करना चाहिए।

आवेदन एवं प्रवेश संबंधी दिशानिर्देश

- दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम **(CSAS-UG 2026)** के माध्यम से भी आवेदन करना अनिवार्य होगा। **CSAS (UG)-2026** से संबंधित प्रवेश एवं सीट आवंटन की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर पृथक रूप से प्रकाशित की जाएगी।
- अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** आवेदन पत्र भरते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि नाम, हस्ताक्षर एवं फोटो जैसी सूचनाएँ बाद में **CUET** से स्वतः **(Auto-integrated)** दिल्ली विश्वविद्यालय के पोर्टल पर स्थानांतरित कर दी जाएँगी। इन विवरणों में बाद में संशोधन संभव नहीं होगा।
- आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थी का नाम उसके विद्यालय/बोर्ड के प्रमाण-पत्रों तथा **CUET (UG)-2026** आवेदन में समान होना चाहिए। इसी प्रकार अभिभावकों के नाम भी सभी प्रमाण-पत्रों में समान होने चाहिए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के ऑर्डिनेंस-**I** के अनुसार विश्वविद्यालय एवं उसके महाविद्यालयों के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु कोई न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है। हालांकि, जिन कार्यक्रमों के लिए संबंधित नियामक संस्थाओं—जैसे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया **(MCI)**, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद **(AICTE)**, बार काउंसिल ऑफ इंडिया **(BCI)**, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद **(NCTE)**, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया **(DCI)** आदि—द्वारा न्यूनतम आयु निर्धारित की गई है, वहाँ उन्हीं नियमों का पालन किया जाएगा।
- स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गैप ईयर **(Gap Year)** कोई बाधा नहीं होगी। तथापि, ऐसे अभ्यर्थियों को भी शैक्षणिक सत्र **2026–27** में प्रवेश हेतु **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।

उत्तरदायित्व एवं आवश्यकताएँ

- अभ्यर्थियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे **NTA** तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट एवं प्रवेश पोर्टल पर **CUET (UG)-2026** तथा प्रवेश नीति से संबंधित नवीनतम सूचनाओं की नियमित रूप से जाँच करते रहें। केवल इस सूचना पुस्तिका अथवा वेबसाइट का अवलोकन न करने के कारण उत्पन्न शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- **CUET (UG)-2026** के लिए पंजीकरण करने से पूर्व अभ्यर्थियों को सूचना पुस्तिका **(BOI) 2026–27**, दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, **1922**, तथा विश्वविद्यालय के अधिनियमों, अध्यादेशों, नियमों एवं विनियमों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सभी नियम अभ्यर्थियों पर बाध्यकारी होंगे।

दस्तावेज़ सत्यापन एवं अनुपालन

- प्रवेश की किसी भी शर्त का पालन न करना, जैसे आवश्यक दस्तावेज़ समय पर प्रस्तुत न करना अथवा निर्धारित तिथि एवं समय के भीतर शुल्क जमा न करना, प्रवेश के अधिकार को समाप्त कर देगा।

- यदि किसी भी चरण में यह पाया जाता है कि प्रवेश से संबंधित मूल दस्तावेज़ जाली, मिथ्या अथवा कूटरचित हैं, तो संबंधित अभ्यर्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। यदि प्रवेश पहले ही हो चुका है, तो बिना किसी पूर्व सूचना के उसे रद्द कर दिया जाएगा तथा जमा की गई कोई भी फीस वापस नहीं की जाएगी। यदि यह तथ्य पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद सामने आता है, तो अभ्यर्थी की डिग्री भी निरस्त कर दी जाएगी तथा उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नीति एवं प्रक्रिया में संशोधन

- दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के इस सूचना पुस्तिका के किसी भी भाग में संशोधन, परिवर्तन, अद्यतन अथवा विलोपन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसा कोई भी परिवर्तन विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित होते ही प्रभावी माना जाएगा।
- **CUET (UG)-2026** की परीक्षा-पद्धति, प्रश्न-पत्र, परीक्षा संरचना, परीक्षा तिथियों अथवा उससे संबंधित शिकायतों में किसी भी परिवर्तन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।
- विश्वविद्यालय किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के अपनी प्रवेश नीतियों एवं प्रक्रियाओं में परिवर्तन अथवा संशोधन कर सकता है। इस संबंध में नवीनतम एवं अद्यतन जानकारी केवल दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

सामान्य टिप्पणियाँ (General Notes)

- जहाँ भी आवश्यक होगा (अधिसंख्यक/सुपरन्यूमेरेरी कोटा सहित), **CUET (UG)-2026** में प्राप्त अंकों का समुचित अनुपाती समायोजन **(Appropriate Proration)** किया जाएगा।
- **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित न होने अथवा आवश्यक भाषा **(Language)**, डोमेन-विशिष्ट विषय **(Domain Specific Subjects)** एवं/अथवा सामान्य अभिरुचि परीक्षा **(General Aptitude Test - GAT)** में उपस्थित न होने से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा।
- यह सूचना पुस्तिका **(Bulletin of Information)** राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी **(NTA)**, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों, केंद्रों, महाविद्यालयों, अन्य संबद्ध संस्थानों तथा संबंधित स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं का संकलित एवं समेकित दस्तावेज़ है। इसमें विश्वविद्यालय के नियमों एवं विनियमों के प्रामाणिक एवं आधिकारिक स्वरूप के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक जानकारियों को यथासंभव सावधानीपूर्वक प्रस्तुत किया गया है। तथापि, इसे किसी भी स्थिति में उपलब्ध कराई गई सूचनाओं की पूर्णता, शुद्धता अथवा सटीकता की स्पष्ट या निहित गारंटी के रूप में नहीं माना जाएगा। इसका उद्देश्य केवल एक सुविधाजनक संदर्भ **(Ready Reference)** उपलब्ध कराना है।
- इस सूचना पुस्तिका में उपलब्ध जानकारी के आधार पर किसी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी भी कार्य से यदि किसी प्रकार की हानि या नुकसान होता है, तो उसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। यदि इस पुस्तिका में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो वह अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटि अथवा अन्य किसी कारणवश हो सकती है।

विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विषय संयोजन

पाठ्यक्रम	पात्रता / विषय संयोजन
बी.ए. (प्रोग्राम)	अभ्यर्थी को CUET में निम्नलिखित में से किसी एक विषय संयोजन के साथ उपस्थित होना होगा: • संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय • संयोजन-II: सूची A से कोई दो भाषाएँ + सूची B से कोई दो विषय • संयोजन-III: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई एक विषय + सामान्य अभिरुचि परीक्षा (GAT) मेरिट उपर्युक्त संयोजनों में प्राप्त सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। टिप्पणी: जहाँ गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर अनुप्रयोग/कंप्यूटर विज्ञान दो मुख्य विषयों में से एक हो, वहाँ कक्षा XII में गणित उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। यदि किसी भाषा को मुख्य विषय के रूप में चुना गया है, तो उस भाषा का कार्यसाधक ज्ञान होना आवश्यक है।
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	संयोजन: सूची A से अंग्रेज़ी + सूची B से कोई तीन विषय या अंग्रेज़ी तथा सूची A से कोई एक अन्य भाषा + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी	संयोजन-I: सूची A से हिन्दी + सूची B से कोई तीन विषय या संयोजन-II: हिन्दी तथा सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय या संयोजन-II: सूची A से कोई दो भाषाएँ + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय या संयोजन-II: सूची A से कोई दो भाषाएँ + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय या संयोजन-II: सूची A से कोई दो भाषाएँ + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी एक संयोजन के साथ CUET में उपस्थित होंगे: • संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची A से संस्कृत + सूची B से कोई दो विषय • संयोजन-II: सूची A से संस्कृत + सूची B से कोई तीन विषय • संयोजन-III: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय • संयोजन-IV: सूची A से कोई दो भाषाएँ + सूची B से कोई दो विषय मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी। संयोजन III एवं IV वाले अभ्यर्थियों पर तभी विचार किया जाएगा जब संयोजन I एवं II के सभी पात्र अभ्यर्थियों पर विचार करने के बाद सीटें रिक्त रहें।
बी.कॉम. (ऑनर्स)	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची B से कोई दो विषय संयोजन-II: सूची A से कोई एक भाषा + लेखा/बुक-कीपिंग + सूची B से कोई दो विषय। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई तीन विषय या संयोजन-II: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B से कोई एक विषय + सामान्य अभिरुचि परीक्षा (GAT)। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी। टिप्पणी: CUET अनुभागों के भारांक समान न होने के कारण उपयुक्त अनुपाती समायोजन (Proration) किया जाएगा।
बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन (Biochemistry)	संयोजन-I: रसायन + जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव-प्रौद्योगिकी/जैव-रसायन + भौतिकी या संयोजन-II: रसायन + जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव-प्रौद्योगिकी/जैव-रसायन + गणित/अनुप्रयुक्त गणित। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी। अभ्यर्थी को सूची A से किसी एक भाषा में भी CUET देना अनिवार्य होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	संयोजन: भौतिकी + रसायन + जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव-प्रौद्योगिकी/जैव-रसायन। मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	• संयोजन-I: भौतिकी + गणित/अनप्रयक्त गणित + रसायन अभ्यर्थी को उन्हीं विषयों में CUET देना अनिवार्य होगा जिनमें उसने कक्षा XII में अध्ययन किया है या परीक्षा दी है। • संयोजन: भौतिकी + रसायन + गणित/अनुप्रयुक्त गणित। • मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान	संयोजन: रसायन + भौतिकी + जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव-प्रौद्योगिकी/जैव-रसायन। मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन के साथ)	संयोजन: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन।
	मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन / इन्फॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज के साथ)	संयोजन-I: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन या संयोजन-II: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान/इन्फॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	संयोजन-I: सूची A से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची B से कोई दो विषय या संयोजन-II: सूची A से कोई दो भाषाएँ + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची B से कोई एक विषय। मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी।
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	संयोजन: भौतिकी + रसायन + गणित/अनुप्रयुक्त गणित। मेरिट सर्वोत्तम CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	संयोजन: भौतिकी + रसायन + जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव-प्रौद्योगिकी/जैव-रसायन। मेरिट इसी संयोजन में प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। सूची A से किसी एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय – अधिसंख्यक (Supernumerary) कोटा के माध्यम से प्रवेश

1. बेंचमार्क दिव्यांगजन

- प्रत्येक कार्यक्रम में स्वीकृत कुल सीटों का **5%** बेंचमार्क दिव्यांग **(PwBD)** अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है।
- **PwBD** श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश हेतु अलग से सीट आवंटन परिणाम घोषित किया जाएगा।
- अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि **PwBD** प्रमाण-पत्र उनके नाम पर हो तथा किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया हो, जिस पर अभ्यर्थी का विधिवत सत्यापित **(Attested)** फोटो अंकित हो।
- इस श्रेणी के अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क रियायत भी प्रदान की जाती है।

2. सशस्त्र बलों के कर्मियों के आश्रित/विधवा

- सभी महाविद्यालयों में प्रत्येक कार्यक्रम के अंतर्गत **5%** सीटें इस श्रेणी के लिए आरक्षित हैं।
- इस कोटा के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
- सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में **Educational Concession Certificate (ECC)** अपलोड करना होगा।

3. कश्मीरी प्रवासी

- सभी महाविद्यालयों में प्रत्येक कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकतम **5%** सीटें कश्मीरी प्रवासियों के आश्रितों के लिए आरक्षित हैं।
- अभ्यर्थियों को डिवीजनल कमिश्नर/रिलीफ कमिश्नर द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासी पंजीकरण प्रमाण-पत्र अपलोड करना होगा।
- इस श्रेणी में प्रवेश के लिए **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

4. प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना

- जम्मू एवं कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।

5. सिक्किमी विद्यार्थियों का नामांकन

- सिक्किम नामांकन योजना के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।

- सिक्किम सरकार द्वारा नामित विद्यार्थियों को उन महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु विचार किया जाएगा जहाँ छात्रावास **(Hostel)** की सुविधा उपलब्ध है।

6. वार्ड कोटा

- दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के आश्रितों (Ward) के लिए निर्धारित कोटा के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
- प्रत्येक महाविद्यालय में प्रवेश तीन कार्यक्रम समूहों के आधार पर किया जाएगा—
    - मानविकी (Humanities)
    - वाणिज्य (Commerce)
    - विज्ञान (Sciences)
- पंजीकरण के समय अभ्यर्थी के पास संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी वैध सेवा प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है।
- समूह-आधारित मेरिट निर्धारित करने के लिए आवश्यकता अनुसार CUET अंकों का अनुपातिक समायोजन किया जा सकता है।

7. अनाथ कोटा

- अनाथ अभ्यर्थियों के लिए अधिसंख्यक कोटा के अंतर्गत प्रवेश हेतु **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- अभ्यर्थी के पास निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण-पत्र होना चाहिए—
    - सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह (Charitable Home) का प्रमाण-पत्र, अथवा
    - माता एवं पिता दोनों के मृत्यु प्रमाण-पत्र।

8. पाठ्येतर गतिविधियाँ एवं खेल कोटा

- ECA तथा/या खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को **CUET (UG)-2026** में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
- प्रवेश के लिए **25%** भारांक **CUET (UG)-2026** के अंकों तथा **75%** भारांक प्रमाण-पत्रों, ट्रायल एवं प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

9. एकल बालिका

- प्रत्येक महाविद्यालय के प्रत्येक कार्यक्रम में एक **(01)** सीट एकल बालिका के लिए अधिसंख्यक कोटा के अंतर्गत आरक्षित होगी।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज़ों की सूची

- कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा का प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका।
- कक्षा 12वीं की अंकतालिका।
- कक्षा 12वीं का अस्थायी (प्रोविजनल) प्रमाणपत्र / मूल प्रमाणपत्र।
- अभ्यर्थी के नाम से जारी एससी/एसटी/दिव्यांग **(PwD)/**सीडब्ल्यू **(CW)/**कश्मीरी प्रवासी **(KM)/** ईडब्ल्यूएस **(EWS)** प्रमाणपत्र।
- अभ्यर्थी के नाम से सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र (केंद्रीय सूची में शामिल ओबीसी अभ्यर्थियों हेतु)।
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र, जिसमें यह प्रमाणित हो कि अभ्यर्थी इस श्रेणी के अंतर्गत आरक्षण का दावा कर सकता/सकती है।
- जहाँ लागू हो, नवीनतम आय प्रमाणपत्र।
- हाल ही के पासपोर्ट आकार के 3 रंगीन फोटोग्राफ।
- स्थायी पते का प्रमाण (केवल छायाप्रति)।
- आधार कार्ड की छायाप्रति (एससी, एसटी एवं ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य)।

प्रवेश संबंधी समितियां

भूमिका/जिम्मेदारी	सदस्य का नाम
संयोजक	डा. दिव्या मदान
सह-संयोजक	डॉ. कंचन
सह- संयोजक	श्री स्कंद प्रिय
सह-संयोजक	श्री धारा सिंह
सह-संयोजक	डॉ. मनीषा रानी
सह-सयोजक	डॉ. सुनील यादव
सह-सयोजक	डॉ. सीमा- रसायन विज्ञान
बी.ए. प्रोग्राम	डॉ. चकप्रम प्रियंका (अंग्रेजी)
	डॉ. कंचन (हिंदी)
	सुश्री निधि शहरावत (अर्थशास्त्र)
	डॉ. उषा रानी (भूगोल)
	श्री स्कंद प्रिय (इतिहास)
	श्री कौशिक कमार राजनीति विज्ञान
बीएससी. एलएस कार्यक्रम	डॉ. मिशा यादव
	डॉ. जितेन्द्र कुमार चौधरी
बीएससी पीएस कार्यक्रम	डॉ. प्रीति कुमारी
	डॉ. अनिल आवासिया
बीएससी एपीएस कार्यक्रम	श्री अशेष कुमार झरवाल
	डॉ. कृष्ण कांत सिंह गौतम
बी. कॉम प्रोग्राम	डॉ. वनिता चड्ढा
सामान्य परामर्श और शिकायत निवारण प्रकोष्ठ	डॉ. चंद्र प्रकाश
	डॉ. उषा यादव
	श्री राजेश कुमार - वाणिज्य
हेल्पडेस्क	श्री नितेश कुमार
	सुश्री कविता यादव
	डॉ. योगेंदर सिंह
	डॉ. त्सेवांग नामग्याल

भूमिका/जिम्मेदारी	सदस्य का नाम
एससी एसटी और, ओबीसी परामर्श और कल्याण समिति	डॉ. ममता
	डॉ. संदीप कुमार
	श्री उमेश कुमार
	डॉ. अनुराग मौर्य
	श्री हिमांशी सैनी
	श्री तमन्ना हुड्डा
नॉर्थ ईस्ट सेल	डॉ. चकपरम प्रियंका
	डॉ. एल. थनसांगा
	डॉ. एस. हांग्ज़ो
पीडब्ल्यूडी काउंसलिंग	प्रो. रमेश मलिक
	श्री महेश कुमार
	डॉ. गुंजन कुमारी (अंग्रेजी)

खेल और ईसीए सीट मैट्रिक्स

खेल सीट मैट्रिक्स

खेल प्रवेश के लिए दी जाने वाली सीटों की कुल संख्या (सभी खेल श्रेणियों में) = **31**

क्रमांक	खेल का नाम	सीटों की संख्या
1	क्रिकेट (पुरुष)	18
2	शतरंज (पुरुष)	06
3	बास्केटबॉल (महिला)	07
	कुल प्रस्तावित सीटें	**31**

ईसीए सीट मैट्रिक्स

ईसीए प्रवेश के लिए दी जाने वाली सीटों की कुल संख्या (सभी ईसीए श्रेणियों में) = **45**

श्रेणी क्र.सं.	श्रेणी	उप श्रेणी क्र.सं. (यदि लागू हो)	उप-श्रेणी (यदि लागू हो)	नहीं। सीटों की संख्या पेश
2	डांस	2. ए	नृत्य: भारतीय शास्त्रीय	2
		2. बी	नृत्य: भारतीय लोक	4
		2. सी	नृत्य: पश्चिमी	2
		2.डी	डांस कोरियोग्राफी	1
3	डिबेट	3. ए	डिबेट: हिंदी	2
		3. बी	डिबेट: अंग्रेजी	2
4	डिजिटल मीडिया	4.ए	डिजिटल मीडिया: फोटोग्राफी	2
		4. बी	डिजिटल मीडिया: फिल्म मेकिंग	2
5	ललित कलाएँ	5. ए	ललित कला: स्केचिंग और पेंटिंग	2
		5. बी	ललित कला: मूर्तिकला	1
6	संगीत (वोकल)	6. ए	संगीत (वोकल): भारतीय	4
7	संगीत (वाद्य: भारतीय)	7. ए	संगीत (वाद्य: भारतीय) तबला	1
		7.एफ	संगीत (वाद्य: भारतीय) हारमोनियम	1
		7.जी.	संगीत (वाद्य: भारतीय) बांसुरी	1
		7.एच	संगीत (वाद्य: भारतीय) सितार	1
8	संगीत (वाद्य: पश्चिमी)	8. ए	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) ड्रम	1
		8. ई	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) गिटार (बास)	1
		8. जी	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) कीबोर्ड	1
9	नाटक	--	--	5
12	एनसीसी	--	--	5
13	एनएसएस	--	--	4
			कुल ईसीए सीटों की पेशकश	**45**

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा / Undergraduate Curriculum Framework

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2022–23 से स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (**Undergraduate Curriculum Framework - UGCF**) को लागू किया है। UGCF के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (**Four-Year Undergraduate Programme - FYUP**) संचालित किया जाता है, जो विद्यार्थियों को अंतर्विषयक (**Interdisciplinary**) अध्ययन, कौशल विकास (**Skill Development**) तथा अनुसंधान (**Research**) के अवसर प्रदान करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सुसज्जित करना है।

समग्र एवं लचीली शिक्षा (**Holistic and Flexible Education**) को बढ़ावा देने के लिए UGCF में एकाधिक निकास विकल्प (**Multiple Exit Options**) उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक प्रगति एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न करियर विकल्पों का चयन कर सकें तथा आजीवन अधिगम (Lifelong Learning) की दिशा में आगे बढ़ सकें।

शिवाजी कॉलेज में निम्नलिखित प्रकार के स्नातक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं—

- एक प्रमुख विषय (**Single Core Discipline**) वाले कार्यक्रम:
  - बी.एससी. (ऑनर्स)
  - बी.ए. (ऑनर्स)
  - बी.कॉम. (ऑनर्स)
- दो प्रमुख विषय (**Two Core Disciplines**) वाले कार्यक्रम:
  - बी.ए. (प्रोग्राम)
  - बी.कॉम. (प्रोग्राम)
- तीन प्रमुख विषय (**Three Core Disciplines**) वाला कार्यक्रम:
  - बी.एससी. (प्रोग्राम)

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों की संरचना को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा फ्लो-चार्ट (**Flow Charts**) तैयार किए गए हैं। इन फ्लो-चार्टों में प्रयुक्त विभिन्न संक्षिप्त रूपों (**Abbreviations**) का विवरण आगे दिया गया है।

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution
SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

Academic Credit

1 Credit = 1 Hour of Lecture/ Tutorial per week

or

2 Hours of Practical or field work per week

B.A. (Hons), B. Sc. (Hons), B. Com (Hons)
Structure of UG Single Core Discipline Program

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution
SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

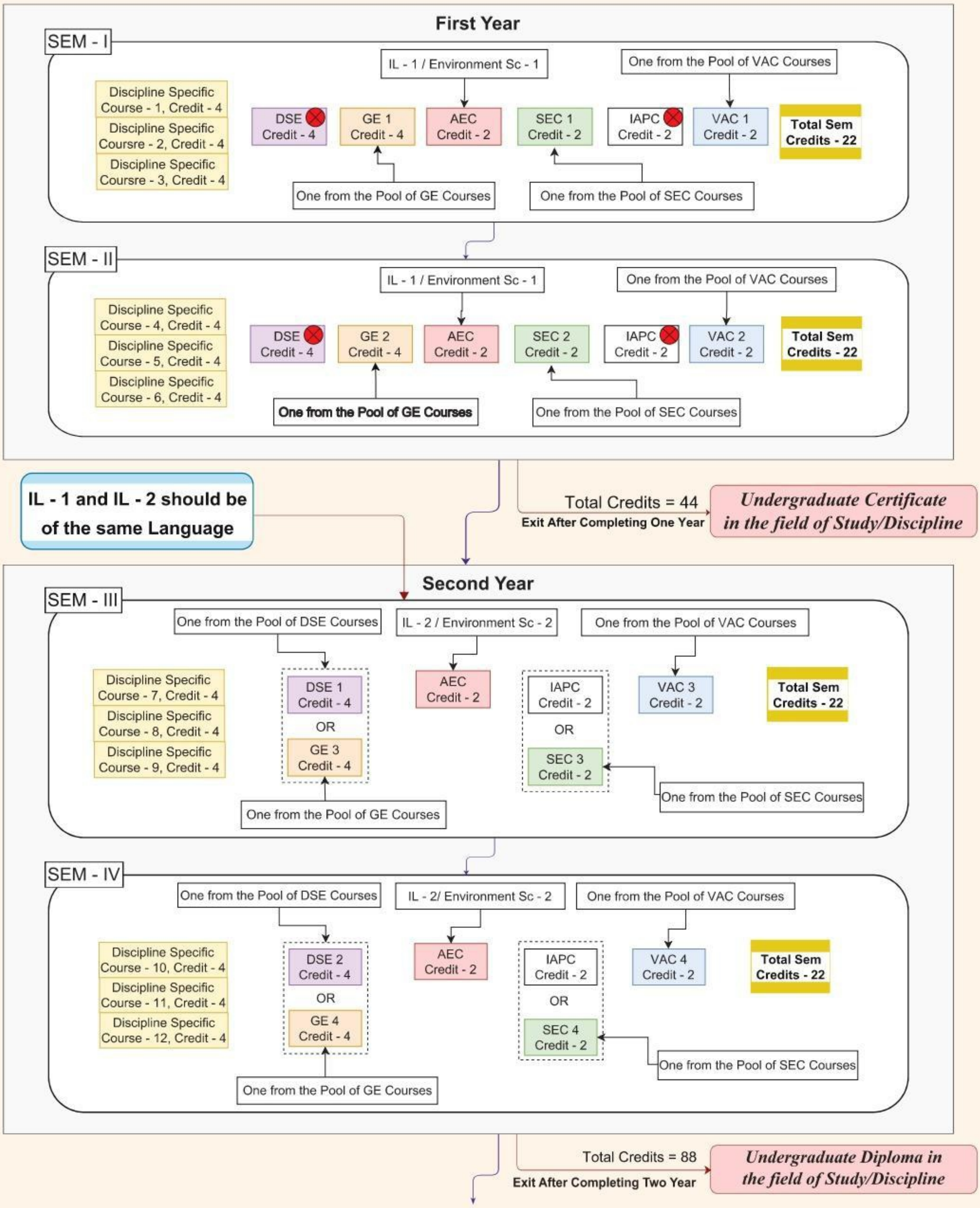

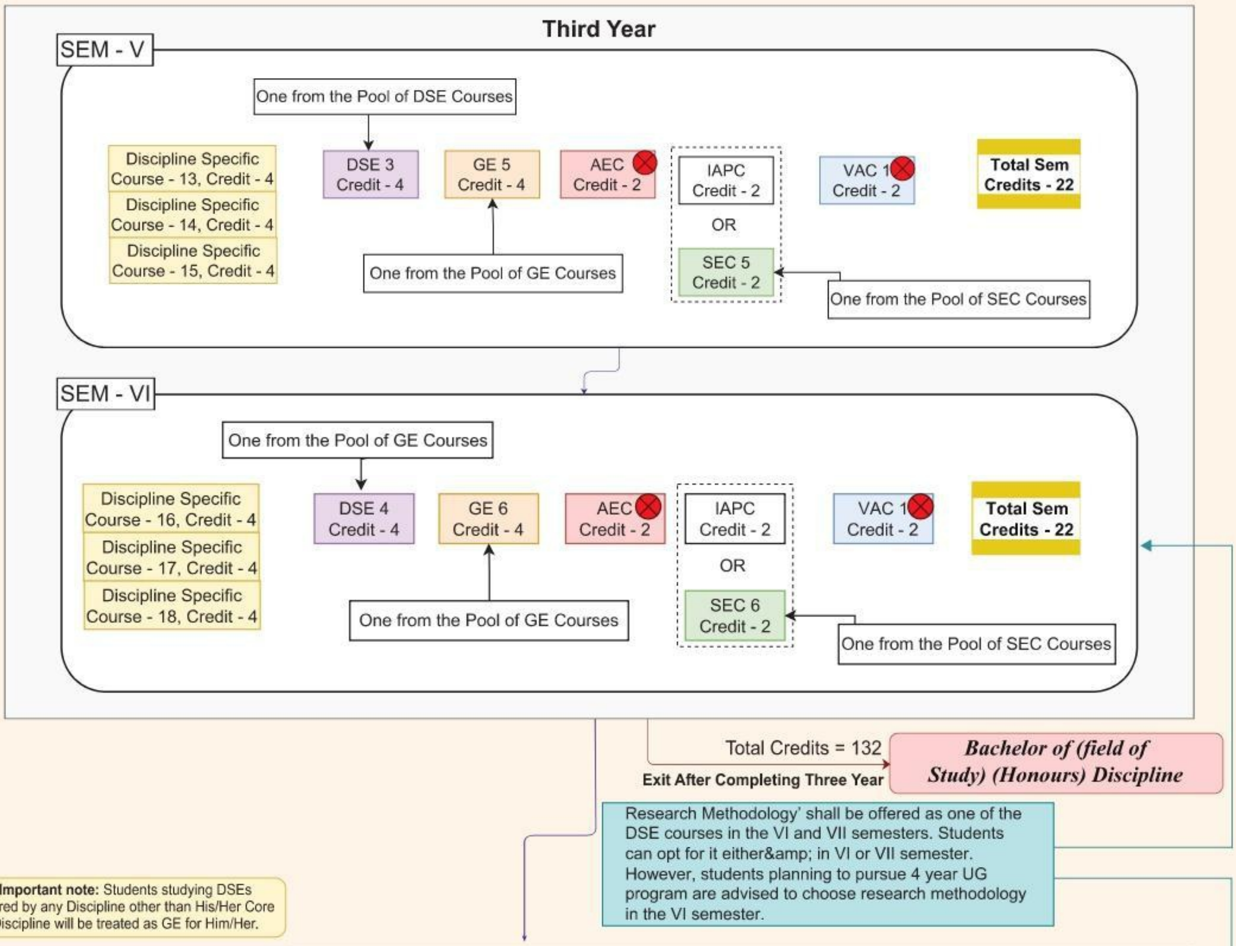

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs:

Total DSC papers : 20

Total DSE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

Total GE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

The student can **Minor** in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7 x 4) = 28 credits

Example: A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded **Major in History.**

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded **Minor in Political Science.**

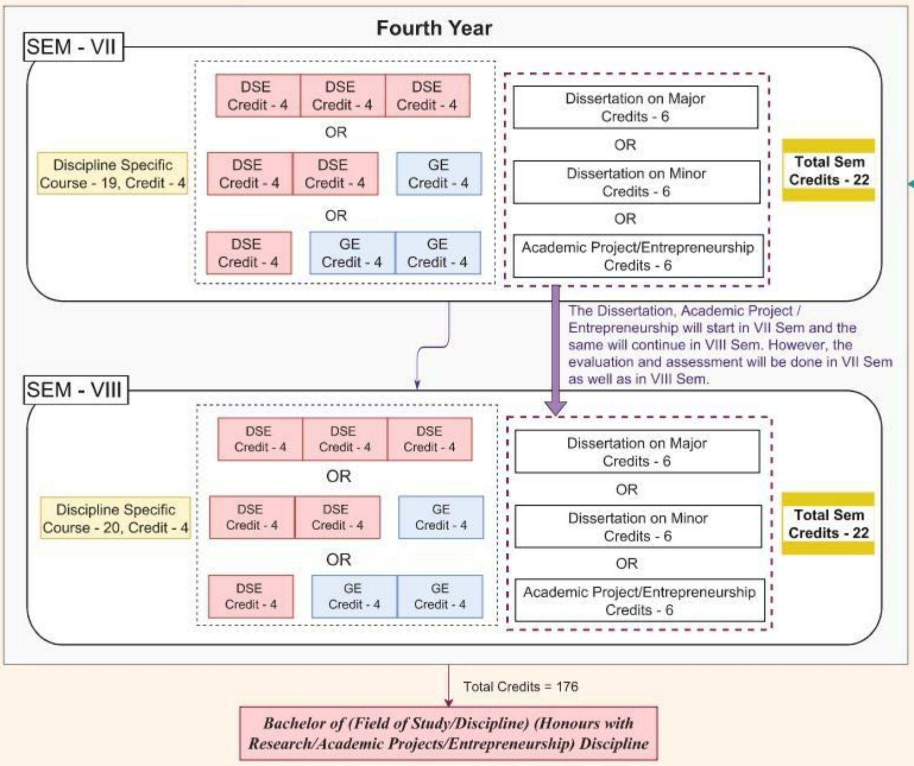

B. Sc. (Prog.)

Structure of UG Multidisciplinary Program with Three Core disciplines

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution
SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

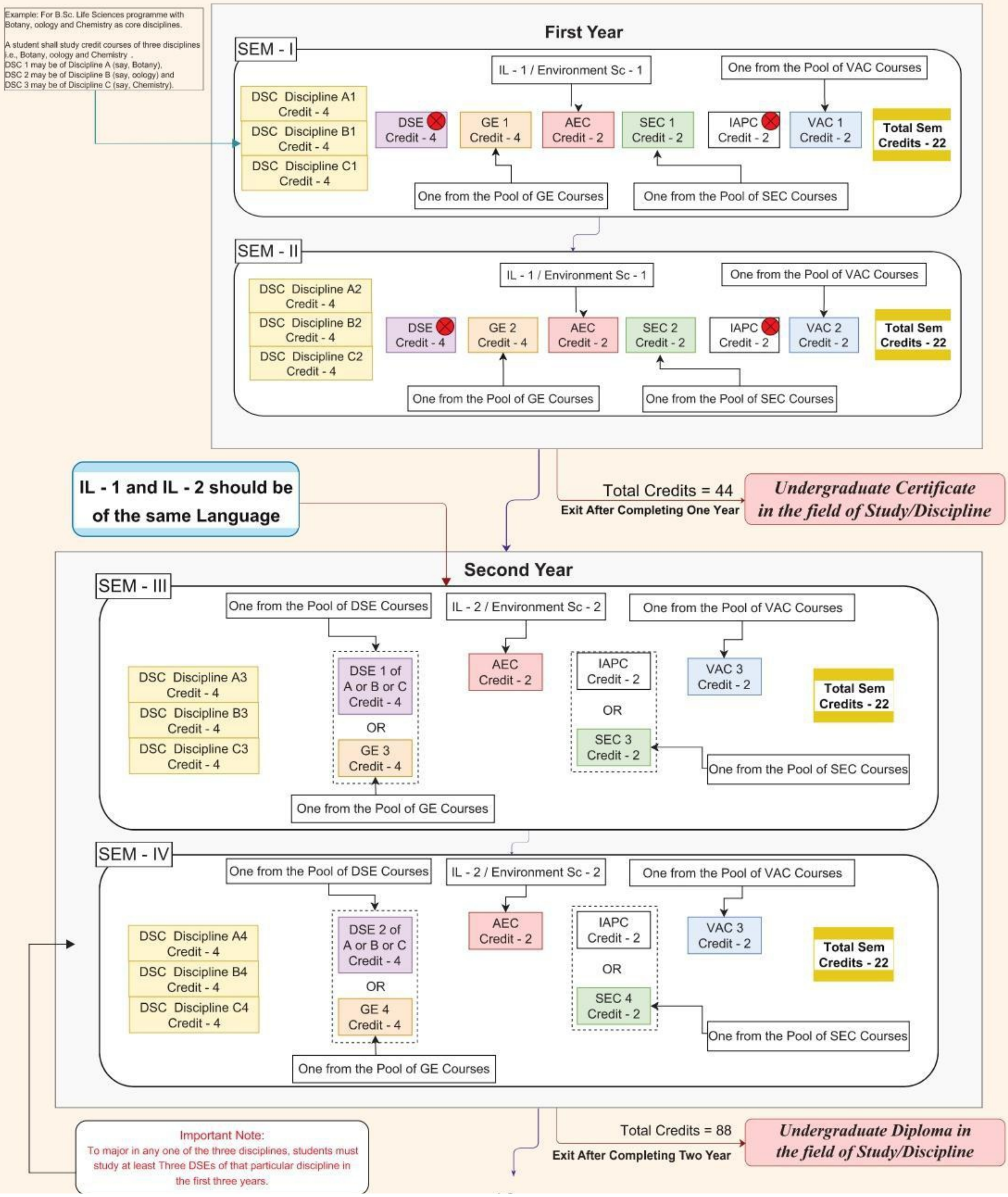

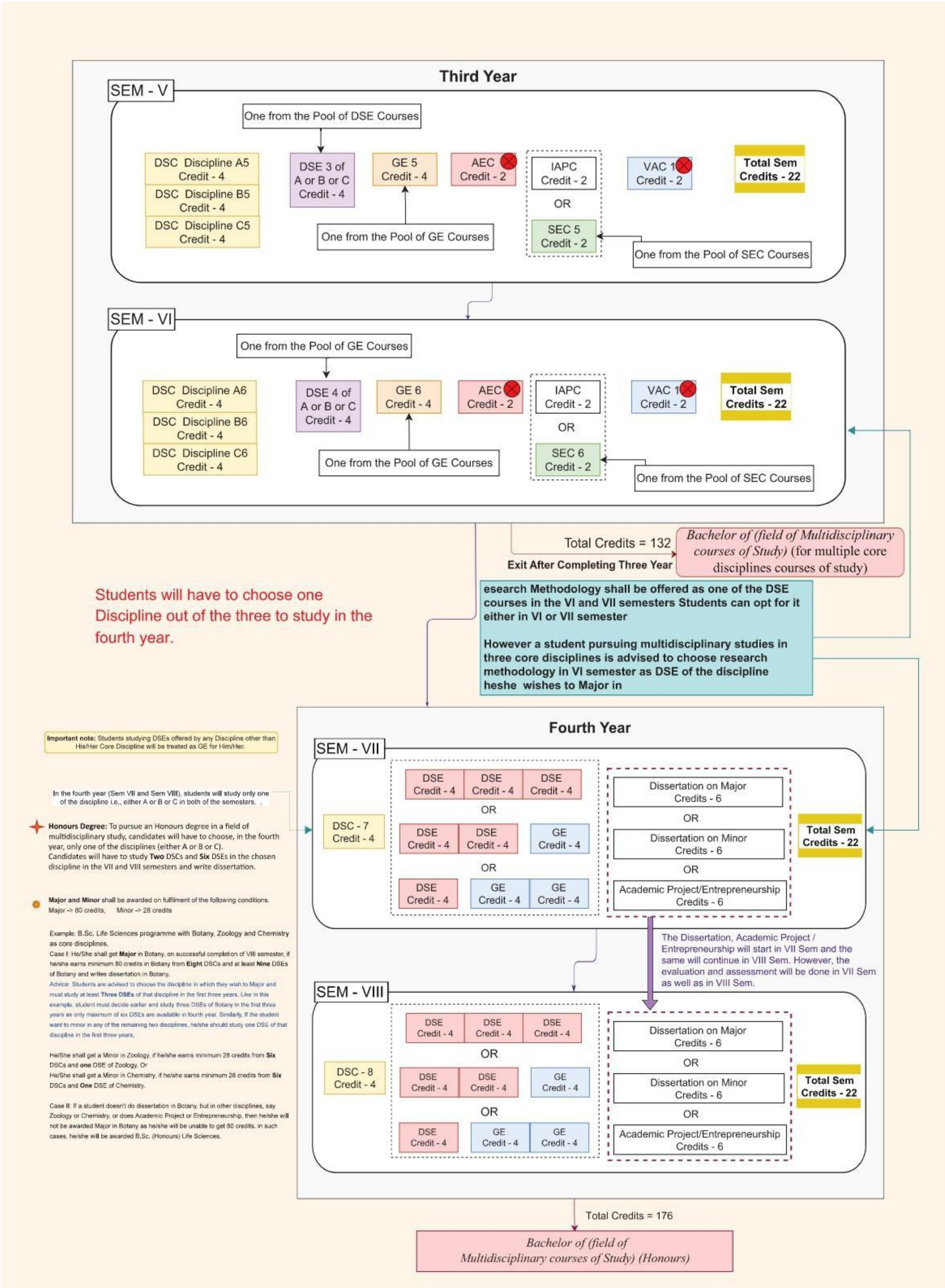
Third Year
SEM - V
One from the Pool of DSE Courses
DSC Discipline A5 Credit - 4
DSC Discipline B5 Credit - 4
DSC Discipline C5 Credit - 4
DSE 3 of A or B or C Credit - 4
GE 5 Credit - 4
AEC Credit - 2
IAPC Credit - 2
OR
SEC 5 Credit - 2
VAC 1 Credit - 2
Total Sem Credits - 22
One from the Pool of GE Courses
One from the Pool of SEC Courses
SEM - VI
One from the Pool of GE Courses
DSC Discipline A6 Credit - 4
DSC Discipline B6 Credit - 4
DSC Discipline C6 Credit - 4
DSE 4 of A or B or C Credit - 4
GE 6 Credit - 4
AEC Credit - 2
IAPC Credit - 2
OR
SEC 6 Credit - 2
VAC 1 Credit - 2
Total Sem Credits - 22
One from the Pool of GE Courses
One from the Pool of SEC Courses
Total Credits = 132
Exit After Completing Three Year
Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (for multiple core disciplines courses of study)
esearch Methodology shall be offered as one of the DSE courses in the VI and VII semesters Students can opt for it either in VI or VII semester
However a student pursuing multidisciplinary studies in three core disciplines is advised to choose research methodology in VI semester as DSE of the discipline heshe wishes to Major in
Students will have to choose one Discipline out of the three to study in the fourth year.
Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.
In the fourth year (Sem VII and Sem VIII), students will study only one of the discipline i.e., either A or B or C in both of the semesters.
Honours Degree: To pursue an Honours degree in a field of multidisciplinary study, candidates will have to choose, in the fourth year, only one of the disciplines (either A or B or C).
Candidates will have to study Two DSCs and Six DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters and write dissertation.
Major and Minor shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
Major -> 80 credits, Minor -> 28 credits
Example: B.Sc. Life Sciences programme with Botany, Zoology and Chemistry as core disciplines.
Case I: He/She shall get Major in Botany, on successful completion of VIII semester, if he/she earns minimum 80 credits in Botany from Eight DSCs and at least Nine DSEs of Botany and writes dissertation in Botany.
Advice: Students are advised to choose the discipline in which they wish to Major and must study at least Three DSEs of that discipline in the first three years. Like in this example, student must decide earlier and study three DSEs of Botany in the first three years as only maximum of six DSEs are available in fourth year. Similarly, if the student want to minor in any of the remaining two disciplines, he/she should study one DSE of that discipline in the first three years.
He/She shall get a Minor in Zoology, if he/she earns minimum 28 credits from Six DSCs and one DSE of Zoology. Or
He/She shall get a Minor in Chemistry, if he/she earns minimum 28 credits from Six DSCs and One DSE of Chemistry.
Case II: If a student doesn't do dissertation in Botany, but in other disciplines, say Zoology or Chemistry, or does Academic Project or Entrepreneurship, then he/she will not be awarded Major in Botany as he/she will be unable to get 80 credits, in such cases, he/she will be awarded B.Sc. (Honours) Life Sciences.
Fourth Year
SEM - VII
DSC - 7 Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
GE Credit - 4
Dissertation on Major Credits - 6
OR
Dissertation on Minor Credits - 6
OR
Academic Project/Entrepreneurship Credits - 6
Total Sem Credits - 22
The Dissertation, Academic Project / Entrepreneurship will start in VII Sem and the same will continue in VIII Sem. However, the evaluation and assessment will be done in VII Sem as well as in VIII Sem.
SEM - VIII
DSC - 8 Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
GE Credit - 4
Dissertation on Major Credits - 6
OR
Dissertation on Minor Credits - 6
OR
Academic Project/Entrepreneurship Credits - 6
Total Sem Credits - 22
Total Credits = 176
Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (Honours)

Structure of UG Program Two core Disciplines
Applicable to all BA Programs

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution

SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

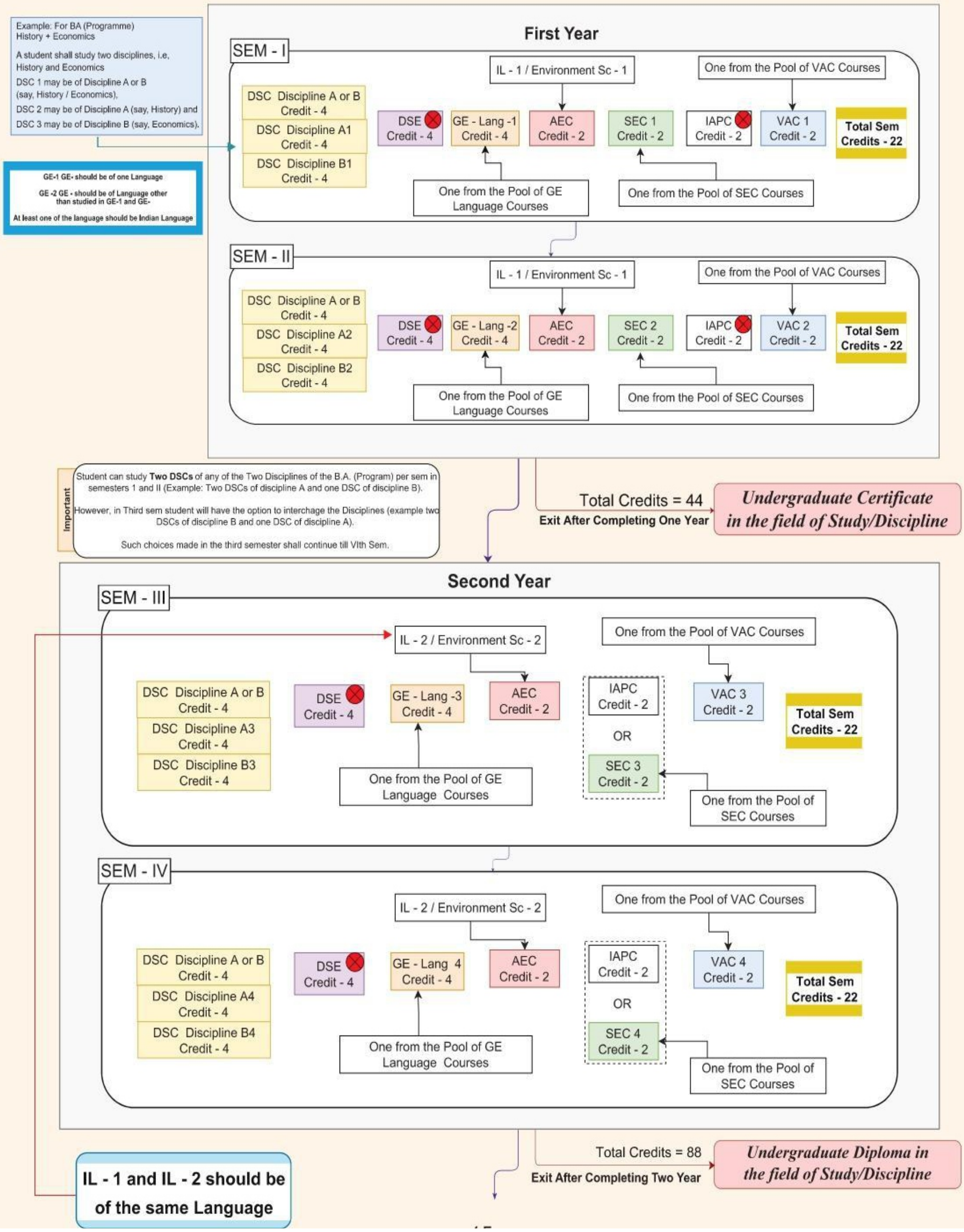

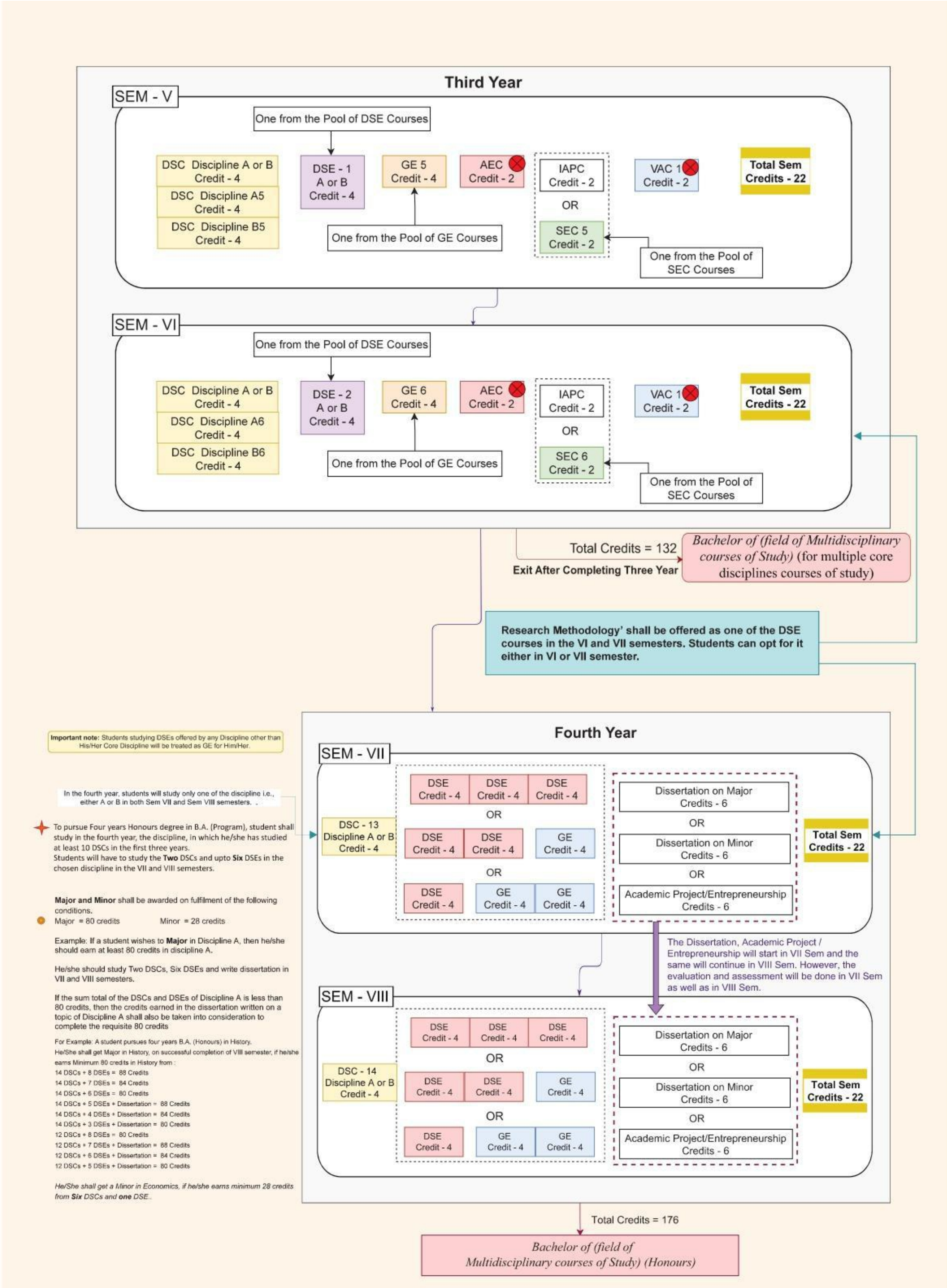

Third Year
SEM - V
One from the Pool of DSE Courses
DSC Discipline A or B Credit - 4
DSC Discipline A5 Credit - 4
DSC Discipline B5 Credit - 4
DSE - 1 A or B Credit - 4
GE 5 Credit - 4
AEC Credit - 2
IAPC Credit - 2
OR
SEC 5 Credit - 2
VAC 1 Credit - 2
Total Sem Credits - 22
One from the Pool of GE Courses
One from the Pool of SEC Courses
SEM - VI
One from the Pool of DSE Courses
DSC Discipline A or B Credit - 4
DSC Discipline A6 Credit - 4
DSC Discipline B6 Credit - 4
DSE - 2 A or B Credit - 4
GE 6 Credit - 4
AEC Credit - 2
IAPC Credit - 2
OR
SEC 6 Credit - 2
VAC 1 Credit - 2
Total Sem Credits - 22
One from the Pool of GE Courses
One from the Pool of SEC Courses
Total Credits = 132
Exit After Completing Three Year
Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (for multiple core disciplines courses of study)
Research Methodology' shall be offered as one of the DSE courses in the VI and VII semesters. Students can opt for it either in VI or VII semester.
Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.
In the fourth year, students will study only one of the discipline i.e., either A or B in both Sem VII and Sem VIII semesters. .
To pursue Four years Honours degree in B.A. (Program), student shall study in the fourth year, the discipline, in which he/she has studied at least 10 DSCs in the first three years.
Students will have to study the Two DSCs and upto Six DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters.
Major and Minor shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
Major = 80 credits Minor = 28 credits
Example: If a student wishes to Major in Discipline A, then he/she should earn at least 80 credits in discipline A.
He/she should study Two DSCs, Six DSEs and write dissertation in VII and VIII semesters.
If the sum total of the DSCs and DSEs of Discipline A is less than 80 credits, then the credits earned in the dissertation written on a topic of Discipline A shall also be taken into consideration to complete the requisite 80 credits
For Example: A student pursues four years B.A. (Honours) in History.
He/She shall get Major in History, on successful completion of VIII semester, if he/she earns Minimum 80 credits in History from :
14 DSCs + 8 DSEs = 88 Credits
14 DSCs + 7 DSEs = 84 Credits
14 DSCs + 6 DSEs = 80 Credits
14 DSCs + 5 DSEs + Dissertation = 88 Credits
14 DSCs + 4 DSEs + Dissertation = 84 Credits
14 DSCs + 3 DSEs + Dissertation = 80 Credits
12 DSCs + 8 DSEs = 80 Credits
12 DSCs + 7 DSEs + Dissertation = 88 Credits
12 DSCs + 6 DSEs + Dissertation = 84 Credits
12 DSCs + 5 DSEs + Dissertation = 80 Credits
He/She shall get a Minor in Economics, if he/she earns minimum 28 credits from Six DSCs and one DSE..
Fourth Year
SEM - VII
DSC - 13 Discipline A or B Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
GE Credit - 4
Dissertation on Major Credits - 6
OR
Dissertation on Minor Credits - 6
OR
Academic Project/Entrepreneurship Credits - 6
Total Sem Credits - 22
The Dissertation, Academic Project / Entrepreneurship will start in VII Sem and the same will continue in VIII Sem. However, the evaluation and assessment will be done in VII Sem as well as in VIII Sem.
SEM - VIII
DSC - 14 Discipline A or B Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
OR
DSE Credit - 4
GE Credit - 4
GE Credit - 4
Dissertation on Major Credits - 6
OR
Dissertation on Minor Credits - 6
OR
Academic Project/Entrepreneurship Credits - 6
Total Sem Credits - 22
Total Credits = 176
Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (Honours)

Structure of B.Com (Program)

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution

SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

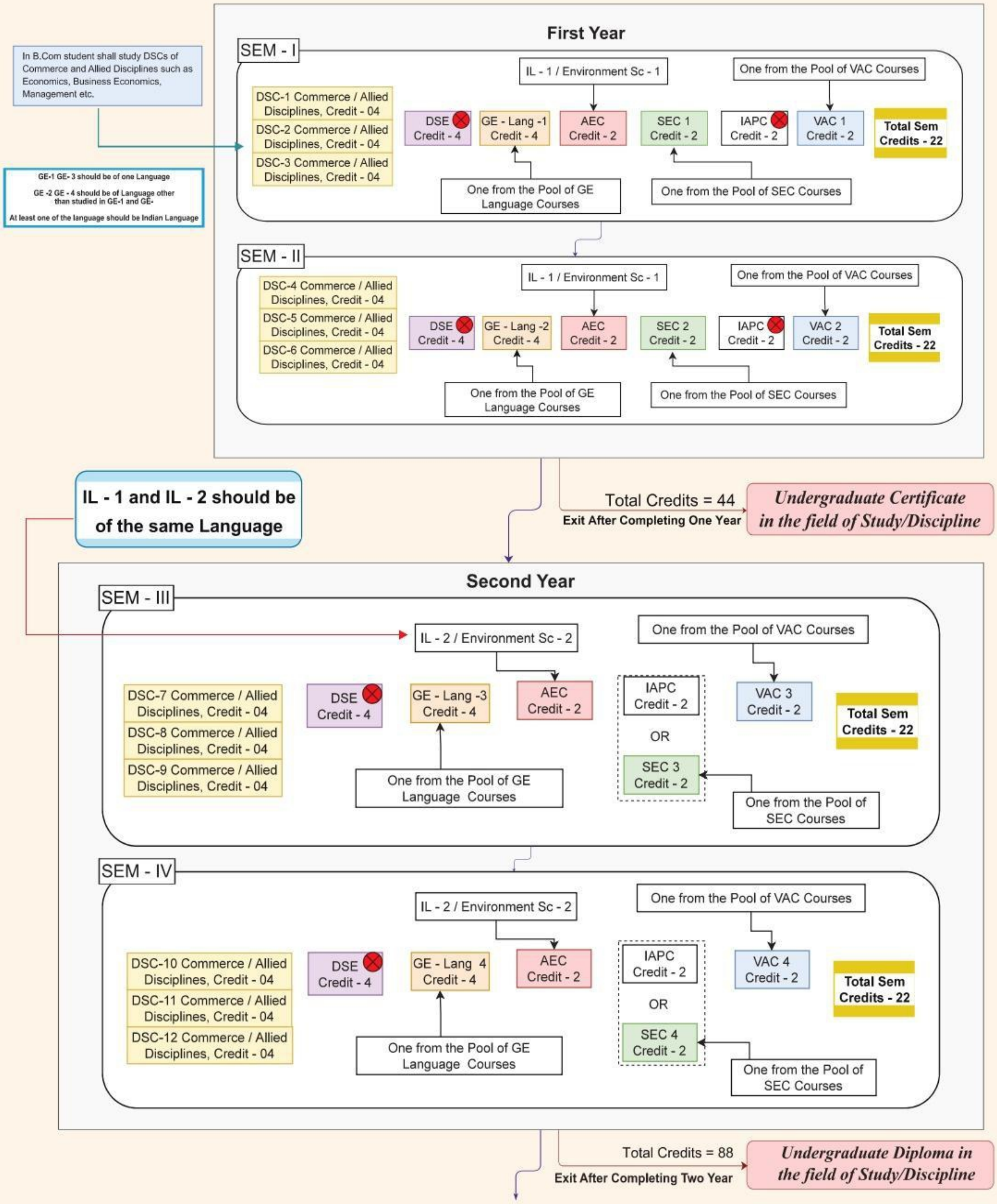

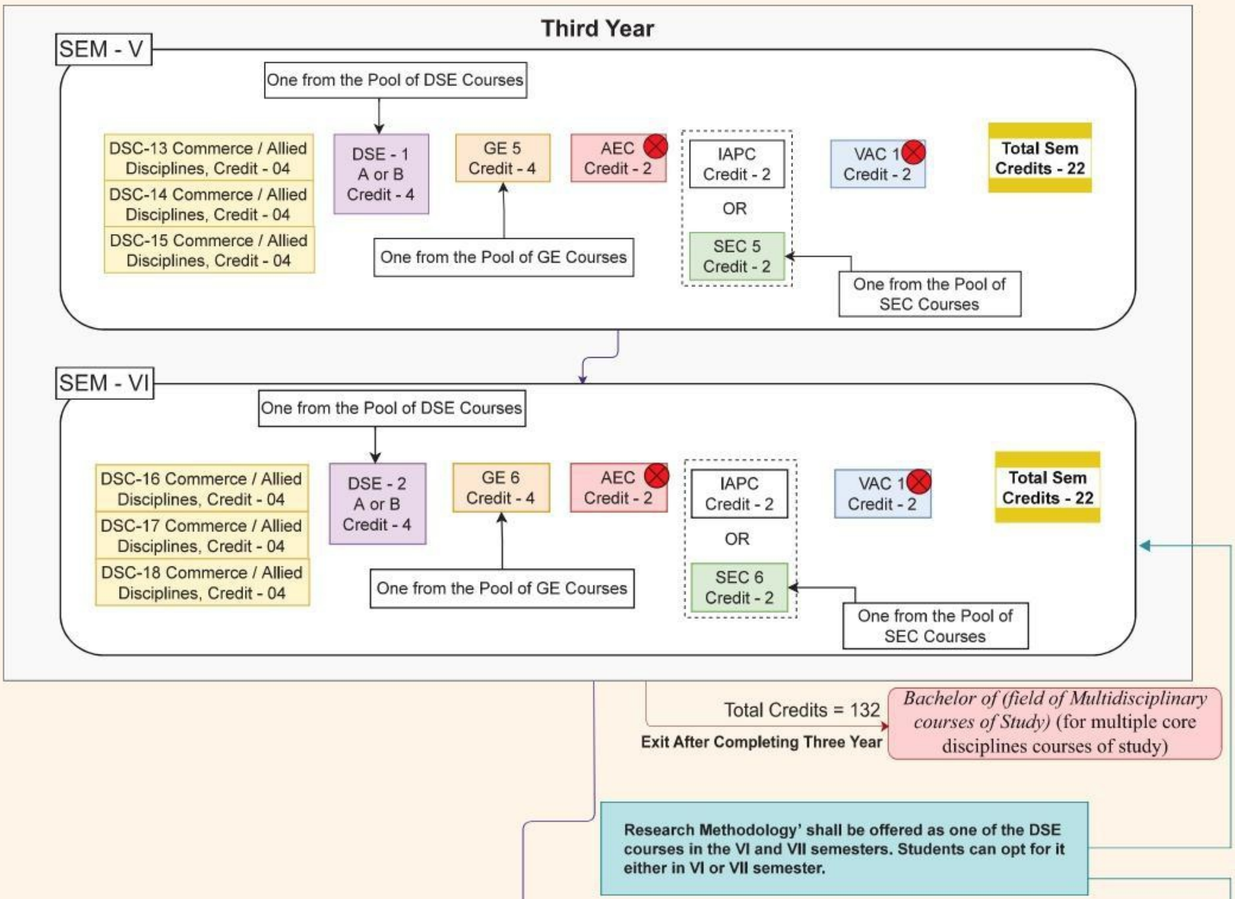

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

- To pursue Four years Honours degree in B.Com, student shall study in the fourth year, the discipline, in which he/she has studied at least 10 DSCs in the first three years. Students will have to study the **Two** DSCs and upto **Six** DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters.

- **Major and Minor** shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
  Major = 80 credits Minor = 28 credits

  Example: If a student wishes to **Major** in a particular Discipline, then he/she should earn at least 80 credits in that discipline.

  He/she should study Two DSCs, Six DSEs and write VIII semesters in the chosen discipline.

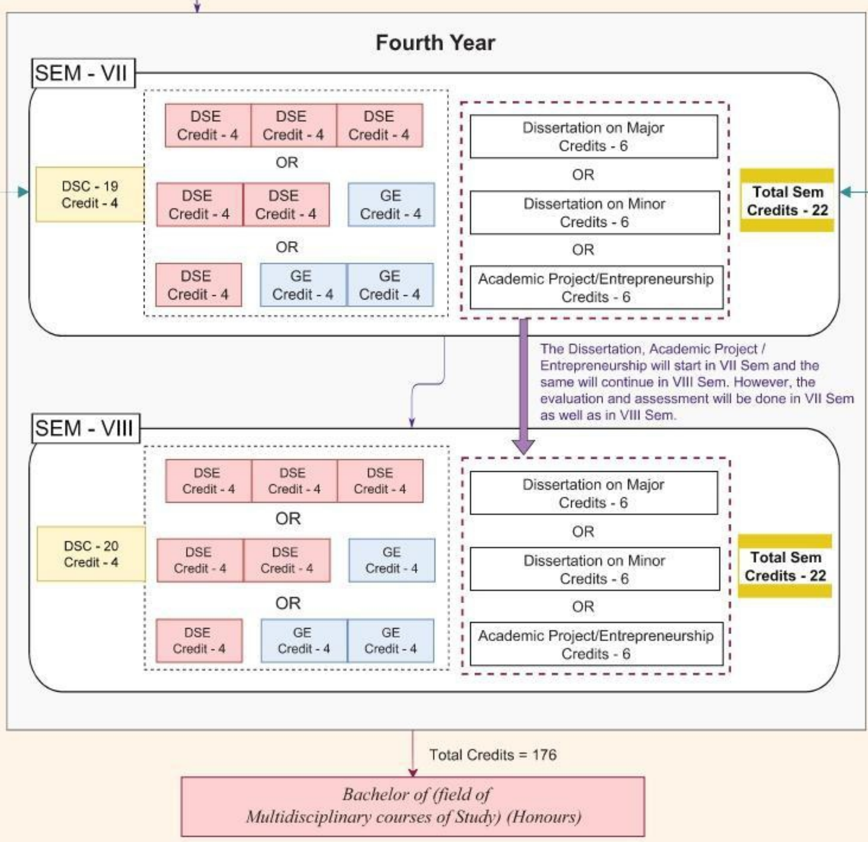

सेमेस्टर I के लिए प्रस्तावित स्किल इनहांसमेंट कोर्स (SEC) पेपर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पेपर का नाम
1	Biochemistry	Environmental Auditing
2	Botany	Bio-inoculant for Agriculture and Sustainable Development
3	Chemistry	Chemistry Lab Operations and Safety Measures
4	Commerce	Innovation and Entrepreneurship
5	Computer Science	Basic IT Tools
6	Economics	Finance for Everyone
7	English	Communication in Professional Life
8	Geography	E-Tourism
9	Hindi	रंगमंच
10	History	Museum and Museology
11	Mathematics Mathematics	IT Skills and Data Analysis - I LaTeX Typesetting for Beginners
12	Physics	Documentation Preparation & Presentation Software
13	Political Science	Political Leadership and Communication
14	Sanskrit	Yoga in Practice
15	Zoology	Apiculture

सेमेस्टर I के लिए प्रस्तावित वैल्यू एडेड कोर्स (VAC) पेपर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पेपर का नाम
1.	Biochemistry	Ayurveda & Nutrition
2.	Botany	Ayurveda & Nutrition
3.	Chemistry	Science and Society
4.	Commerce	Financial Literacy
5.	Computer Science	Digital Empowerment
6.	Economics	Social and Emotional Learning
7.	English	Culture and Communication
8.	Geography	Swachh Bharat
9.	Hindi	भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य
10.	History	Gandhi and Education
11.	Mathematics	Vedic Mathematics-I and Digital Empowerment
12.	NCC	National Cadet Corps 1
13.	Physical Education	Sports for Life
14.	Physics	Digital Empowerment
15.	Political Science	Constitutional Values and Fundamental Duties
16.	Sanskrit	Yoga Philosophy and Practice
17.	Zoology	Science and Society

सेमेस्टर I के लिए प्रस्तावित सामान्य ऐच्छिक (GE) विषय

क्र. सं.	विभाग का नाम	पेपर का नाम
1.	Computer Science	Object Oriented Programming Using Python (Hons+Prog Both)
2.	Sanskrit	Basic Principal of Ayurveda (Hons+ Prog both)
3.	Economics	a) Principles of Microeconomics-1 (for Hons) b) Essentials of Economics (for Hons)
4.	Political Science	Ideas in Indian Political Thought (Hons+Prog both)
5.	Botany	Plant Diversity & Human Welfare (Hons+ Prog both)
6.	Chemistry	Atomic Structure & Chemical Bonding (Hons+ Prog both)
7.	Mathematics	Fundamentals of Calculus (Hons+Prog both)
8.	Physics	Mechanics (for Hons)
9.	Physical Education	Fitness and Wellness (Hons+ Prog both)
10.	English	a) Indian English Literatures (for Hons) b) English Language through Literature 1 (for BA Prog and B.Com Prog)
11.	Commerce	Business Organisation (Hons + Prog both)
12.	Hindi	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन (Hons +Prog both)
13.	Zoology	Exploring Animal World (Hons+Prog both)
14.	Geography	Geography of India (Hons+ Prog both)
15.	History	Delhi Through the Ages: The Making of its Early Modern History (Hons+ Prog both)

विभाग

बी.ए. प्रोग्राम विभाग (Department of B.A. Programme)

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का बी.ए. प्रोग्राम विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत विकसित स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा **(Undergraduate Curriculum Framework – UGCF)** के अनुरूप एक गतिशील एवं बहुविषयक स्नातक कोर्स प्रदान करता है। यह कोर्स विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के संयोजन का चयन करने की लचीलापन प्रदान करता है, साथ ही मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में सुदृढ़ शैक्षणिक आधार विकसित करने का अवसर भी उपलब्ध कराता है।

बी.ए. प्रोग्राम विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा, समालोचनात्मक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता, प्रभावी संप्रेषण कौशल तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करता है। अपनी बहुविषयक संरचना के माध्यम से यह कोर्स विद्यार्थियों को समकालीन शैक्षणिक एवं सामाजिक मुद्दों को समझने और उनका सम्यक् विश्लेषण करने में सक्षम बनाता है। साथ ही, यह उन्हें उच्च शिक्षा तथा विविध व्यावसायिक एवं रोजगारपरक क्षेत्रों में सफल भविष्य के लिए तैयार करता है।

वर्तमान में महाविद्यालय में बी.ए. प्रोग्राम के अंतर्गत निम्नलिखित दस विषय-संयोजन **(Discipline Combinations)** उपलब्ध हैं:

बी.ए. प्रोग्राम के अंतर्गत उपलब्ध विषय-संयोजन

1. अंग्रेजी + समाजशास्त्र (अंग्रेज़ी विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग)
2. अंग्रेजी + अर्थशास्त्र (अंग्रेज़ी विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग)
3. अर्थशास्त्र + भूगोल (अर्थशास्त्र विभाग एवं भूगोल विभाग)
4. अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान (अर्थशास्त्र विभाग एवं राजनीति
5. भूगोल + इतिहास (भूगोल विभाग एवं इतिहास विभाग)
6. भूगोल + राजनीति विज्ञान (भूगोल विभाग एवं राजनीति विज्ञान
7. हिन्दी + भूगोल (हिन्दी विभाग एवं भूगोल विभाग)
8. हिन्दी + राजनीति विज्ञान (हिन्दी विभाग एवं राजनीति विज्ञान
9. हिन्दी + इतिहास (हिन्दी विभाग एवं इतिहास विभाग)
10. इतिहास + राजनीति विज्ञान (इतिहास विभाग एवं राजनीति विज्ञान

इसका संचालन सहभागी विभागों के अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों द्वारा किया जाता है, जो विद्यार्थियों को अपने-अपने विषयों में गहन ज्ञान एवं दक्षता विकसित करने के साथ-साथ बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यार्थियों को यूजीसीएफ **(UGCF)** के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले विविध पाठ्यक्रमों—जैसे सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(Generic Electives–GE),** कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम **(Skill Enhancement Course–SEC),** मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम **(Value Addition**

Courses–VAC), क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम **(Ability Enhancement Courses–AEC)** तथा इंटर्नशिप एवं सामुदायिक सहभागिता **(Internship/Community Engagement)** से भी लाभ प्राप्त होता है। ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को विषयगत गहराई के साथ-साथ व्यावहारिक, व्यावसायिक एवं स्थानांतरणीय **(Transferable)** कौशल विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त विद्यार्थियों को संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शैक्षणिक भ्रमणों, सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों तथा कौशल विकास संबंधी विविध अवसरों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इन गतिविधियों के माध्यम से उनके शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध करने के साथ-साथ उनके समग्र व्यक्तित्व एवं सर्वांगीण विकास को भी बढ़ावा मिलता है।

बी.ए. प्रोग्राम स्नातक शिक्षा से विद्यार्थी , लोक प्रशासन, सिविल सेवाओं, पत्रकारिता, जनसंचार एवं मीडिया, अनुसंधान, लोक नीति **(Public Policy),** सामाजिक विकास, कॉर्पोरेट क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा सहित विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपना करियर बनाने के लिए पूर्णतः तैयार होते हैं।

बी.ए. प्रोग्राम विभाग उत्कृष्टता, समावेशिता, नवाचार एवं उत्तरदायी नागरिकता जैसे मूल्यों में विश्वास रखने वाले विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करता है तथा उन्हें एक सशक्त, जीवंत एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है।

विभाग प्रभारी :

श्री स्कन्द प्रिय, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग।

व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग (Department of Business Economics)

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर स्थित अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय **(Faculty of Applied Social Science and Humanities)** से संबद्ध है, विद्यार्थियों को व्यावसायिक व्यवहार में अर्थशास्त्र के सिद्धांतों, उपकरणों एवं पद्धतियों के अनुप्रयोग का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आँकड़ों एवं सूचनाओं का विश्लेषण कर तर्कसंगत व्यावसायिक निर्णय लेने तथा संगठनों के लिए प्रभावी व्यावसायिक रणनीतियाँ विकसित करने में सक्षम बनाता है।

वर्ष 2005 में प्रारम्भ होने के बाद से यह पाठ्यक्रम महाविद्यालय के सर्वाधिक लोकप्रिय एवं मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक बन गया है। इसका उद्देश्य निरंतर परिवर्तित होते कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों में प्रबंधन के क्षेत्र में अर्थशास्त्र के विश्लेषणात्मक एवं मात्रात्मक अनुप्रयोगों की समझ विकसित करना तथा उन्हें प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में सफल होने के लिए तैयार करना है।

कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम में संगोष्ठियां, कार्यशालाएं तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियां भी सम्मिलित हैं, जिससे विद्यार्थियों के प्रभावी अधिगम, व्यक्तित्व विकास तथा समग्र उन्नयन को सुनिश्चित किया जाता है।

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए जेपी मॉर्गन **(JP Morgan)**, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप **(Boston Consulting Group)**, डेलॉइट **(Deloitte)**, मर्सर **(Mercer)**, एस एंड पी कैपिटल आईक्यू **(S&P Capital IQ)**, अमेरिकन एक्सप्रेस **(American Express)**, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड **(Royal Bank of Scotland)**, एओन हेविट **(AON Hewitt)**, एगॉन ज़ेहंडर **(Egon Zehnder)**, प्रोटिविटी **(Protiviti)**, जेनपैक्ट **(Genpact)**, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज **(TCS)**, डी. ई. शॉ **(D. E. Shaw)** तथा अनेक अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों में आकर्षक रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं।

उच्च शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थी विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में एम.बी.ई. **(Master of Business Economics)**, एम.ए. (अर्थशास्त्र) तथा एम.कॉम. जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

संकाय सदस्य

सुश्री कविता यादव — सहायक आचार्य, एम.ए. (अर्थशास्त्र), (विभाग प्रभारी)

सुश्री उर्वशी साहित्य — सहायक आचार्य, बी.कॉम. (ऑनर्स), एम.कॉम., पी.जी.डी.बी.एम., एम.फिल

वाणिज्य विभाग (Department of Commerce)

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का वाणिज्य विभाग वह शैक्षणिक मंच है जहाँ परम्परा और नवाचार का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिलता है तथा जहाँ उत्कृष्टता की संभावनाएँ निरंतर विस्तार पाती हैं। विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा उनमें उद्यमशीलता की भावना के संवर्धन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है।

विभाग द्वारा संचालित बी.कॉम. (ऑनर्स) एवं बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को वाणिज्य विषय का व्यापक एवं सुदृढ़ ज्ञान प्रदान करना, उनके व्यावसायिक कौशल, उद्यमशील क्षमता तथा व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास करना है। सैद्धान्तिक अध्ययन एवं व्यावहारिक अनुभवों के समन्वय के माध्यम से विद्यार्थी एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक यात्रा का अनुभव करते हैं, जो उन्हें भविष्य के सक्षम नेतृत्वकर्ता एवं दूरदर्शी पेशेवर बनने के लिए तैयार करती है।

विभाग का संचालन अपने-अपने विषयों के विशेषज्ञ, अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों द्वारा किया जाता है। विभाग मार्गदर्शन, सहयोग एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता की सुदृढ़ संस्कृति को प्रोत्साहित करता है। यहाँ का पाठ्यक्रम वाणिज्य के विविध क्षेत्रों, जैसे—लेखांकन, वित्तीय, अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन तथा विपणन—का समग्र अध्ययन प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विभाग विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन करता है। साथ ही, वाणिज्य एवं उससे संबंधित क्षेत्रों में विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु मूल्य वर्धित **(Add-on)** पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। पूर्व में विभाग द्वारा जी-सूट अनुप्रयोग **(G-Suite Applications)** तथा डिजिटल फॉरेंसिक एवं साइबर इंटेलिजेंस **(Digital Forensics and Cyber Intelligence)** जैसे विषयों पर मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।

विभाग ने 'विकसित भारत**@2047:** वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समावेशी एवं सतत विकास की रणनीतियाँ' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी सफल आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ।

विभाग के अनेक पूर्व विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं तथा अग्रणी राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उत्कृष्ट रोजगार प्राप्त कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं।

संकाय सदस्य

- श्री राजेश कुमार – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम.
- प्रो. रमेश मलिक – प्रोफेसर , एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी.
- प्रो. राजिन्दर सिंह – प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी.
- प्रो. किरण चौधरी – प्रोफेसर, एम.कॉम., पीएच.डी., **(विभाग प्रभारी - बी.कॉम. ऑनर्स)**
- डॉ. वनीता चड्ढा – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी., **(विभाग प्रभारी - बी.कॉम. प्रोग्राम)**
- सुश्री मनीषा – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
- डॉ. मनीषा रानी – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी.
- सुश्री योगिता रानी नेगी – सहायक आचार्य, एम.बी.ए., एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
- सुश्री सोनिका शर्मा – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
- डॉ. मोनिका – सहायक आचार्य, एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी.
- सुश्री हरमनप्रीत कौर – सहायक आचार्य, एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
- डॉ. सुनील कुमार – सहायक आचार्य, एम.कॉम., एम.बी.ए., पीएच.डी.
- डॉ. छवि शर्मा – सहायक आचार्य, एम.कॉम., एम.सी.ए., पीएच.डी.
- डॉ. नीतू ढायल – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी.
- श्री उमेश कुमार – सहायक आचार्य, एम.कॉम., एम.बी.ए., एम.सी.ए., पीएच.डी. शोधरत
- डॉ. सौम्या सिंह – सहायक आचार्य, एम.कॉम., पीएच.डी.

अर्थशास्त्र विभाग (Department of Economics)

शिवाजी कॉलेज का अर्थशास्त्र विभाग महाविद्यालय की स्थापना के समय से ही बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र जैसे प्रतिष्ठित एवं सर्वाधिक लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में से एक का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। वर्षों के दौरान विभाग ने अपने समर्पित एवं अनुभवी शिक्षकों तथा उत्साही एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप उल्लेखनीय प्रगति एवं विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा पूर्व छात्र-छात्राओं (Alumni) के व्याख्यानों का आयोजन करता है। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को समकालीन आर्थिक मुद्दों, विविध करियर संभावनाओं तथा विशेषज्ञों के अनुभवों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होता है। इससे कक्षा में अर्जित सैद्धान्तिक ज्ञान और वास्तविक जीवन में उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के मध्य की दूरी को प्रभावी रूप से कम किया जाता है।

विभाग के अनेक विद्यार्थियों ने भारतीय सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्यापन जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर विभाग का गौरव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त अनेक विद्यार्थियों ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIMs), भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। विभाग के अनेक विद्यार्थियों को जेपी मॉर्गन (JPMorgan), अमेरिकन एक्सप्रेस (American Express), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS)तथा अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उत्कृष्ट रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

विद्यार्थियों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, नेतृत्व कौशल तथा संवादात्मक दक्षताओं के विकास हेतु एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग ने 'एपिटोम (Epitome)' नामक छात्र-संघ का गठन किया है। यह छात्र-संघ वर्ष भर विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करता है और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करता है।

विभाग के शिक्षक भी अपने ज्ञान एवं शिक्षण कौशल को निरंतर अद्यतन बनाए रखने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा संकाय विकास कार्यक्रमों (Faculty Development Programmes) में नियमित रूप से भाग लेते हैं, जिससे वे अर्थशास्त्र के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम परिवर्तनों एवं विकास से निरंतर परिचित रहते हैं।

संकाय सदस्य

- सुश्री अंशु चोपड़ा — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.
- डॉ. इति दंडोना — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री सुमीत सिंह रहेजा — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम.एससी. (अर्थशास्त्र एवं इकोनोमेट्रिक्स), एम.फिल.
- डॉ. शिवानी गुप्ता — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- सुश्री भूमिका भवनानी — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.
- सुश्री मनीषा जयंत — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
- सुश्री निकिता गुप्ता — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत) (विभाग प्रभारी)
- सुश्री कविता यादव — सहायक आचार्य, एम.ए.
- सुश्री निधि सेहरावत — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. शोधरत
- श्री राहल — सहायक आचार्य एम ए

अंग्रेजी विभाग (Department of English)

शिवाजी कॉलेज का अंग्रेज़ी विभाग व्यापक शैक्षणिक पहुँच वाला विभाग है, जो विभिन्न बहुविषयक क्षेत्रों में विविध पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। विभाग की शिक्षण पद्धति पारंपरिक पाठ्यपुस्तक-आधारित अध्यापन की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञानार्जन को अधिक व्यापक, सृजनात्मक एवं सहभागिता पूर्ण बनाने पर बल देती है। विभाग विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करता है तथा उन्हें समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैश्विक मुद्दों के संदर्भ सहित समझने, उनका

समालोचनात्मक विश्लेषण करने तथा संवेदनशील एवं विवेकपूर्ण दृष्टि विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। कक्षा-चर्चाओं के माध्यम से विद्यार्थी इतिहास, साहित्य एवं समाज से जुड़े प्रश्नों को विभिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से समझने और उनका विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करते हैं।

शिवाजी कॉलेज के बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी के विद्यार्थी महाविद्यालय के सर्वाधिक सक्रिय एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में गिने जाते हैं। वे विभाग की साहित्यिक संस्था 'पांडेमोनियम **(Pandemonium)**' के माध्यम से साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठयक्रम गतिविधियों के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में सम्मेलन, वेबिनार, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, कविता-पाठ, सृजनात्मक लेखन तथा साहित्यिक कृतियों पर आधारित चलचित्रों के प्रदर्शन एवं विमर्श जैसे कार्यक्रम विभाग की प्रमुख विशेषताएं हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP)** के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभाग विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विविध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। विभाग के मुख्य **(Core)** विद्यार्थी विश्व साहित्य का व्यापक अध्ययन करते हुए प्रमुख एवं कालजयी साहित्यिक कृतियों की गहन समझ विकसित करते हैं।

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में विद्यार्थी अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विविध विषयों पर शोध-प्रबंध **(Research Dissertation)** तैयार करते हैं, जिससे उनमें स्वतंत्र अनुसंधान, आलोचनात्मक चिंतन तथा अकादमिक लेखन की क्षमता का विकास होता है।

विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने शासन-प्रशासन, जनसंचार एवं मीडिया, विद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक सहित अनेक प्रतिष्ठित क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर विभाग की गौरवशाली परंपरा को समृद्ध किया है।

संकाय सदस्य

- प्रो. अंजलि रमन — प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. सोनाली गर्ग — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. सियामलियानवुंग हांगज़ो — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. गीतारानी लैसांगथेम — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. ऋतु मदान — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. चाकप्राम प्रियंका — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. प्रीति देसोदिया — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. दिव्या मदान — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. गुंजन कुमारी — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. मनीष कुमार मीणा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

भूगोल विभाग (Department of Geography)

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित शिवाजी कॉलेज उन चुनिंदा महाविद्यालयों में से एक है जहाँ भूगोल विषय में स्नातक स्तर पर बी.ए./बी.एससी. (ऑनर्स) तथा प्रोग्राम पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। लगभग 39 वर्ष पूर्व स्थापित भूगोल विभाग ने वर्ष **1988** में भूगोल (ऑनर्स) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया। विभाग में अत्याधुनिक मानचित्रण प्रयोगशाला **(Cartography Lab)** तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली **(GIS)** प्रयोगशाला उपलब्ध हैं, जो सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक शिक्षण के लिए आवश्यक अधोसंरचना प्रदान करती हैं। महाविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध समृद्ध भूगोल संग्रह के अतिरिक्त विभाग का अपना पुस्तकालय भी है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन एवं संदर्भ सामग्री सहजता से उपलब्ध होती है। कक्षा शिक्षण को परियोजना कार्य, शैक्षणिक भ्रमण तथा संगोष्ठियों के माध्यम से समृद्ध बनाया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को व्यापक एवं व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्राप्त होता है।

विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना, समकालीन वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु बहुविषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना तथा समावेशी एवं सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है।

विभाग के प्रतिष्ठित एवं अनुभवी शिक्षक अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों तथा गुणवत्तापूर्ण अध्यापन के लिए विख्यात हैं। वे भूगोल की विभिन्न उपशाखाओं में विशेषज्ञता रखते हैं। विभाग अत्याधुनिक अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न है तथा पर्यावरणीय एवं सामाजिक चुनौतियों के समाधान हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान करता है।

वर्तमान में विभाग में डॉ. उषा रानी के निर्देशन में शिवाजी कॉलेज के अनुसंधान एवं नवाचार प्रकोष्ठ **(Research and Innovation Cell)** द्वारा वित्तपोषित एक लघु शोध परियोजना संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त लगभग **₹50,00,000** (पचास लाख रुपये) की **HEFA** परियोजना भी विभाग में संचालित है, जिसमें डॉ. भारत रत्न प्रधान अन्वेषक **(Principal Investigator)** तथा प्रो. तेजबीर सिंह राणा मार्गदर्शक **(Mentor)** के रूप में कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान में विभाग में प्रो. तेजबीर सिंह राणा, डॉ. राजेन्द्र सिंह, डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा तथा डॉ. उषा रानी के निर्देशन में सात शोधार्थी पीएच.डी. अनसंधान कार्य कर रहे हैं।

विभाग की छात्र संस्था 'शिवालिक' (**Shivalik**) विद्यार्थियों द्वारा संचालित एक सक्रिय शैक्षणिक मंच है, जो वर्ष भर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शैक्षणिक भ्रमणों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। विभाग के पूर्व विद्यार्थी शिक्षा, सरकारी सेवाओं, निजी क्षेत्र तथा गैर-सरकारी संगठनों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। वे 'विमर्श' नामक पूर्व छात्र मंच के माध्यम से विभाग से निरंतर जुड़े रहते हैं तथा वर्तमान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन एवं नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं।

हाल ही में विभाग के पूर्व छात्र श्री रजत पात्रे ने संघ लोक सेवा आयोग (**UPSC**) सिविल सेवा परीक्षा **2024** में अखिल भारतीय रैंक (**AIR**) **305**प्राप्त कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (**IAS**) में चयनित होकर विभाग एवं महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

संकाय सदस्य

- प्रो. तेजबीर सिंह राणा — प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., उप-प्राचार्य
- डॉ. प्रीति तिवारी — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. राजेन्द्र सिंह — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. भारत रत्नु — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. उषा रानी — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. मुकेश कुमार मीणा — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.

इतिहास विभाग (Department of History)

शिवाजी कॉलेज का इतिहास विभाग शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान की सशक्त परंपरा के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग में समर्पित एवं अनुभवी शिक्षकों की एक

दक्ष टीम कार्यरत है, जो विद्यार्थियों को अतीत का समालोचनात्मक अध्ययन करने के साथ-साथ वर्तमान संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता तथा भविष्य पर उसके प्रभाव को समझने के लिए प्रेरित करती है।

विभाग विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता पर आधारित शिक्षण पद्धति अपनाता है, जो बौद्धिक जिज्ञासा, समालोचनात्मक चिंतन, विश्लेषणात्मक दृष्टि तथा प्रभावी अभिव्यक्ति कौशल के विकास को प्रोत्साहित करती है। विद्यार्थियों को कक्षा-चर्चाओं, सहयोगात्मक अधिगम तथा अनुसंधान-उन्मुख गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे वे ऐतिहासिक प्रक्रियाओं तथा इतिहासलेखन **(Historiography)** से संबंधित विमर्शों की गहन समझ विकसित कर सकें।

कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं अनुभवपरक बनाने के उद्देश्य से विभाग नियमित रूप से संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, अतिथि व्याख्यानों, विरासत भ्रमण **(Heritage Walks),** संग्रहालय भ्रमण, ऐतिहासिक स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण, अभिलेखागार **(Archives)** के अध्ययन भ्रमण तथा विभिन्न छात्र प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से परे इतिहास को समझने का अवसर प्राप्त होता है तथा वे भारत की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ विश्व इतिहास के विविध आयामों का गहन एवं संतुलित अध्ययन कर पाते हैं।

विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को इतिहास के विविध कालखंडों, विषयों एवं अनुसंधान-पद्धतियों से परिचित कराता है। साथ ही, यह इतिहासलेखन की बदलती प्रवृत्तियों एवं व्याख्यात्मक दृष्टिकोणों की समझ भी विकसित करता है। इतिहासलेखन, प्राथमिक स्रोतों तथा अंतर्विषयी (Interdisciplinary) दृष्टिकोणों के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों में ऐतिहासिक साक्ष्यों का विश्लेषण करने, तर्कसंगत निष्कर्ष प्रस्तुत करने तथा बहुआयामी दृष्टिकोणों को समझने की क्षमता विकसित होती है।

विभाग का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है जो सामाजिक रूप से संवेदनशील, बौद्धिक रूप से जागरूक तथा नैतिक रूप से उत्तरदायी नागरिक बनें। विभाग उन्हें उच्च शिक्षा, अनुसंधान, लोक सेवा, विरासत प्रबंधन, संग्रहालयों, अभिलेखागारों, मीडिया, शिक्षा तथा अन्य विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में सफल भविष्य के लिए तैयार करता है।

शिवाजी कॉलेज में इतिहास को केवल अतीत के अध्ययन तक सीमित नहीं माना जाता, बल्कि इसे वर्तमान को समझने और अधिक जागरूक, समावेशी एवं उत्तरदायी भविष्य के निर्माण का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है।

संकाय सदस्य

- प्रो. खुर्शीद ख़ान — प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री मुकेश कुमार सिंह — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.

- प्रो. निष्ठा श्रीवास्तव — प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. रुद्र प्रताप यादव — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- श्री स्कन्द प्रिय — सहायक आचार्य, एम.ए.
- डॉ. प्रीति — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री टी. चंद्रशेखर रेड्डी — सहायक आचार्य, एम.ए.
- डॉ. अदिति मान — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. राहुल कुमार वर्मा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. अस्मित शर्मा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग, शिवाजी कॉलेज का बहुप्रतिष्ठित विभाग है। जिसमें स्नातक (बी.ए) और स्नातकोत्तर (एम.ए) स्तर का अध्ययन कार्य होता है। स्नातक स्तर पर विभाग विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के आधार पर 'हिंदी कविता (आदिकाल से भक्ति काल तक), हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल), हिंदी कहानी, हिंदी भाषा का वैश्विक परिदृश्य, हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास आदि प्रश्नपत्र प्रस्तावित करता है। हिंदी विभाग की साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था" साहित्य संगम" है जो वर्ष भर विविध साहित्यिक गतिविधियों के आयोजन प्रतियोगिता और साहित्य के विभिन्न आयामों के प्रति प्रोत्साहित करती है। विभाग के कई प्राध्यापक शोध गतिविधियों शोध प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई शोधार्थियों का निर्देशन कर रहे हैं।

हिंदी विभाग की विपुलता का मानदंड है कि वर्तमान प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज जी विभाग के पूर्व छात्र रहे फिर यहां अध्यापक नियुक्त हुए और वर्तमान में कुशल प्रशासक की भूमिका निभाते हुए प्राचार्य पद पर सुशोभित हैं और निरंतर संस्थानिक सफलता के नए प्रतिमान रच रहे हैं। विभाग के प्रोफेसर दर्शन पाण्डेय जी वर्तमान में राजधानी कॉलेज के प्राचार्य पद पर आसीन हैं। इस विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विविध महाविद्यालय को कुशल प्राध्यापक, मनोरंजन जगत को मंजे हुए कलाकार, देश को श्रेष्ठ जिम्मेदार नागरिक दिए हैं। टेलीविजन पर धूम मचाते मनोरंजन जगत के मामा जी श्री परितोष त्रिपाठी भी इसी विभाग का हिस्सा रहे । पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक विजेता बने श्री देवेंद्र सिंह इसी विभाग के विद्यार्थी रहे। अनुज यादव ने सतत (सस्टेनेबल) एयर कंडीशनर से संबंधित एक पेटेंट- योग्य तकनीक विकसित की है, जिसका पेटेंट प्रकाशित हो चुका है। विभाग के कई प्राध्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की ओर से प्रतिष्ठित सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका निभा चुके हैं। वैश्विक अनुभवों से युक्त शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है।

कंडीशनर से संबंधित एक पेटेंट - योग्य तकनीक विकसित की है, जिसका पेटेंट प्रकाशित हो चुका है। विभाग के कईप्राध्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की ओर से प्रतिष्ठित सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका निभा चुके हैं। वैश्विक अनुभवों से युक्त शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्धहै।

संकाय सदस्यः

- प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज-प्रोफेसर, एम.ए, एम.फिल, पीएच.डी. - (प्राचार्य)
- प्रो. रुचिरा ढींगरा- प्रोफेसर, एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी
- प्रो. विकास शर्म-प्रोफेसर, एम.ए, एम.फिल, पीएच.डी
- प्रो. ज्योति शर्मा-प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी(प्रतिनियुक्ति पर)
- प्रो. दर्शन पांडेय-प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल, पीएच.डी (प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. राजकुमारी-एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. अरविंदर कौर-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल पीएच.डी (विभाग प्रभारी)
- डॉ. कंचन-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. तरुण-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी
- डॉ. संदीप कुमार- सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी
- श्री महेश कुमार-सहायक प्रोफेसर, एम.ए, पीएच.डी (अध्ययनरत)
- सुश्री प्रियंका शर्मा-सहायक प्रोफेसर, एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी (अध्ययनरत)
- डॉ. बबली-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. अरुणाकर पांडे-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. प्रवीण भारद्वाज-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. बीरेंद्र सिंह-सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी
- डॉ. रिंकी- सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी

शारीरिक शिक्षा विभाग (Department of Physical Education)

शारीरिक शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को मानव गति **(Human Movement),** शारीरिक गतिविधियों तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व का समग्र ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सैद्धान्तिक अध्ययन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के समन्वय के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतिविधियों में दक्षता विकसित की जाती है। साथ ही, वे शारीरिक शिक्षा की उस महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं, जो समग्र स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक कल्याण तथा जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक होती है।

शारीरिक दक्षता के साथ-साथ विद्यार्थियों में प्रभावी संप्रेषण, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना का भी विकास किया जाता है। उन्हें खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयामों से भी परिचित कराया जाता है। विभाग के अधिगम परिणाम **(Learning Outcomes)** इस प्रकार निर्धारित किए गए हैं कि विद्यार्थी शारीरिक साक्षरता **(Physical Literacy)** को बढ़ावा देने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर अत्यधिक स्क्रीन समय को कम करने तथा आजीवन सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और उसे प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक ज्ञान एवं कौशल अर्जित कर सकें।

संकाय सदस्य

- श्री गौरव गोयल — एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एड. (शारीरिक शिक्षा)
- डॉ. अमिता हांडा — सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर **(Master of Physical Education),** पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग राजनीति से संबंधित उन विविध प्रश्नों के अध्ययन एवं विश्लेषण का अवसर प्रदान करता है, जिनका हमारे दैनिक जीवन से गहरा संबंध है। जैसे—उत्तम जीवन क्या है? स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, लोकतंत्र तथा राष्ट्रीय हित जैसे मूल्यों का क्या अर्थ और महत्व है? राजनीति विज्ञान का अध्ययन विद्यार्थियों में इन प्रश्नों के प्रति व्यापक, तार्किक एवं समालोचनात्मक समझ विकसित करने का प्रयास करता है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विभाग स्नातक स्तर पर ऑनर्स तथा प्रोग्राम पाठ्यक्रमों का संचालन करता है तथा विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए भी सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समकालीन युग की जटिल सामाजिक, राजनीतिक एवं वैश्विक चुनौतियों को समझने तथा उनके समाधान की दिशा में सार्थक दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाता है।

पारंपरिक विषयों—जैसे राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, भारत की विदेश नीति तथा लोक प्रशासन—के अतिरिक्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अंतर्गत विभाग ने अनेक नवीन एवं समसामयिक पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किए हैं। इनमें संवैधानिक मूल्य एवं मौलिक कर्तव्य, राजनीतिक नेतृत्व एवं संचार, वार्ता एवं नेतृत्व तथा भारतीय राजनीतिक चिंतन में विचार एवं संस्थाएँ जैसे विषय शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम न केवल यूरो-केंद्रित दृष्टिकोण की सीमाओं को चुनौती देते हैं, बल्कि उच्च शिक्षा को अधिक समग्र, बहुविषयक एवं लचीला भी बनाते हैं। साथ ही, वे विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवाओं, विधि, पत्रकारिता (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) उद्यमिता, अध्यापन तथा अनुसंधान जैसे विविध क्षेत्रों में व्यापक कैरियर अवसरों के द्वार खोलते हैं।

विभाग का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में स्नातक स्तर के आवश्यक गुणों का विकास करना है। विशेष रूप से, कक्षा एवं पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे जाकर उनमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता **(Emotional Intelligence)** समालोचनात्मक चिंतन, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जाता है, जिससे वे समाज के कल्याण में सार्थक योगदान दे सकें।

विभाग की छात्र संस्था 'डेमोक्रेट्स' **(Democrats)** विद्यार्थियों को विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागी बनाकर उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता एवं संगठनात्मक कौशल के विकास के लिए प्रभावी मंच प्रदान करती है।

संकाय सदस्य

- डॉ. अलका मुद्गल — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. हिम्मत सिंह देवड़ा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., पोस्ट-डॉक्टोरल
- डॉ. अमित कुमार — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. रवि — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. मोहन कुमार — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री राहुल मिश्रा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. शोधरत
- श्री धारा सिंह कुशवाहा — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. शोधरत
- श्री कौशिक कुमार — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. शोधरत
- श्री तायेंजाम प्रियोकुमार सिंह — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. शोधरत
- डॉ. पवन चौरसिया — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री रवीन्द्र कुमार — सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी. शोधरत

समाजशास्त्र विभाग (Department of Sociology)

समाजशास्त्र विभाग व्यक्तियों, समूहों तथा सामाजिक संस्थाओं के मध्य अंतर्संबंधों के अध्ययन के लिए समर्पित है। सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक निरंतरता समाजशास्त्र के प्रमुख अध्ययन क्षेत्र हैं। ऐतिहासिक रूप से आधुनिक औद्योगिक समाज में उत्पन्न जटिल एवं बहुआयामी सामाजिक यथार्थ को समझने के लिए समाजशास्त्र में विभिन्न सैद्धान्तिक दृष्टिकोणों का विकास हुआ। समय के साथ इस विषय ने ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विविधताओं, सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव तथा जलवायु परिवर्तन जैसे समकालीन विषयों को भी अपने अध्ययन का अभिन्न अंग बनाया है।

शिवाजी कॉलेज का समाजशास्त्र विभाग स्नातक स्तर पर बी.ए. कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन करता है—समाजशास्त्र का परिचय **(An Invitation to Sociology),** भारतीय समाजशास्त्र **(Sociology of India),** शास्त्रीय समाजशास्त्रीय चिंतक **(Classical Sociological Thinkers),** उत्तर-शास्त्रीय समाजशास्त्रीय चिंतक **(Post Classical Thinkers),** समाजशास्त्रीय अनुसंधान **(Sociological Research)** तथा समाजशास्त्र एवं सामाजिक नीति **(Sociology and Social Policy)**। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज की संरचना, सामाजिक प्रक्रियाओं तथा समकालीन सामाजिक चुनौतियों के प्रति वैज्ञानिक, विश्लेषणात्मक एवं समालोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास किया जाता है।

संकाय सदस्य

डॉ. विक्रांत कुमार — सहायक आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग शिवाजी महाविद्यालय के सबसे प्राचीन विभागों में से एक है। विभागीय सदस्यों की विशेषज्ञता वेद, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, संस्कृति, धर्म एवं भारतीय पुरालेखशास्त्र में है। यह युवा शिक्षकों से युक्त एक ऊर्जावान विभाग है। यह अपने छात्रों को नए अनुभव और ज्ञान की नवीन धाराएं प्रदान करता है। सभी प्राध्यापक शैक्षणिक गतिविधियों में अनवरत संलग्न रहते हैं ताकि विभाग को उच्च शिखर तक पहुंचाया जा सके। विभाग के प्राध्यापक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे वैदिक साहित्य में डॉ. रजनीश, भारतीय दर्शन में डॉ. मेघराज मीणा, व्याकरण में डॉ. सुखराम व भाषा विज्ञान और व्याकरण दर्शन में डॉ. नागेन्द्र कुमार , संस्कृत साहित्य एवं भारतीय दर्शन में डॉ. रीना कुमारी। विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक अध्यापन कार्य होता है एतदर्थ विश्वविद्यालय के साथ सक्रिय रूप से सम्बद्धता है। संस्कृत एक शास्त्रीय भाषा है इसलिए यह स्वाभाविक रूप से रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करती है। विभाग के छात्र समय-समय पर सक्रियता के साथ विभिन्न अन्तर-महाविद्यालीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता ग्रहण करते हैं । विभागीय छात्रों ने संस्कृत वाद-विवाद, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। संस्कृत विभाग १९८७ से अन्तर महाविद्यालीय संस्कृत-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाला प्रथम महाविद्यालय होने पर गर्व करता है। यह एक बड़ी सफलता थी और इसमें अनेक महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। परिणामस्वरूप कालान्तर में इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं अन्य संस्थानों द्वारा भी शुरू की जाने लगी। संस्कृत विभाग द्वारा छात्रों के भाषा कौशल हेतु सम्भाषण शिविर का आयोजन भी समय-समय पर किया जाता है।

- डॉ. रजनीश-सहाचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. मेघराज मीणा -सहाचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (ग्रहणाधिकार-**Lien)**
- डॉ. सुखराम- सहाचार्य , एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. नागेन्द्र कुमार-सहायकाचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
- डॉ. रीना कुमारी- सहायकाचार्या , एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी. - (विभाग प्रभारी)

जैव रसायन विभाग (Department of Biochemistry)

जैव रसायन विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कठोर पाठ्यक्रम, व्यावहारिक प्रयोगशाला प्रशिक्षण तथा अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से जीवन की जैवरासायनिक एवं आणविक प्रक्रियाओं को समझने में सक्षम बनाना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जैविक विज्ञानों में उन्नत ज्ञान प्रदान करता है तथा उन्हें शिक्षण, अनुसंधान एवं अन्य विविध क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का अन्वेषण करने के लिए तैयार करता है।

विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करता है, जिसे स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) के अंतर्गत लागू किया गया है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी जैव-अणु **(Biomolecules),** उपापचय **(Metabolism),** सूक्ष्मजीव विज्ञान **(Microbiology),** जीन अभिव्यक्ति **(Gene Expression),** मानव शरीर क्रिया विज्ञान **(Human Physiology),** एंजाइम **(Enzymes),** आनुवंशिकी एवं विकासवाद की अवधारणाएँ **(Concepts in Genetics and Evolution),** प्रतिरक्षा विज्ञान **(Immunology),** अनुसंधान पद्धति **(Research Methodology)** आदि विषयों का अध्ययन करते हैं। विद्यार्थियों को जैव रसायन संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु जैवरासायनिक विधियों तथा आधुनिक जैविक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग चतुर्थ वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों को मौलिक वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारी परियोजनाओं से जोड़कर उन्हें जैव रसायन के क्षेत्र में सक्रिय योगदानकर्ता बनने के लिए प्रेरित करता है।

मई 2019 से विभाग ने डीबीटी-स्टार कॉलेज योजना **(DBT-Star College Scheme)** के अंतर्गत विद्यार्थियों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा शिक्षकों के हित में अनेक गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। विभाग के विद्यार्थी विभिन्न सह-पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तथा महाविद्यालय की विभिन्न समितियों एवं सोसाइटियों के सदस्य हैं। साथ ही वे आधुनिक जैविक विज्ञानों के नवीनतम अनुसंधानों एवं विकास से परिचित रहने के लिए राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में भी भाग लेते हैं। विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति रुचि एवं क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

बायोचैपरोन्स **(Biochaperones):** विभाग की जैवरसायन सोसाइटी विद्यार्थियों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है। इसके माध्यम से राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, विशेषज्ञ व्याख्यान, शैक्षिक भ्रमण, कार्यशालाएँ तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को समग्र शिक्षण अनुभव प्राप्त होता है और उनके व्यावसायिक विकास एवं बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित होते हैं। विभाग अनुभवात्मक एवं सक्रिय शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा पूर्व छात्र **(Alumni)** व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है, जिनसे विद्यार्थियों को अपने वरिष्ठों से संवाद स्थापित करने तथा जैव रसायन एवं संबंधित क्षेत्रों में भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

विभाग प्रत्येक वर्ष "बायोकेमी (Biokemi)" नामक एक वैज्ञानिक पत्रिका का प्रकाशन करता है, जिसमें विद्यार्थी अपने वैज्ञानिक लेख प्रकाशित करते हैं। इसके माध्यम से उनमें वैज्ञानिक लेखन, संदर्भ सूची (Bibliography) तैयार करने तथा साहित्यिक चोरी (Plagiarism) की जाँच संबंधी कौशल विकसित होते हैं। संकाय सदस्य विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु नियमित रूप से मेंटर-मेंटी बैठकों का आयोजन करते हैं। साथ ही विद्यार्थियों की रुचियों एवं क्षमताओं के अनुरूप उनके व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए करियर परामर्श भी प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम से स्नातक होने वाले विद्यार्थी भारत एवं विदेश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों, जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, एम्स (AIIMS), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISERs), क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज तथा जर्मनी के ड्रेसडेन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी आदि में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर प्राप्त करते हैं।

जैव रसायन एक अत्यंत गतिशील एवं बहुविषयक अध्ययन क्षेत्र है, जो स्वास्थ्य सेवाओं, औषधि उद्योग, कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी तथा जैविक विज्ञानों के अन्य तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञों की बढ़ती मांग के

कारण उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास तथा उद्योग जगत में उत्कृष्ट एवं व्यापक कैरियर संभावनाएँ प्रदान करता है।

संकाय सदस्य

- डॉ. जयिता ठाकुर – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. रेनू बवेजा – एसोसिएट प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. सुनीता सिंह – एसोसिएट प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. अभिजीत मिश्रा – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. उषा यादव – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. श्वेताम्बरी – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)

वनस्पति विज्ञान विभाग (Department of Botany)

शिवाजी कॉलेज का वनस्पति विज्ञान विभाग अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं अनुसंधान परंपरा, अनुभवी एवं प्रतिष्ठित संकाय तथा समृद्ध सह-पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों के लिए विख्यात है। विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अनुसंधान के माध्यम से भावी वनस्पति वैज्ञानिकों का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग का व्यापक पाठ्यक्रम पारंपरिक वनस्पति विज्ञान के विषयों—पादप शरीर रचना (Plant Anatomy), भ्रूण विज्ञान (Embryology), पादप वर्गीकरण (Plant Systematics), शैवाल विज्ञान (Phycology), कवक विज्ञान (Mycology), कोशिका जीवविज्ञान (Cell Biology), पादप शरीर क्रिया विज्ञान (Plant Physiology), आर्थिक वनस्पति विज्ञान (Economic Botany) तथा पारिस्थितिकी (Ecology)—को आणविक जीवविज्ञान (Molecular Biology), आनुवंशिकी (Genetics), जीनोमिक्स (Genomics), पादप जैव प्रौद्योगिकी (Plant Biotechnology), प्रोटिओमिक्स (Proteomics) तथा जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics) जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों से जोड़ता है।

विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विभिन्न सेमेस्टरों में अनुशासन-विशिष्ट मुख्य पाठ्यक्रम (Discipline Specific Core), अनुशासन-विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Electives), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Courses–SECs), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (Value Addition Courses–VAC) तथा सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Electives–GE) प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में आयुर्वेद एवं पोषण, जैव उर्वरक, औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान, पादप ऊतक संवर्धन, उद्यानिकी तथा पादप स्वास्थ्य एवं रोग निदान जैसे अनुप्रयुक्त विषयों सहित अनेक विकल्प उपलब्ध हैं।

वनस्पति विज्ञान विभाग अत्याधुनिक उपकरणों एवं प्रक्षेपण (प्रोजेक्शन) सुविधाओं से युक्त सुव्यवस्थित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को समृद्ध बनाती हैं। विभाग में संग्रहालय एवं हरबेरियम (Herbarium) के समृद्ध नमूनों का संग्रह उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक अधिगम का अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त विभाग का औषधीय वनस्पति उद्यान (Herbal Garden) तथा कम्पोस्ट निर्माण इकाइयाँ विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने में सहायक हैं। क्षेत्रीय भ्रमण, अध्ययन यात्राएँ, वनस्पति सर्वेक्षण, औद्योगिक एवं संस्थागत भ्रमण तथा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप विभाग की अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति के महत्वपूर्ण अंग हैं।

विभाग की वनस्पति विज्ञान सोसाइटी 'फ्रेगरेंस (Fragrance)' व्याख्यानों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन करती है, जिससे एक सक्रिय एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होता है। विभाग समय-समय पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं उद्यमियों को आमंत्रित करता है, जो विद्यार्थियों को नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति एवं कैरियर के अवसरों से परिचित कराते हैं। विभिन्न बाह्य वित्तपोषण योजनाओं (Extramural Funding Schemes) से प्राप्त अनुदानों के सहयोग से विभाग अनुसंधान गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के संगठनात्मक कौशल के विकास को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने अनेक विश्वविद्यालय स्तर के मेधावी विद्यार्थियों (University Rank Holders) को तैयार किया है। विभाग के अनेक पूर्व विद्यार्थी भारत एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। हमारे अनेक पूर्व छात्र वर्तमान में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों (IISERs), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई.ए.आर.आई., पूसा), दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पादप एवं आणविक जीवविज्ञान विभाग, भारतीय वन सेवा (Indian Forest Service) तथा अन्य प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों एवं संगठनों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। विभाग के स्नातकों की यह उल्लेखनीय उपलब्धियाँ शिवाजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का प्रमाण हैं।

वनस्पति विज्ञान में बी.एससी. की उपाधि विद्यार्थियों के लिए विविध एवं उज्ज्वल कैरियर अवसरों के द्वार खोलती है। स्नातक वैज्ञानिक बनकर अग्रणी अनुसंधान में योगदान दे सकते हैं अथवा शिक्षक एवं प्राध्यापक के रूप में भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकते हैं। अनेक विद्यार्थी भारतीय वन सेवा (IFS), भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) तथा भारतीय पुलिस सेवा (IPS) जैसी प्रतिष्ठित सरकारी सेवाओं में अपना कैरियर बनाते हैं। खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नियामक संस्थाओं में खाद्य निरीक्षक के रूप में भी उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध हैं। पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो, अनुसंधान सहयोगी तथा उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं में तकनीकी सहायक के रूप में कार्य करते हुए वे वैज्ञानिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। जैव प्रौद्योगिकी उद्योगों तथा जीनोम विश्लेषक (Genome Analyst) जैसे उभरते क्षेत्रों में भी व्यापक रोजगार की संभावनाएँ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरणविद्, पारिस्थितिकीविद्, उद्यमी तथा उद्यान विशेषज्ञ (Horticulturist) के रूप में भी वनस्पति विज्ञान के स्नातक समाज, पर्यावरण संरक्षण, कृषि तथा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ये विविध अवसर वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों की व्यापक संभावनाओं एवं समाज के प्रति उनके प्रभावशाली योगदान को रेखांकित करते हैं।

संकाय सदस्य

- प्रो. विजय कुमार – प्रोफेसर, पीएच.डी.
- प्रो. प्रतिमा रानी सरदार – प्रोफेसर, पीएच.डी.
- प्रो. प्रभावती – प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. स्मिता त्रिपाठी – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- प्रो. किरण बामेल – प्रोफेसर, पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. मिशा यादव – एसोसिएट प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. सीमा तलवार – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. अनुराग मौर्य – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. प्रियंका ओझा – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. पवन कुमार – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. गुंजन सिरोही – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.
- डॉ. प्रियंका चौहान – सहायक प्रोफेसर, पीएच.डी.

रसायन विज्ञान विभाग (Department of Chemistry)

रसायन विज्ञान विभाग अपने विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, बौद्धिक जिज्ञासा तथा आलोचनात्मक चिंतन का विकास करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण हो सके। विभाग के संकाय सदस्य विद्यार्थियों के साथ सतत संवाद बनाए रखते हैं तथा उन्हें प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। संकाय विद्यार्थियों में अनुशासित चिंतन, नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता तथा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे तथ्यों का सम्यक् विश्लेषण कर सकें, स्थापित धारणाओं पर विचारपूर्वक प्रश्न उठा सकें, प्रमाणों की वैज्ञानिक व्याख्या कर सकें तथा अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में अपने कार्यों के व्यापक प्रभावों को समझ सकें।

रसायन विज्ञान विभाग अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सुव्यवस्थित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जहाँ नियमित प्रायोगिक कक्षाओं तथा अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवश्यक रसायन एवं उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग एक सशक्त शिक्षण एवं अनुसंधान वातावरण प्रदान करता है। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में विभाग के विद्यार्थियों ने अपने शोध कार्य प्रतिष्ठित स्कोपस (Scopus) अनुक्रमित शोध पत्रिकाओं में सफलतापूर्वक प्रकाशित किए हैं।

संकाय सदस्य

- प्रो. प्रशांत कुमार साहू – प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- प्रो. रजनी कनौजिया – प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- श्री महेन्द्र कुमार मीणा – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी.
- डॉ. नीना खन्ना – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- प्रो. नन्द गोपाल गिरि – प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- प्रो. राहुल सिंघल – प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. वंदना कटोच – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. प्रीति कुमारी – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. सुनील यादव – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. दीपेश सिंह – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. ऋचा अरोड़ा – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. प्रियंका कुमारी – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. सीमा – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. रंगनाथ रवि – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. रीता – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. योगेश कुमार – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- सुश्री तमन्ना – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग (Department of Computer Science)

कंप्यूटर विज्ञान विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर समर्पित है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना तथा उन्हें विभिन्न स्तरों पर सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ-2022) के अनुसार विभाग बहुविषयक अध्ययन प्रणाली के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान का पाठ्यक्रम संचालित करता है। यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान की मूलभूत अवधारणाओं की सुदृढ़ समझ विकसित करता है तथा अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों में समस्या-समाधान की क्षमता का विकास करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाना तथा उद्योग जगत की संगणनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार करना है। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी एम.सी.ए., एम.बी.ए., कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी अथवा डेटा साइंस में एम.एससी. जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विभाग सामान्य ऐच्छिक (Generic Elective), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (Value Addition Courses) तथा कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Courses) के रूप में भी कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन उपलब्ध कराता है। विभाग में चार विशाल, वातानुकूलित एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं, जो विद्यार्थियों को उत्कृष्ट एवं सुविधाजनक शिक्षण वातावरण प्रदान करती हैं। लगभग 150 नवीनतम विन्यास (Latest Configuration) वाले कंप्यूटर उच्च क्षमता वाले सर्वरों से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक कंप्यूटर सुरक्षित स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (LAN) के माध्यम से आवश्यक सॉफ्टवेयर एवं उच्च गति की इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित है। प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण के लिए प्रत्येक प्रयोगशाला में प्रोजेक्टर तथा स्मार्ट बोर्ड की व्यवस्था है। ऑनलाइन यू.पी.एस. प्रणाली निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जिससे विद्यार्थियों का कार्य बिना किसी व्यवधान के सुचारु रूप से संचालित होता है।

'वेबस्टर्स (Webster's)', शिवाजी कॉलेज की कंप्यूटर विज्ञान सोसाइटी, विद्यार्थियों में कंप्यूटर एवं प्रौद्योगिकी के निरंतर विकसित होते क्षेत्र के प्रति रुचि जागृत एवं विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। यह सोसाइटी समय-समय पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करती है, जिससे विद्यार्थी नवीनतम तकनीकी प्रवृत्तियों से परिचित रहते हैं। सोसाइटी का वार्षिक तकनीकी उत्सव 'टेकेलॉन्स (Techelons)' अत्यंत उत्साह एवं ऊर्जा के साथ आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर अनेक तकनीकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता एवं संगठनात्मक कौशल विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है।

संकाय सदस्य

- श्री राकेश यादव – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए.
- सुश्री प्रीति शर्मा – एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए.
- सुश्री आभा वासल – सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.फिल.
- डॉ. कृष्ण कान्त सिंह गौतम – सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.टेक. (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- श्री पवन कुमार – सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., पीएच.डी. (शोधरत)
- सुश्री योगेश कुमारी – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी. (शोधरत)
- डॉ. नमिता रानी – सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., पीएच.डी.

पर्यावरण अध्ययन विभाग (Department of Environmental Studies)

पर्यावरण अध्ययन विभाग शिवाजी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) का सबसे नवीन विभाग है, जिसकी स्थापना वर्ष 2017 में हुई। इस विभाग की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय के उस निर्देश के अनुपालन में की गई, जिसके अंतर्गत सभी महाविद्यालयों में पर्यावरण अध्ययन विषय का अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। शैक्षणिक सत्र 2022–23 से दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लागू होने के उपरांत, पर्यावरण विज्ञान को चार क्रेडिट के क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम **(Ability Enhancement Course–AEC)** के रूप में सम्मिलित किया गया है, जिसका अध्ययन दो सेमेस्टरों में किया जाता है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग महाविद्यालय के सभी विभागों में नामांकित विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विज्ञान के क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC) का समन्वयन एवं अध्यापन करता है। विभाग शिक्षण के लिए कक्षा-अध्ययन, क्षेत्रीय भ्रमण तथा परियोजना-आधारित शिक्षण पद्धति को अपनाता है, जिससे विद्यार्थियों में विषय के प्रति समग्र एवं व्यावहारिक समझ विकसित हो सके। विभाग में अपने-अपने विशेषज्ञता क्षेत्रों में उच्च योग्यता एवं अनुभव रखने वाले संकाय सदस्य कार्यरत हैं।

संकाय सदस्य

- डॉ. अश्वनी शर्मा – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. योगेन्द्र सिंह – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. वंदना शर्मा – सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)

जीवन विज्ञान विभाग (Department of Life Sciences)

जीवन विज्ञान विभाग जैविक विज्ञानों के अध्ययन के लिए एक व्यापक एवं बहुविषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह गतिशील विभाग तीन प्रमुख विषयों—वनस्पति विज्ञान (Botany), प्राणी विज्ञान (Zoology) तथा रसायन विज्ञान (Chemistry)—का समन्वित स्वरूप है। बहुविषयक प्रकृति के कारण विद्यार्थी विज्ञान की इन तीनों शाखाओं का अध्ययन करते हैं, जिससे उनके भीतर समन्वित वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। विभाग विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक परिवेश की चुनौतियों का सामना करने तथा जीवन विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान-विस्तार एवं अनुसंधान में सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाता है।

जीवन विज्ञान विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक सशक्त केंद्र है। इसकी शैक्षणिक संरचना विद्यार्थियों को उनके भावी कैरियर के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान करती है तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु तैयार करती है। पाठ्यक्रम के विभिन्न शैक्षणिक वर्षों में अनुशासन-विशिष्ट मुख्य पाठ्यक्रम (Discipline Specific Core–DSC) एवं अनुशासन-विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective–DSE) के अतिरिक्त विद्यार्थियों को सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective–GE), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (Value Added Courses–VAC) तथा कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Courses–SEC) का अध्ययन भी कराया जाता है।

विभाग में विद्यार्थी सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों प्रकार के अध्ययन के माध्यम से वर्गिकी (Taxonomy), शरीर क्रिया विज्ञान (Physiology), विकासीय जीवविज्ञान (Developmental Biology), पारिस्थितिकी (Ecology), आनुवंशिकी एवं आणविक जीवविज्ञान (Genetics and Molecular Biology), जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology), अनुसंधान पद्धति (Research Methodology), वन्यजीव संरक्षण (Wildlife Conservation) तथा रसायन विज्ञान की तीनों प्रमुख शाखाओं—कार्बनिक, अकार्बनिक एवं भौतिक रसायन—का अध्ययन करते हैं। नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त विभाग द्वारा संगोष्ठियों, व्यावहारिक कार्यशालाओं, उद्योग एवं शिक्षाविदों के विशेषज्ञ व्याख्यानों, क्षेत्रीय भ्रमणों तथा अनुसंधान संस्थानों के शैक्षणिक भ्रमणों का भी आयोजन किया जाता है। विभाग की शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों को सहभागितापूर्ण, प्रेरणादायी एवं अनुभवात्मक अधिगम उपलब्ध कराती है।

विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति रुचि एवं वैज्ञानिक अन्वेषण की प्रवृत्ति विकसित करने के उद्देश्य से विभाग उन्हें अल्पकालिक, आंतरिक (In-house/Intramural) अनुसंधान परियोजनाओं तथा अनुसंधान-आधारित विस्तार कार्यक्रमों से जोड़ता है। नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक दक्षता एवं प्रबंधन कौशल के विकास के लिए विभाग में एक सक्रिय, बहुआयामी एवं सुदृढ़ छात्र परिषद कार्यरत है, जो महाविद्यालय एवं अंतर-महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन करती है, जिससे विद्यार्थियों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित होती है।

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग से स्नातक होने वाले विद्यार्थी विद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षण एवं अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवाओं, सिविल सेवाओं तथा सतत् पर्यावरण प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपना कैरियर बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने तथा चौथे शैक्षणिक वर्ष को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थी उपर्युक्त तीनों विषयों में से किसी एक में ऑनर्स अथवा मेजर उपाधि प्राप्त कर सकते हैं। एनईपी-2020 विद्यार्थियों को चौथे शैक्षणिक वर्ष में शोध-प्रबंध (Dissertation) के माध्यम से आवश्यक छह शोध क्रेडिट अर्जित कर अनुसंधान सहित उपाधि (Degree with Research) प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। इस प्रकार जीवन विज्ञान के विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार किसी एक विषय का चयन कर उसमें विशेषज्ञता विकसित करते हुए अनुसंधान सहित अपनी उपाधि पूर्ण कर सकते हैं।

विभाग प्रभारी:

डॉ. मिशा यादव – सह-प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग

गणित विभाग (Department of Mathematics)

शिवाजी कॉलेज का गणित विभाग उच्च योग्यता एवं समर्पित संकाय सदस्यों का एक सशक्त समूह है, जिनकी विशेषज्ञता गणित के विभिन्न क्षेत्रों में है। विभाग के संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान कार्यों में संलग्न रहते हैं तथा विषय के नवीनतम विकास एवं प्रगतियों से स्वयं को निरंतर अद्यतन रखते हैं। विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से विभाग नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ संगोष्ठियों, छात्र परियोजनाओं तथा विशिष्ट एड-ऑन पाठ्यक्रमों **(Add-on Courses)** का भी आयोजन करता है। विभाग की एक प्रमुख विशेषता इसकी अत्याधुनिक अधोसंरचना है, जिसमें लगभग 50 कंप्यूटरों से युक्त पूर्णतः वातानुकूलित एवं सुसज्जित गणित प्रयोगशाला शामिल है। यह प्रयोगशाला ***Mathematica, LaTeX, R*** तथा अन्य सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अधिगम एवं समस्या-समाधान का अनुभव प्रदान कर उनकी शैक्षणिक दक्षता को समृद्ध बनाती है।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित का स्नातक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक चिंतन विकसित करने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित रूप से निर्मित किया गया है, जिससे वे वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में गणितीय तर्क का प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकें। यह पाठ्यक्रम शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित दोनों में सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। इसमें कलन **(Calculus),** वास्तविक एवं सम्मिश्र विश्लेषण **(Real and Complex Analysis),** अमूर्त बीजगणित **(Abstract Algebra),** अवकल समीकरण **(Differential Equations),** प्रायिकता एवं सांख्यिकी **(Probability and Statistics),** गणितीय सांख्यिकी **(Mathematical Statistics),** संख्यात्मक विश्लेषण **(Numerical Analysis),** गणितीय मॉडलिंग **(Mathematical Modelling),** संख्या सिद्धांत **(Number Theory),** ग्राफ सिद्धांत **(Graph Theory),** क्रिप्टोग्राफी (**Cryptograp**hy) तथा गणितीय वित्त **(Mathematical Finance)** जैसे मूल एवं उन्नत विषय सम्मिलित हैं।

विद्यार्थियों की तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभाग "तार्किक चिंतन की अवधारणाएँ **(Concepts of Logical Reasoning)"** शीर्षक से एक लोकप्रिय एड-ऑन पाठ्यक्रम भी संचालित करता है, जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रम से स्नातक होने वाले विद्यार्थी उच्च शिक्षा के साथ-साथ शिक्षण, अनुसंधान, डेटा साइंस, वित्त, बैंकिंग एवं बीमा जैसे विविध एवं उभरते क्षेत्रों में सफल कैरियर बनाने के लिए पूर्णतः तैयार होते हैं।

संकाय सदस्य

- प्रो. शिव कुमार साहदेव – एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी. (प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. बबीता गुप्ता – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- प्रो. अपर्णा जैन – प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- प्रो. मृदुला बुधराजा – प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
- प्रो. सुरभि मदान – प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- श्री आशीष कुमार झारवाल – सहायक प्राध्यापक, एम.ए.
- प्रो. कुमारी प्रियंका – प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री जितेन्द्र सिंह – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., एम.टेक.
- डॉ. वंदना – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- श्री मनीष कमार मीणा – सहायक प्राध्यापक एम एससी

- प्रो. नीतू रानी – प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. उत्तम कुमार सिन्हा – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. दीप्ति – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. सूबेदार राम – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., सीएसआईआर-नेट, पीएच.डी.
- डॉ. रश्मि अग्रवाल – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- श्री नितेश कुमार – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी.
- सुश्री सुनीता – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल.
- श्री अंकुश कुमार – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी.
- डॉ. चन्द्र प्रकाश – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.

बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान सहित)

(B.Sc. (Prog.) Physical Science with Chemistry)

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चिंतन, कार्यकुशलता, त्वरित निर्णय क्षमता, अनुकूलनशीलता तथा प्रभावी संप्रेषण कौशल का विकास करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिससे वे जटिल बौद्धिक एवं व्यावहारिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रमुख विषयों का सुदृढ़ सैद्धांतिक ज्ञान तथा व्यावहारिक दक्षता प्रदान की जाती है। साथ ही, नवीन एवं अभिनव शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से प्रत्येक विषय की गहन एवं समग्र समझ विकसित की जाती है।

इस पाठ्यक्रम से स्नातक होने के पश्चात विद्यार्थी तीनों प्रमुख विषयों में से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर अध्ययन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे बैंकिंग, रक्षा सेवाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सरकारी संस्थानों तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में उपलब्ध विविध रोजगार अवसरों के लिए भी पूर्णतः तैयार होते हैं।

विभाग प्रभारी:

डॉ. अनिल अवस्थी – सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग (Department of Physics)

भौतिकी विभाग शिवाजी कॉलेज के सबसे प्रतिष्ठित एवं सक्रिय विभागों में से एक है। विभाग भौतिकी के अग्रणी अनुसंधान क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यरत है तथा विविध विशेषज्ञताओं के साथ विश्वस्तरीय शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। विभाग चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी (अनुसंधान सहित) संचालित करता है। साथ ही, तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियों के लिए बी.एससी. (भौतिकी) उपाधि के साथ पाठ्यक्रम से निर्गमन (Exit Option) का प्रावधान भी उपलब्ध है। विभाग का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुसंधान-उन्मुख उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त विभाग विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ऐच्छिक (GE), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) तथा मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC) भी संचालित करता है।

विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए विभाग की कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं में प्रोजेक्टर की आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विभाग की प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। विभाग की छात्र सोसाइटी 'इन्वेनियो (INVENIO)' विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर नवीन ज्ञान एवं कौशल अर्जित करने का अवसर प्रदान करती है। इसके अंतर्गत कार्यशालाएँ, वार्षिक उत्सव तथा प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों के शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

वर्तमान वर्ष में विभाग ने "इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल फंक्शनल एंड एडवांस्ड मैटेरियल्स (IC-SFAM 2026)" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभाग प्रत्येक वर्ष भारतीय भौतिकी अध्यापक संघ (Indian Association of Physics Teachers–IAPT) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (National Graduate Physics Examination–NGPE) का भी संचालन करता है, जो प्रतिभाशाली भौतिकी विद्यार्थियों के लिए एक विशिष्ट राष्ट्रीय परीक्षा है।

विभाग का अनुसंधान संघनित पदार्थ भौतिकी (Condensed Matter Physics), सौर सेल (Solar Cell), पतली परतें (Thin Films), जल-विद्युत कोशिका (Hydroelectric Cell – हरित ऊर्जा स्रोत), सेंसर प्रौद्योगिकी, ऊर्जा भंडारण एवं चुंबकीय पदार्थ, प्लाज़्मा भौतिकी, वेवगाइड्स, मॉडलिंग एवं सिमुलेशन आदि प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। वर्तमान में विभाग में पंद्रह प्रेरणादायी संकाय सदस्य कार्यरत हैं, जिनकी अनुसंधान विशेषज्ञता विविध क्षेत्रों में है तथा जो स्नातक विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान करते हैं।

संकाय सदस्य

- डॉ. भारती – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. ममता – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. शिव शंकर गौर – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. रविन्द्र सिंह – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., (विभाग प्रभारी)
- डॉ. नीति गोयल – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. निधि त्यागी – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. अनिल अवासिया – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी.

- श्री निहाल कुमार बैरवा – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी. (शोधरत)
- डॉ. सुरेन्द्र कुमार – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. नीरू शर्मा – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- सुश्री नीतू वर्मा – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी. (शोधरत)
- श्री पार्थ कुमार कसाना – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी. (शोधरत)
- डॉ. शोभा – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. एल. थानसांगा – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. मयंक डिमरी – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.

प्राणी विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

शिवाजी कॉलेज का प्राणी विज्ञान विभाग विद्यार्थियों में विषय की वैचारिक समझ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विषय-विशेष के मूलभूत ज्ञान, जिज्ञासु प्रवृत्ति तथा विश्लेषणात्मक क्षमता का समन्वय विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। विभाग पारंपरिक ब्लैकबोर्ड आधारित कक्षा-शिक्षण के साथ-साथ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) आधारित आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रभावी उपयोग करता है, जिससे विद्यार्थियों में नवीन ज्ञान, तकनीकी दक्षता तथा व्यावहारिक कौशल का विकास होता है।

विद्यार्थियों के ज्ञान का विस्तार करने तथा उन्हें अनुसंधान के नवीनतम क्षेत्रों से परिचित कराने के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर प्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ विशेषज्ञों के व्याख्यान, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विभाग मेधावी विद्यार्थियों द्वारा सहपाठी-अधिगम (Peer Learning) सत्र, अपेक्षाकृत कमजोर एवं कम प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए संकाय सदस्यों द्वारा उपचारात्मक (Remedial) कक्षाएँ तथा सामान्य ऐच्छिक (GE), अनुशासन-विशिष्ट ऐच्छिक (DSE) पाठ्यक्रमों के चयन एवं कैरियर संबंधी परामर्श सत्र भी आयोजित करता है।

विभाग का समृद्ध संग्रहालय अत्याधुनिक पशु नमूनों, अस्थि एवं कपाल (Bones and Skulls) संग्रह, अस्थि विज्ञान (Osteology) के अध्ययन हेतु सामग्री तथा ऊतक विज्ञान (Histology) एवं रोग-शरीर क्रिया विज्ञान (Pathophysiology) के अध्ययन के लिए सूक्ष्मदर्शीय स्लाइडों से सुसज्जित है। विभाग की तीन आधुनिक एवं पूर्णतः सुसज्जित प्रयोगशालाओं में विद्यार्थी वेट-लैब एवं ड्राई-लैब आधारित प्रयोग सम्पन्न करते हैं। इन प्रयोगशालाओं के साथ एक कल्चर कक्ष (Culture Room) तथा घोल एवं रसायन तैयार करने हेतु पृथक तैयारी कक्ष (Preparation Room) भी उपलब्ध है। शिवाजी कॉलेज का पुस्तकालय प्राणी विज्ञान विषय से संबंधित विश्वकोशों तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखकों द्वारा लिखित संदर्भ ग्रंथों के समृद्ध संग्रह से युक्त है।

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ-2022) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप विभाग बहुविषयक शिक्षण दृष्टिकोण अपनाता है। इसके अंतर्गत विज्ञान एवं समाज, आयुर्वेद एवं पोषण जैसे मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम **(VAC)** संचालित किए जाते हैं। मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि ***(Fisheries and Aquaculture)*****,** मधुमक्खी पालन ***(Apiculture)*** तथा रेशम उत्पादन ***(Sericulture)*** जैसे कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम **(SEC)** विद्यार्थियों में व्यावहारिक एवं उद्यमशील कौशल विकसित करते हैं, जिससे वे स्वरोजगार एवं स्टार्ट-अप की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त पारिस्थितिकी, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्मजीव जगत तथा चिकित्सीय निदान जैसे अनुप्रयुक्त विषय विद्यार्थियों के ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता को और अधिक समृद्ध बनाते हैं।

अनुशासन-विशिष्ट मुख्य **(DSC)** एवं ऐच्छिक **(DSE)** पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कोशिका एवं आणविक जीवविज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान, आनुवंशिकी, मानव शरीर क्रिया विज्ञान तथा उपापचय की जैवरसायन जैसे विषयों में गहन ज्ञान प्रदान करते हैं। वहीं पशु व्यवहार, परजीवी विज्ञान, प्राणियों का विकासीय जीवविज्ञान (भ्रूण विज्ञान), वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन, जीव-जंतु संरक्षण तथा अकशेरुकी एवं कशेरुकी प्राणियों की विविधता, तुलनात्मक शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान जैसे विशिष्ट विषय विद्यार्थियों को एक कुशल प्राणी वैज्ञानिक बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं। अनुसंधान पद्धति, जैव-सांख्यिकी, जैव-उपकरण **(Bioinstrumentation)** तथा अनुसंधान में प्रयुक्त पशु मॉडल प्रणालियों जैसे शोधोन्मुख पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को चौथे वर्ष के शोध-प्रबंध **(Dissertation)** हेतु तैयार करते हैं, जिसके माध्यम से वे यूजीसीएफ-2022 के अनुसार **"**बी**.**एससी**. (**ऑनर्स**)** प्राणी विज्ञान **(**अनुसंधान सहित**)"** उपाधि प्राप्त कर सकते हैं।

बारह से अधिक समर्पित संकाय सदस्यों, निरंतर विकसित होते पाठ्यक्रम तथा अनुसंधान-उन्मुख शिक्षण एवं मार्गदर्शन के माध्यम से शिवाजी कॉलेज का प्राणी विज्ञान विभाग सक्षम वैज्ञानिकों, कुशल शोधकर्ताओं तथा तकनीकी रूप से सशक्त नागरिकों के निर्माण में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

संकाय सदस्य

- प्रो. सुनीता गुप्ता – एम.एससी., पीएच.डी.
- प्रो. दीपिका यादव – एम.एससी., पीएच.डी.
- सुश्री निमिता कांत – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी. (शोधरत)
- श्री मनीष के. सचदेवा – सह-प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी. (शोधरत), (विभाग प्रभारी)
- डॉ. जितेन्द्र के. चौधरी – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. ऐष्णा निगम – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. सम्य दास – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. त्सेवांग नामग्याल – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
- डॉ. राकेश रोशन – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. अंकिता दुआ – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. निधि गर्ग – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.
- डॉ. मानस के. ढाल – सहायक प्राध्यापक, एम.एससी., पीएच.डी.

New Delhi,Delhi,India

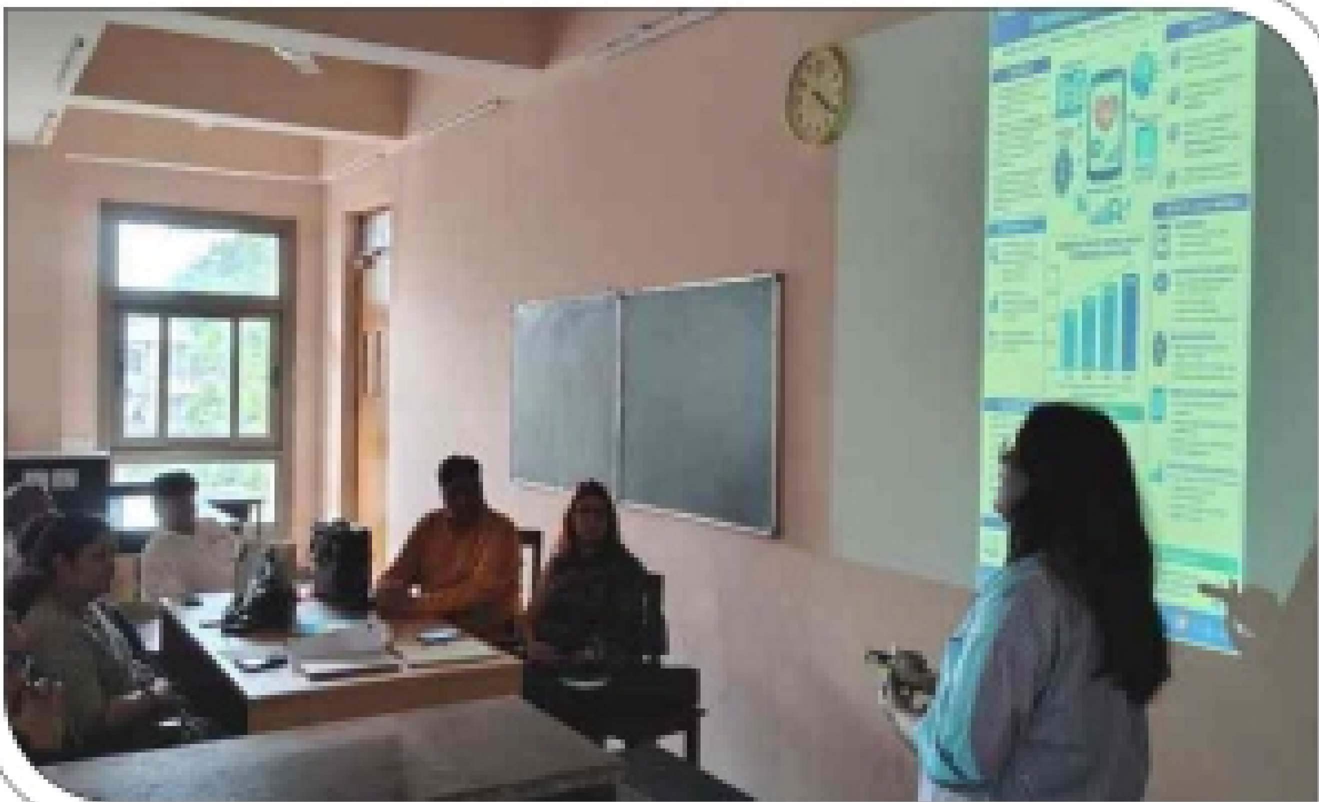

प्रभारी शिक्षकों की सूची 2026-27

क्रम संख्या	विभाग	शिक्षक का नाम
1	बी.ए. प्रोग्राम	श्री स्कंद प्रिय
2	अर्थशास्त्र	सुश्री निकिता गुप्ता
3	बी.बी.ई.	सुश्री कविता यादव
4	अंग्रेजी	डॉ. ऋतु मदान
5	भूगोल	डॉ. भरत रत्नू
6	हिन्दी	डॉ. अरविंदर कौर
7	इतिहास	डॉ. रुद्र प्रताप यादव
8	शारीरिक शिक्षा	डॉ. अमिता हांडा
9	राजनीति विज्ञान	डॉ. रवि
10	संस्कृत	डॉ. रीना कुमारी
11	समाजशास्त्र	डॉ· विक्रांत कुमार
12	वाणिज्य	प्रो· किरण चौधरी
13	बी·कॉम· प्रोग्राम	डॉ. वनीता चड्ढा
14	जैव रसायन	डॉ· श्वताम्बरी
15	वनस्पति शास्त्र	डॉ· श्वताम्बरी
16	रसायन शास्त्र	डॉ· वंदना कटोच
17	कप्यटर विज्ञान	डॉ· कष्णकांत सिंह गौतम
18	पर्यावरण अध्ययन	डॉ· वंदना शर्मा
19	गणितशास्त्र	प्रो· सुरभि मदान
20	भौतिक विज्ञान	डॉ· रवीन्द्र सिंह
21	बी·एस सी· प्रोग्राम (लाइफ साइंसेज)	डॉ· मिशा यादव
22	बी.एस सी. भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम	डॉ· अनिल अवसिया
23	प्राणीविज्ञान	डॉ· मनीष कुमार सचदेवा

प्रशासन

प्राचार्य	प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज
उप- प्राचार्य	प्रो. तेजबीर सिंह राणा
बर्सर	प्रो. किरण चौधरी
लोक सूचना अधिकारी	प्रो. दीपिका यादव
ए.ओ. (लेखा)	श्री प्रवीण कुमार
ए.ओ. (प्रशासन)	श्री हेमंत लांबा
नोडल अधिकारी	प्रो. नीतू रानी
लाइब्रेरियन	श्री भूपेंद्र सिंह

संपर्क (डीलिगं) सहायक

सभी बीए (विशेष) पाठ्यक्रम और एमए (बीए (विशेष) अंग्रेजी & संस्कृत को छोड़कर)	श्री राजीव कपूर जूनियर सहायक
गणित को छोड़कर सभी विज्ञान पाठ्यक्रम	सुश्री नेहा भटनागर, सहायक
वाणिज्य और गणित	श्री आशीष ढींगरा, सहायक
बी.ए. प्रोग्राम, बी.ए. (विशेष) अंग्रेजी., बी.ए. (विशेष) संस्कृत	श्री संतोष मिश्रा, जूनियर सहायक

छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति का नाम	पात्रता मापदंड
डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट स्कॉलरशिप	बी कॉम (प्रोग्राम) द्वितीय और तृतीय वष के जो विद्यार्थी उच्चतम 70% से अधिक अंक प्राप्त करते है	
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (ऑनस) तृतीय वर्ष का विद्यार्थी , जिसने बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में 70% से अधिक अंक प्राप्त कर दूसरा सर्वाधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षा में कॉलेज के सभी पेपरों में प्रथम सर्वोच्च प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को रु. 2500/- की छात्रवृत्ति दी जाएगी।
श्री सुल्तान चंद द्रोपदी देवी स्मारक छात्रवृत्ति योजना	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) के छात्र को दूसरे सेमेस्टर के परिणाम के लिए 3500/- रुपये की एक छात्रवृत्ति।
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) के छात्र को चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम के लिए 3600/- रुपये की एक

	छात्रवत्ति।
श्रीमती स्वण कांत नैय्यर पत्नी स्वर्गीय डॉ. एस. के.नैय्यर	बीएससी (ऑनस) जूलॉजी के लिए जूलॉजी विभाग में दो पुरस्कार, उनके डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष में दो शीर्ष छात्रों के लिए, क्रमशः 2/3 और 1/3 का अनुपात |
श्री सतपाल बंसल मेमोरियल स्कॉलरशिप (डॉ. सोनाली गर्ग)	बीए (कायक्रम) प्रथम वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र।
श्रीमती सविता मिश्रा स्मृति पुरस्कार (डॉ. कुमारी प्रियंका द्वारा गणित विभाग (शिवाजी कॉलेज) द्वारा उनकी माता की स्मृति में स्थापित किया गया)	बीएससी (ऑनस) गणित की छात्रा, जि सने स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त किये है |
सुश्री संतोष दुग्गल अपने माता-पिता की याद में	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान के लिए प्रथम, द्वितीय और ततीय वर्ष के विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ |
डॉक्टर सर्वेश कुमार दुबे गोल्ड मेडल	जिसने एम.ए. हिंदी अंतिम वष की परीक्षा में कॉलेज के सभी प्रश्नपत्रों में प्रथम उच्चतम अंक प्राप्त किए |
शंकर मजूमदार अपने चाचा स्वर्गीय डॉ. आर. एम. पाल और उनके बड़े भाई स्वर्गी य श्री एन.सी. की याद में	बीए (ऑनस) इतिहास अंतिम वर्ष की एक छात्रवृत्ति, जो स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त करती है|
सुनील-भाई रवि छात्रवृत्ति प्रो . खुर्शीद खान, इतिहास विभाग	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास अंतिम वष के एक छात्र को, जिसने स्नातक स्तर पर अधिकतम अंक प्राप्त किए हो।
रविमोहन भारती छात्रवृत्ति, प्रो प्रीति तिवारी, भूगोल विभाग द्वारा	बीए (ऑनर्स) भूगोल (अंतिम वष) के छात्र को 10000 / - रुपये की एक छात्रवृत्ति जो विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंकों के साथ स्नातक है।
प्रो . रमेश गौतम, स्मृति उद्गीत पुरस्कार	तीनो स्ट्रीम यानी विज्ञान,कला और वाणिज्य के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी
प्रो रबिनारायण सामंतरा मेरिटोरियस अवार्ड	बी कॉम (ऑनस) अंतिम वर्ष के टॉपर छात्र
प्रोफेसर अनिल कृष्ण अग्रवाल मेधावी पुरस्कार	बीएससी (ऑनस) रसायन विज्ञान अंतिम वष के टॉपर छात्र
डॉ. तुलसी राम और श्रीमती माया देवी स्मृति छात्रवृत्ति	विज्ञान, कला और वाणिज्य तीनों धाराओं के सवश्रेष्ठ छात्र

अध्यादेश (Ordinances)

अध्यादेश **XV-B :** विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन संबंधी अधिकार

विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई करने से संबंधित सभी अधिकार कुलपति **(Vice-Chancellor)** में निहित होंगे।

2. अधिकारों का प्रत्यायोजन (Delegation of Powers)

कुलपति अपने विवेकानुसार अनुशासन संबंधी समस्त अथवा कुछ अधिकार प्रॉक्टर (Proctor) तथा अन्य ऐसे अधिकारियों को सौंप सकते हैं, जिन्हें वे इस उद्देश्य के लिए नामित करें।

3. गंभीर अनुशासनहीनता (Gross Indiscipline) के कृत्य

इस अध्यादेश के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य गंभीर अनुशासनहीनता माने जाएंगे—

(क) विश्वविद्यालय के किसी भी शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी अथवा छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला करना अथवा शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।

(ख) किसी भी प्रकार के हथियार रखना, उनका प्रयोग करना अथवा उनके प्रयोग की धमकी देना।

(ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 (Civil Rights Protection Act, 1976) के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करना।

(घ) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की गरिमा, सम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा का हनन करना।

(ङ) महिलाओं के प्रति मौखिक अथवा किसी अन्य प्रकार का अपमानजनक, अशोभनीय या अवमाननापूर्ण व्यवहार करना।

(च) किसी भी प्रकार की रिश्वत अथवा भ्रष्टाचार का प्रयास करना।

(छ) विश्वविद्यालय अथवा संस्थान की संपत्ति को जानबूझकर क्षति पहुँचाना या नष्ट करना।

(ज) धार्मिक अथवा साम्प्रदायिक आधार पर वैमनस्य, घृणा अथवा असहिष्णुता फैलाना।

(झ) विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करना।

(ञ) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग (Ragging) करना।

4. अनुशासनात्मक दंड (Disciplinary Action)

अनुशासन बनाए रखने हेतु कुलपति, आवश्यक समझे जाने पर, निम्नलिखित दंडात्मक कार्रवाई कर सकते हैं—

(क) विद्यार्थी को विश्वविद्यालय से निष्कासित (Expel) करना।

(ख) निर्धारित अवधि के लिए निलंबित/रस्टिकेट (Rusticate) करना।

(ग) निर्धारित अवधि तक विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग अथवा संस्थान में किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश से वंचित करना।

(घ) निर्धारित राशि का आर्थिक दंड (Fine) लगाना।

(ङ) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय, महाविद्यालय अथवा विभागीय परीक्षाओं में सम्मिलित होने से प्रतिबंधित करना।

(च) संबंधित परीक्षा अथवा परीक्षाओं का परिणाम निरस्त (Cancel) करना।

5. महाविद्यालय एवं विभागों के अनुशासनात्मक अधिकार

महाविद्यालयों के प्राचार्य, छात्रावासों के अधीक्षक/प्रमुख, संकायों के अधिष्ठाता (**Dean**), विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ कॉरेस्पॉन्डेंस कोर्सेज़ एवं कंटिन्यूइंग एजुकेशन के प्राचार्य तथा विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष को अपने-अपने संस्थानों में अनुशासन बनाए रखने हेतु आवश्यक अनुशासनात्मक अधिकार प्राप्त होंगे।

वे इन अधिकारों का स्वयं प्रयोग कर सकते हैं अथवा अपने महाविद्यालय/विभाग के किसी शिक्षक को यह अधिकार सौंप सकते हैं।

6. अनुशासन संबंधी नियम

कुलपति एवं प्रॉक्टर के अधिकारों को प्रभावित किए बिना, विद्यार्थियों के अनुशासन एवं उचित आचरण के लिए विस्तृत नियम बनाए जाएंगे।

आवश्यकता पड़ने पर महाविद्यालयों के प्राचार्य, छात्रावासों के प्रमुख, संकायों के अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष इन नियमों में पूरक प्रावधान जोड़ सकते हैं।

प्रत्येक विद्यार्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह इन नियमों की एक प्रति अपने पास रखे।

7. प्रवेश के समय घोषणा-पत्र (Declaration)

प्रवेश के समय प्रत्येक विद्यार्थी को एक घोषणा-पत्र (Declaration) पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा, जिसके माध्यम से वह यह स्वीकार करेगा कि प्रवेश प्राप्त करने के साथ ही वह दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, विश्वविद्यालय की विधियों (**Statutes**), अध्यादेशों (**Ordinances**), नियमों (**Rules**) तथा

उनके अंतर्गत अनुशासन संबंधी अधिकार रखने वाले कुलपति एवं विश्वविद्यालय के अन्य सक्षम प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार-क्षेत्र (**Disciplinary Jurisdiction**) के अधीन रहेगा।

शिवाजी कॉलेज की अनुशासन और छात्र सलाहकार समितियां

अनुशासन समिति

संयोजक	प्रो. राजिंदर सिंह
सदस्य	प्रो. नंद गोपाल गिरी
	श्री मुकेश कुमार मीणा
	डॉ. अमित श्रीवास्तव
	श्री राहुल मिश्रा
	श्री पवन कुमार
	डॉ. सूबेदार राम
	श्री मुकेश कुमार सिंह
	डॉ. दिव्या मदान
	डॉ. मोहन कुमार
	डॉ. जितेंद्र कुमार चौधरी
	डॉ. निधि त्यागी
	श्री धारा सिंह कुशवाहा
	श्री आशीष कुमार झारवाल
पद एनसीसी प्रभारी	प्रो. राजिंदर सिंह
पद एनसीसी प्रभारी	डॉ. दीप्ति
पद खेल संयोजक	श्री गौरव गोयल
पद एनएसएस संयोजक	प्रो. रुचिरा ढींगरा

छात्र शिकायत समिति

संयोजक	डॉ. रवि
सदस्य	डॉ. भारती
	डॉ. बबली
	डॉ. संदीप कुमार
	डॉ. सुखराम
	श्री कौशिक कुमार
	श्री नितेश कुमार
	डॉ. अमित कुमार

छात्र शिकायत समिति

संयोजक	प्रो. तेजबीर सिंह राणा
सदस्य	डॉ. प्रीति तिवारी
	सुश्री प्रीति शर्मा
	श्री गौरव गोयल
	प्रो. राजिंदर सिंह
	डॉ. वनीता चड्ढा

अध्यादेश XV-B

रैगिंग (Ragging) का निषेध एवं दंड

रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध

- महाविद्यालय, विभाग अथवा संस्थान के परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय की समस्त इकाइयों तथा सार्वजनिक परिवहन (Public Transport) में किसी भी प्रकार की रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है।
- रैगिंग से संबंधित किसी भी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया गया कोई भी कृत्य या व्यवहार गंभीर अनुशासनहीनता (Gross Indiscipline) माना जाएगा तथा इस अध्यादेश के अंतर्गत उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

रैगिंग की परिभाषा

इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग से आशय सामान्यतः ऐसे किसी भी कृत्य, व्यवहार अथवा गतिविधि से है, जिसके माध्यम से वरिष्ठ विद्यार्थी अपनी प्रभुत्वशाली स्थिति अथवा शक्ति का प्रयोग नवप्रवेशित (Freshly Enrolled) अथवा अन्य विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ या निम्न समझे जाने वाले विद्यार्थियों पर करते हैं।

रैगिंग में व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से किए गए निम्नलिखित कार्य सम्मिलित हैं—

- शारीरिक हमला करना अथवा शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।
- छात्राओं की गरिमा, सम्मान एवं प्रतिष्ठा का उल्लंघन करना।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा दिव्यांग (PwD) विद्यार्थियों की गरिमा एवं सम्मान को ठेस पहुँचाना।
- विद्यार्थियों का उपहास करना, उन्हें अपमानित करना तथा उनके आत्मसम्मान को आहत करना।
- मौखिक दुर्व्यवहार, आक्रामक भाषा का प्रयोग, अशोभनीय संकेत (Indecent Gestures) तथा अश्लील व्यवहार करना।

रैगिंग की सूचना मिलने पर कार्रवाई

- रैगिंग की किसी भी घटना की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख, महाविद्यालय/विश्वविद्यालय छात्रावास अथवा निवास-गृह (Hall of Residence) के संबंधित अधिकारी तत्काल आवश्यक कार्रवाई करेंगे।
- उपर्युक्त प्रावधानों के अतिरिक्त, प्रॉक्टर (Proctor) भी स्वप्रेरणा (Suo Motu) से रैगिंग की किसी घटना की जाँच कर सकते हैं तथा दोषी विद्यार्थियों की पहचान एवं घटना का विवरण कुलपति को प्रस्तुत कर सकते हैं। आवश्यकता होने पर प्रॉक्टर प्रारंभिक प्रतिवेदन (Initial Report) भी प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें दोषियों की पहचान तथा रैगिंग की प्रकृति का उल्लेख होगा।
- यदि महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख अथवा प्रॉक्टर यह संतुष्ट हों कि किसी कारणवश विस्तृत जाँच करना व्यावहारिक नहीं है, तो वे अपने कारणों को लिखित रूप में दर्ज करते हुए कुलपति को उचित परामर्श देंगे।
- यदि कुलपति यह संतुष्ट हों कि ऐसी जाँच कराना उचित या आवश्यक नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

रैगिंग के लिए दंड

- यदि उपयुक्त प्रतिवेदन अथवा सक्षम प्राधिकारी के निर्णय से यह सिद्ध होता है कि अध्यादेश की धारा 3(क), 3(ख) एवं 3(ग) में वर्णित प्रकार की रैगिंग हुई है, तो कुलपति संबंधित विद्यार्थी/विद्यार्थियों को निर्धारित वर्षों के लिए रस्टिकेट (Rusticate) करने का आदेश देंगे।
- अन्य प्रकार की रैगिंग के मामलों में कुलपति निम्नलिखित दंड दे सकते हैं—
    - विश्वविद्यालय से निष्कासन (Expulsion);
    - निर्धारित अवधि तक किसी महाविद्यालय या विभाग में प्रवेश पर प्रतिबंध;

- एक या अधिक वर्षों तक विश्वविद्यालय, महाविद्यालय अथवा विभागीय परीक्षाओं में सम्मिलित होने से वंचित करना;
- संबंधित परीक्षा/परीक्षाओं का परिणाम निरस्त (Cancellation of Result) करना।

उपाधि निरस्तीकरण

यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से उपाधि (Degree) अथवा डिप्लोमा प्राप्त कर चुके किसी विद्यार्थी को इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग का दोषी पाया जाता है, तो विश्वविद्यालय विधि (Statute) 15 के अनुसार उसकी उपाधि अथवा डिप्लोमा वापस लेने (Withdrawal of Degree/Diploma) की कार्रवाई कर सकता है।

रैगिंग के लिए उकसाना भी दंडनीय

इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग के लिए किसी भी प्रकार से उकसाना, सहायता करना, प्रोत्साहित करना अथवा सहयोग देना (Abetment of Ragging) भी रैगिंग के समान ही अपराध माना जाएगा और उसके लिए समान रूप से अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिवाजी कॉलेज की रैगिंग विरोधी समिति

संयोजक	श्री कौशिक कुमार
सदस्य	डॉ. अमित श्रीवास्तव
	डॉ. अनिल अवसिया
	डॉ. हिम्मत सिंह
	श्री नागेंद्र

अध्यादेश XV-C के कार्यान्वयन संबंधी प्रावधान

- दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों, विभागों एवं संस्थानों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे इस अध्यादेश के अंतर्गत समय-समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों एवं आदेशों का पालन करें तथा अध्यादेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कुलपति को आवश्यक सहयोग एवं सहायता प्रदान करें।

टिप्पणी : अध्यादेश XV-C के अनुपालन में कुलपति का आदेश

- यदि इस अध्यादेश के अंतर्गत किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटना अथवा घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है, तो रैगिंग में संलिप्त विद्यार्थी/विद्यार्थियों को कुलपति के आदेशानुसार निर्धारित अवधि के लिए विश्वविद्यालय से निष्कासित **(Expelled)** किया जाएगा।
- यदि रैगिंग की घटना में गैर-विद्यार्थी **(Non-Students)** संलिप्त पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध भारत के प्रचलित आपराधिक कानूनों **(Criminal Law of India)** के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी।
- इसके अतिरिक्त, ऐसे गैर-विद्यार्थियों को पाँच **(05)** वर्षों की अवधि तक दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी महाविद्यालय, विभाग अथवा संस्थान में प्रवेश **(Enrolment)** प्राप्त करने के लिए अयोग्य **(Ineligible)** घोषित किया जाएगा।
- जिन विद्यार्थियों के विरुद्ध इस प्रावधान के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, उन्हें निर्णय पारित होने के पश्चात् **(Post-Decisional Hearing)** अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों **(Principles of Natural Justice)** का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013

(The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013)

यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने, यौन उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम **(Prevention)**, प्रतिषेध **(Prohibition)** तथा शिकायतों के निवारण **(Redressal)** के लिए बनाया गया है। साथ ही, इससे संबंधित अथवा उसके आनुषंगिक विषयों के लिए भी आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

यह अधिनियम इस आधार पर निर्मित है कि यौन उत्पीड़न भारत के संविधान के अनुच्छेद **14** एवं **15** द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार का तथा अनुच्छेद **21** के अंतर्गत प्रदत्त जीवन एवं गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसके अतिरिक्त, यह किसी भी महिला के किसी व्यवसाय, पेशे, व्यापार अथवा रोजगार करने के अधिकार को भी प्रभावित करता है, जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त एवं सुरक्षित कार्यस्थल का अधिकार निहित है।

यह भी मान्यता प्राप्त है कि यौन उत्पीड़न से सुरक्षा तथा गरिमा के साथ कार्य करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का अभिन्न अंग है। इन अधिकारों को महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन संबंधी अभिसमय **(Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women – CEDAW)** सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संधियों एवं अभिसमयों द्वारा मान्यता दी गई है। भारत सरकार ने इस अभिसमय का **25** जून **1993** को अनुमोदन **(Ratification)** किया था।

अतः उक्त अंतरराष्ट्रीय अभिसमय के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से यह अधिनियम अधिनियमित किया गया है।

शिवाजी कॉलेज की प्रतिबद्धता

शिवाजी कॉलेज एक सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न **(POSH)** संबंधी सिद्धांतों का पालन करते हुए महाविद्यालय यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास करता है कि महाविद्यालय समुदाय का प्रत्येक सदस्य—चाहे वह विद्यार्थी हो, शिक्षक हो अथवा कर्मचारी—सुरक्षित, सहयोगपूर्ण तथा यौन उत्पीड़न-मुक्त वातावरण में अध्ययन, अध्यापन एवं कार्य कर सके।

अधिक जानकारी एवं शिकायत

महाविद्यालय की **POSH** नीति के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने अथवा किसी घटना की शिकायत दर्ज कराने के लिए निम्न माध्यमों का उपयोग किया जा सकता है—

ई-मेल: icc@shivaji.du.ac.in

अथवा

महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंतरिक शिकायत समिति **(Internal Complaints Committee – ICC)** से संबंधित आधिकारिक दस्तावेज़ का अवलोकन किया जा सकता है।

सदस्य का नाम	मोबाइल नं.	ईमेल आईडी
शिक्षण सदस्य		
प्रो. सुरभि मदान गणित विभाग (संयोजक)	9711140225	surbhi@shivaji.du.ac.in
डॉ. ऋतु मदान अंग्रेजी विभाग (सह-संयोजक)	9818230105	ritumdan@gmail.com
श्री राकेश यादव कंप्यूटर विज्ञान विभाग	9868237468	rakeshyadav@shivaji.du.ac.in
गैर-शिक्षण सदस्य		
सुश्री नेहा भटनागर सहायक	9990427733	saxenanaina87@gmail.com
सुश्री पूजा उज्जैनवाल पुस्तकालय परिचारक	9891379557	poojaujjainwal123@gmail.com
कानूनी और गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि		
डॉ. सीमा सिंह संकाय सदस्य, कैंपस लॉ सेंटर दिल्ली विश्वविद्यालय	9999754825	singhseema01@gmail.com

छात्र सदस्य		
पल्लवी बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, द्वितीय वर्ष	9691821967	pallavisahu16@gmail.com
रिया चोपड़ा बी.कॉम. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष	7428948857	chopra2006riya@gmail.com
अंकित कुमार बी.एससी. (जीवन विज्ञान), द्वितीय वर्ष	8882158681	ankit.sharma09022005@gmail.com

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें:
https://www.shivajicollege.ac.in/committee/committee_sexual_harassment.php

अध्यादेश VIII-E : आंतरिक मूल्यांकन (Internal

(https://www.du.ac.in/du/uploads/rti/Annexure-VII.pdf)

[EC संकल्प संख्या 60-1/(60-1-13) दिनांक 03.02.2023]

UGCF-2022 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन हेतु निम्नलिखित मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी—

- जिन पाठ्यक्रमों में ट्यूटोरियल के लिए 01 क्रेडिट निर्धारित है, उनमें एक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रणाली विकसित की जाएगी, क्योंकि किसी विद्यार्थी द्वारा अर्जित प्रत्येक क्रेडिट अंततः उसके शैक्षणिक क्रेडिट बैंक में दर्ज किया जाएगा। अतः प्रत्येक अर्जित क्रेडिट का उचित मूल्यांकन एवं अभिलेखीकरण किया जाना आवश्यक होगा।
- उपर्युक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ट्यूटोरियल के विभिन्न घटकों को निर्धारित किया गया है, ताकि विद्यार्थी शिक्षक के परामर्श से निर्धारित नियमों के अनुसार इनमें से एक या अधिक गतिविधियों का चयन कर सके। इन गतिविधियों का मूल्यांकन सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

(i) ट्यूटोरियल के अंतर्गत की जाने वाली संभावित गतिविधियां इस प्रकार है:

- साहित्य समीक्षा
- पुस्तक समीक्षा
- चलचित्र/फिल्म समीक्षा
- परियोजना कार्य (समूह आधारित)
- अनुसंधान एवं प्रस्तुतीकरण
- सृजनात्मक लेखन / शोध-पत्र लेखन
- समूह चर्चा
- समस्या समाधान अभ्यास
- सृजनात्मक प्रस्तुति (समूह में भी की जा सकती है)
- नवाचारी परियोजना
- विषय के व्यावहारिक अनुप्रयोग से संबंधित अन्य शैक्षणिक कार्य
- विषय की वैचारिक समझ से संबंधित अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

(ii) ट्यूटोरियल के सतत मूल्यांकन में उपस्थिति के अंक ट्यूटोरियल के 40 अंकों के सतत मूल्यांकन में से 05 अंक उपस्थिति के लिए निर्धारित होंगे, जिनका विवरण निम्नानुसार होंगे:

- 67% से अधिक तथा 70% से कम उपस्थिति – 1 अंक
- 70% से अधिक तथा 75% से कम उपस्थिति – 2 अंक

- 75% से अधिक तथा 80% से कम उपस्थिति – 3 अंक
- 80% से अधिक तथा 85% से कम उपस्थिति – 4 अंक
- 85% से अधिक उपस्थिति – 5 अंक

प्रायोगिक पाठ्यक्रमों के सतत मूल्यांकन में उपस्थिति के लिए कोई अंक निर्धारित नहीं होंगे।

(i) आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट / प्रस्तुति और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा की परीक्षा में 10 अंक होंगे, असाइनमेंट / प्रस्तुति में 10 अंक होंगे और उपस्थिति 5 अंकों की होगी। इसी तरह, 30 अंकों के आई के लिए, उपस्थिति के लिए 6 अंक, कक्षा परीक्षा के लिए 12 अंक और असाइनमेंट / प्रेजेंटेशन के लिए 12 अंक होंगे।

(ii) उपस्थिति के लिए छह अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:

67% से अधिक उपस्थिति लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1.2 अंक
70% से अधिक उपस्थिति लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2.4 अंक
75% से अधिक उपस्थिति लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3.6 अंक
80% से अधिक उपस्थिति लेकिन 85% से कम उपस्थिति - 4.8 अंक
85% से अधिक उपस्थिति - 6.0 अंक

शिवाजी कॉलेज की आंतरिक मूल्यांकन निगरानी और मॉडरेशन समिति

संयोजक	डॉ. जितेंद्र अग्रवाल
सदस्य	प्रो. अपर्णा जैन
	श्री मनीष सचदेवा

	डॉ. रेनू बावेजा
	सुश्री मनीषा जयंत
	डॉ. सुनील यादव
सचिव , कर्मचारी परिषद (पद)	प्रो मृदुला बुद्धराजा
बर्सर (पद)	प्रो. किरण चौधरी

आंतरिक मूल्यांकन एवं सतत मूल्यांकन संबंधी प्रावधान

(i) आंतरिक मूल्यांकन एवं सतत मूल्यांकन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं न्यायसंगत बनाने के लिए प्रत्येक महाविद्यालय में आंतरिक मूल्यांकन निगरानी समिति को, विश्वविद्यालय के अध्यादेश VIII-E के खंड 5 के अनुसार, सुदृढ़ किया जाना आवश्यक होगा।

(ii) यह समिति महाविद्यालय में आंतरिक मूल्यांकन की संपूर्ण प्रक्रिया के संचालन के साथ-साथ उससे संबंधित शिकायतों (यदि कोई हो) के निवारण के लिए उत्तरदायी होगी। यह समिति सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया की भी निगरानी करेगी तथा उससे संबंधित शिकायतों का भी निवारण करेगी।

(iii) यदि कोई विद्यार्थी आंतरिक मूल्यांकन/सतत मूल्यांकन से संबंधित अपनी शिकायत पर महाविद्यालय की आंतरिक मूल्यांकन निगरानी समिति के निर्णय से संतुष्ट नहीं है, तो वह एक अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता/सकती है। इस प्राधिकरण में निम्नलिखित सदस्य होंगे—

- महाविद्यालय के प्राचार्य,
- संबंधित विभाग के शिक्षक प्रभारी अथवा वरिष्ठ संकाय सदस्य,
- संबंधित शिक्षक, जिन्होंने शिकायतकर्ता विद्यार्थी का मूल्यांकन किया है।

इस अपीलीय प्राधिकरण की अध्यक्षता महाविद्यालयों के अधिष्ठाता अथवा दक्षिण दिल्ली परिसर के निदेशक द्वारा नामित प्रतिनिधि करेंगे, जिसके अधिकार क्षेत्र में संबंधित महाविद्यालय आता हो।

सिद्धांत परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन

सिद्धांत परीक्षा तथा आंतरिक मूल्यांकन, सिद्धांत कक्षाओं एवं ट्यूटोरियल कक्षाओं में संपन्न समस्त अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया का समेकित मूल्यांकन होगा।

विभिन्न क्रेडिट संरचनाओं के लिए मूल्यांकन पद्धति

विभिन्न क्रेडिट वितरण वाले पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन की पद्धति तालिका–1 (Table–1) में निर्धारित की गई है।

चार **(04)** क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक मूल्यांकन

चार क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अंकों का निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा—

- सतत मूल्यांकन – 25%
- सेमेस्टरांत प्रायोगिक परीक्षा – 50%
- मौखिक परीक्षा – 25%

दो **(02)** क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक मूल्यांकन

दो क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अंकों का निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा—

- सतत मूल्यांकन – 25%
- सेमेस्टरांत प्रायोगिक/लिखित परीक्षा – 50%
- मौखिक परीक्षा – 25%

अंकों का रूपांतरण

व्याख्यान , ट्यूटोरियल एवं प्रायोगिक **[LTP]** की विभिन्न संरचनाओं में कुल अंकों की भिन्नता का समायोजन, उपयुक्त रूप से निर्धारित सूत्र द्वारा भारित औसत की गणना के माध्यम से किया जाएगा, ताकि अंकों का ग्रेड में रूपांतरण समान एवं न्यायसंगत रूप से किया जा सके।

सतत मूल्यांकन हेतु उपस्थिति

सतत मूल्यांकन के लिए उपस्थिति संबंधी आवश्यकताएँ दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश VII के प्रावधानों के अनुसार लागू होंगी।

छात्रों को अपने ग्रेड में सधार करने में सक्षम बनाने के लिए निम्नलिखित को अपनाया जा सकता है:

पाठ्यक्रम/पेपर में प्राप्त ग्रेड	**थ्योरी में प्राप्त ग्रेड**	**प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल में प्राप्त ग्रेड**	**पुनः पंजीकरण करें**	**ग्रेड में सुधार के लिए कार्रवाई का कोर्स**
F (एफ)	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	आवश्यक दोहराने के लिए उस पाठ्यक्रम/ पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	सुधार के लिए उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं (IA अंक संतुष्ट)	संतुष्ट	नहीं	सुधार के लिए उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं IA सहित	संतुष्ट	हां	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए आइए और अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट	संतुष्ट नहीं	हां	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए अपने सीए और आईए के साथ सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए

*संतुष्ट न होना थ्योरी/प्रैक्टिकल के लिए निर्धारित उत्तीर्ण अंकों से नीचे ग्रेड को दर्शाता है।

2022-2023 से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए अंको (%) के अंतिम प्रतिशत की गणना ग्रैंड सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) के रूप में गुणा की जाएगी

कुल क्रेडिट	एल	टी	पी	एंड टर्म थ्योरी परीक्षा के अंक	आंतरिक मूल्यांकन (आईए) अंक	थ्योरी परीक्षा और आइए का कुल योग	थ्योरी परीक्षा की अवधि	ट्यूटोरियल सीए	प्रैक्टिकल मार्क्स				कुल अंक
									सीए	अंत में प्रैक्टिकल/ लिखित परीक्षा	विवा-वोस	कुल	
4	3	1	0	90	30	120	3 घंटे	40	0	0	0	0	160
4	3	0	1	90	30	120	3 घंटे	0	10	20	10	40	160
4	0	0	4	0	0	0	ना	0	40	80#	40	160	160
4	1	0	3	30	10	40	1 घंटा	0	30	60	30	120	160
4	2	0	2	60	20	80	2 घंटे	0	20	40	20	80	160
2	1	0	1	30	10	40	1 घंटा	0	10	20**	10	40	80
2	0	0	2	0	0	0	ना	0	20	40**	20	80	80
2	2	0	0	60	20	80	21 घंटे	0	0	0	0	0	80

यदि किसी भी 4 क्रेडिट कोर्स के लिए कोई अंतिम अवधि की परीक्षा नहीं है, जिसमें केवल प्रैक्टिकल घटक है, तो इस अंक को प्रैक्टिकल के निरंतर मूल्यांकन में जोड़ा जाएगा और प्रैक्टिकल के लिए सीए का कुल योग 120 होगा।

** दो क्रेडिट के पाठ्यक्रम के मामले में जिसमें प्रैक्टिकल घटक हैं, या तो अंतिम अवधि की प्रैक्टिकल परीक्षा या अंतिम अवधि लिखित परीक्षा होगी।

एल-रीडिंग

टी-ट्यूटोरियल

पी-प्रैक्टिकल

सीए सतत मूल्यांकन

IA-आंतरिक मूल्यांकन

चिकित्सा प्रमाण पत्र

नियमितता के लिए दिए गए अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाण पत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश

Vll.2.9 के मौजूदा प्रावधानो के अनुसार परीक्षाओ में उपस्थित होने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

पास प्रतिशत और पदोन्नति मानदंड

एक सेमेस्टर में किसी भी पेपर को पास करने के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक थ्योरी में 40% और प्रैक्टिकल में 40% होंगे, जहां भी लागू हो। छात्र को अंत सेमेस्टर परीक्षा में 40% और अंत सेमेस्टर परीक्षा और पेपर के आंतरिक मूल्यांकन के कुल में 40% सुरक्षित करना होगा, दोनों सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों के लिए अलग-अलग।

प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष तक पदोन्नति

एक छात्र पाठ्यक्रम के पहले वर्ष से दूसरे वर्ष तक पदोन्नति के लिए पात्र होगा बशर्ते कि उसने I और 11 सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण किए हों ।

2 वर्ष से 3 वर्ष तक पदोन्नति

इसी प्रकार, एक छात्र (भाग I परिणाम के बावजूद) पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष तक पदोन्नति के लिए पात्र होगा बशर्ते कि उसने III और IV सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण किए हों ।

पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल

जो छात्र पदोन्नति मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं (जैसा कि अंक 10 और 11 में कहा गया है) को संबंधित भाग में असफल घोषित किया जाएगा। हालांकि , उनके पास उन पेपरों में अंकों को बनाए रखने का विकल्प होगा जिनमें उन्होंने क्लॉस 9 के अनुसार उत्तीर्ण अंक हासिल किए हैं।

परीक्षाओं में फिर से उपस्थित होना

एक छात्र जिसे सेमेस्टर I/III/V के लिए निर्धारित पेपर में फिर से उपस्थित होना है, वह केवल नवंबर/दिसंबर में आयोजित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में ऐसा कर सकता है। एक छात्र जिस सेमेस्टर II/IV/VI के लिए निर्धारित पेपर में फिर से उपस्थित होना है, वह के वल अप्रैल/मई में आयोजित होने वाली परीक्षा में ऐसा कर सकता है।

उत्तीर्ण पत्ररों में पुनः प्रकट होना

एक छात्र एक सेमेस्टर के लिए निर्धारित किसी भी सिद्धांत पत्र में उपस्थित हो सकता है, संबंधित पेपर (पेपरों) में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। यह केवल तत्काल बाद की सेमेस्टर परीक्षा में किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, सेमेस्टर I परीक्षा के लिए निर्धारित पेपर में फिर

से उपस्थित होने वाले छात्र बाद के सेमेस्टर III परीक्षा के साथ ऐसा कर सकता है और सेमेस्टर V के कागजात के साथ नहीं)।

भाग-III उत्तीर्ण करने के पश्चात पुनः परीक्षा

जिस अभ्यर्थी ने भाग-III (पांचवें एवं छठे सेमेस्टर) के सभी प्रश्न पत्र उत्तीर्ण कर लिए हैं, वह निर्धारित अवधि **(Span Period)** के भीतर आयोजित होने वाली तत्काल अगली परीक्षा में पाँचवें अथवा छठे सेमेस्टर के किसी भी एक या अधिक प्रश्नपत्रों में केवल एक बार पुनः सम्मिलित हो सकता/सकती है। इसके लिए अभ्यर्थी को संबंधित प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों में अपने पूर्व प्रदर्शन (अंकों) का लिखित रूप में परित्याग **(Foregoing)** करना होगा।

टिप्पणी: इस श्रेणी के अभ्यर्थियों को किसी भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की अनुमति नहीं होगी।

पुनः परीक्षा के परिणाम की तैयारी

पुनः परीक्षा में सम्मिलित होने की स्थिति में संबंधित प्रश्न पत्र का परिणाम अभ्यर्थी द्वारा वर्तमान परीक्षा में प्राप्त प्रदर्शन के आधार पर तैयार किया जाएगा।

पुनः परीक्षा का विकल्प चुनने के बाद परीक्षा में सम्मिलित न होने की स्थिति

यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त प्रावधानों के अंतर्गत किसी प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों में पुनः परीक्षा देने का विकल्प चुनते हुए अपने पूर्व प्रदर्शन का परित्याग कर देता/देती है, किन्तु संबंधित प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता/होती, तो जिन प्रश्नपत्रों में वह अनुपस्थित रहा/रही है, उनमें पूर्व में प्राप्त अंक ही वर्तमान परीक्षा परिणाम निर्धारित करने के लिए मान्य होंगे।

विविध गतिविधियों में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रावधान

यदि कोई विद्यार्थी—

- राष्ट्रीय कैडेट कोर **(NCC)** के वार्षिक शिविरों में भाग लेने हेतु चयनित किया गया हो;
- नागरिक सुरक्षा **(Civil Defence)** अथवा उससे संबंधित कार्यों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया हो;
- राष्ट्रीय सेवा योजना **(NSS)** का सदस्य होकर संस्थानाध्यक्ष की अनुमति से सार्वजनिक दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रतिनियुक्त किया गया हो;
- कुलपति द्वारा अनुमोदित अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं एवं अन्य गतिविधियों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयनित किया गया हो;
- अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव **(Inter-University Youth Festival)** में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया हो;
- प्रादेशिक सेना **(Territorial Army)** के आवधिक प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बाध्य हो;

- महाविद्यालय द्वारा अंतर-महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं, वाद-विवाद, संगोष्ठियों, विचार-गोष्ठियों (Symposia) अथवा सामाजिक सेवा परियोजनाओं में भाग लेने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया हो; अथवा
- अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगितियों, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों अथवा कुलपति द्वारा अनुमोदित अन्य गतिविधियों में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया हो,

तो ऐसे विद्यार्थियों पर निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे—

(1) लिखित कार्य एवं परियोजनाएँ

उपरोक्त श्रेणियों के विद्यार्थियों को लिखित असाइनमेंट, परियोजनाएँ, टर्म पेपर, संगोष्ठी तथा क्षेत्रकार्य की आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें लिखित कार्य जमा करने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया जा सकता है।

(2) वैकल्पिक मूल्यांकन

यदि ऐसे विद्यार्थी उपर्युक्त गतिविधियों में भाग लेने के कारण हाउस परीक्षा, कक्षा परीक्षा अथवा क्विज़ में सम्मिलित नहीं हो पाते हैं, तो महाविद्यालय विशेष परिस्थितियों में उनका मूल्यांकन किसी वैकल्पिक माध्यम से कर सकता है।

(3) उपस्थिति का लाभ

उपरोक्त श्रेणियों के विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन **(Internal Assessment)** हेतु छूटी हुई कक्षाओं के लिए अध्यादेश VII.2.(9)(a)(i) के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार उपस्थिति का लाभ प्रदान किया जाएगा।

आंतरिक मूल्यांकन अंकों की समीक्षा एवं समायोजन

विश्वविद्यालय किसी भी महाविद्यालय अथवा विभाग के किसी भी प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन **(Internal Assessment)** के अंकों की समीक्षा करने तथा आवश्यकता पड़ने पर उनका समायोजन **(Moderation)** करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

यहाँ उपलब्ध कराई गई जानकारी हमारी सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर प्रस्तुत की गई है। अधिक जानकारी के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करें।

उपस्थिति संबंधी अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी के लिए यह अनिवार्य है कि वह प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अपने अध्ययन-पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानों **(Lectures)** तथा प्रायोगिक कक्षाओं **(Practicals)** में पृथक-पृथक कम से कम दो-तिहाई (⅔) उपस्थिति सुनिश्चित करे।

चिकित्सीय प्रमाण-पत्रों पर विशेष विचार

यदि कोई विद्यार्थी गंभीर रूप से बीमार हो गया हो अथवा किसी दुर्घटना का शिकार हुआ हो, तो महाविद्यालय के प्राचार्य उसके द्वारा प्रस्तुत चिकित्सीय प्रमाण-पत्रों के आधार पर ऐसे असाधारण मामलों पर विचार कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय किसी भी महाविद्यालय अथवा विभाग के किसी भी प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन के अंकों की समीक्षा एवं आवश्यकता पड़ने पर उनका समायोजन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

व्याख्यानों से छूट

अध्यादेश **VII.2.(9)(a)(i)** में वर्णित व्याख्यानों से छूट का लाभ, चाहे पृथक रूप से दिया जाए अथवा संयुक्त रूप से, किसी भी स्थिति में कुल आयोजित व्याख्यानों की संख्या के एक-तिहाई (⅓) से अधिक नहीं होगा।

अधिक स्पष्टता के लिए अध्यादेश VII का अवलोकन किया जाना चाहिए।

* यह प्रावधान **UGCF 2022–2023** योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं अथवा संशोधनों के अधीन रहेगा।

पहचान-पत्र

छात्रों को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है जिससे उनसे अपेक्षा की जाती है कि जब भी मांग की जाए, वे इसे प्रस्तुत करें। नए सत्र की शुरुआत में आई-कार्ड एकत्र किए जा सकते हैं। कॉलेज छोड़ने के समय इसे सरेंडर करना होगा। मूल पहचान पत्र के खोने/चोरी होने की स्थिति में, 100/- रुपये के भुगतान पर डुप्लीकेट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है। इसकी सूचना देने वाले थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

<u>जमा शुल्क के लिए आहरण नियमों के साथ:</u>

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस संबंध में आगे के अपडेट के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज की वेबसाइट देखें।

1. जो छात्र कॉलेज छोड़ना चाहते हैं, उन्हें लाइब्रेरियन, एनसीसी अधिकारी, ओपीई, कैशियर और शिक्षक प्रभारी और साइंस लैब्स (विज्ञान के छात्रों के लिए) से क्लीयरेंस स्लिप के उत्पादन पर

कॉलेज छोड़ने का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, इस आशय के लिए कि वह कॉलेज के लिए कुछ भी बकाया नहीं है।

<u>सुरक्षा प्रति धारण अवधि</u>

सुरक्षा प्रति धारण अवधि पाठ्यक्रम पूरा करने या बीच में पाठ्यक्रम छोड़ने के बाद दो वर्ष के लिए है, जो भी लागू हो।

2. शुल्क एक महीने के बाद वापस कर दिया जाएगा।
3. जो छात्र अपना पंजीकरण वापस लेना चाहते हैं, उन्हें चेक जारी होने की तारीख के तीन महीने के भीतर चेक को भुनाना होगा। चेक जारी होने के 3 महीने बाद अमान्य होने की स्थिति में कॉलेज कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।

शुल्क संरचना

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
शुल्क संरचना
शैक्षणिक सत्र 2026-27

			शुल्क संरचना पाठ्यक्रम वार - 2026-27							
क्रम संख्या	शुल्क मद ((विश्वविद्यालय के अनुसार)	शुल्क मद (कॉलेज के अनुसार)	बीए (ऑनर्स) पाठ्यक्रम बीए (प्रो), बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र, हिंदी और राजनीतिक विज्ञान और बी. कॉम (प्रोग्राम)	बी. कॉम (ऑनर्स)	बीए (ऑनर्स) भूगोल	सभी विज्ञान पाठ्यक्रम बी.एससी वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी, फिजिक्स, रसायन शास्त्र गणित, बी.एससी जीव विज्ञान,भौतिक विज्ञान	बी.एससी (ऑनर्स) बायोकेम।	एम.ए. हिंदी, संस्कृत और राजनीति विज्ञान	बीए (ऑनर्स) व्यावसायिक अर्थशास्त्र (बीबीई)	एमए पीडबल्यू डी
	सामान्य निधि (A)									
1	सामान्य निधि (ट्यूशन शुल्क + विश्वविद्यालय शुल्क)	शिक्षण शुल्क	180	180	180	180	180	220	12000	220
		विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि	300	300	300	300	300	300	300	300
		विश्वविद्यालय विकास निधि	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750
		विश्वविद्यालय सुविधाएँ एवं सेवा शुल्क	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750
		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय निधि	300	300	300	300	300	300	300	300
		दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ निधि	40	40	40	40	40	40	40	40
		पुस्तकालय सुरक्षा शुल्क (स्नातकोत्तर)						1000		0
		सामान्य निधि (A) का कुल शुल्क	**4,320**	**4,320**	**4,320**	**4,320**	**4,320**	**5,360**	**16,140**	**4,360**
	छात्र निधि (B)									
2	कॉलेज छात्र कल्याण	शैक्षणिक समितियाँ, सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं प्रतिभागिता आदि शुल्क	500	500	500	500	500	500	1,000	-
		अनुसंधान संवर्धन एवं छात्र इंटर्नशिप शुल्क	800	800	800	800	800	800	800	-
		प्रवेश शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	50
		पूर्व छात्र (एलुमनाई) शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		सुविधाएँ शुल्क	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000	2,000	3,205	-
		वार्षिक समारोह शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		करियर एवं प्लेसमेंट शुल्क	200	200	200	200	200	200	200	-
		महाविद्यालय छात्र संघ शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		परामर्शदाता शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,500	-
		उद्यमिता प्रकोष्ठ (ई-सेल) शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		पर्यावरण क्लब शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	-
		परिचय-पत्र शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100
		बीमा शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100
		महाविद्यालय पत्रिका शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	-
		चिकित्सीय सुविधा शुल्क	120	120	120	120	120	120	120	-
		राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	-
		राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	-
		अभिमुखीकरण शुल्क	20	20	20	20	20	20	20	-
		कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण (POSH) प्रकोष्ठ शुल्क	40	40	40	40	40	40	40	-
		सुरक्षा जमा राशि (वापसी योग्य)	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	-
		खेलकूद शुल्क	300	300	300	300	300	300	300	-
		छात्र सहायता निधि	20	20	20	20	20	20	20	-
		TEDx गतिविधि शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	-
		महिला विकास प्रकोष्ठ शुल्क	300	300	300	300	300	300	300	-
		महाविद्यालय छात्र कल्याण निधि का कुल शुल्क	**9,350**	**9,350**	**9,350**	**9,350**	**9,350**	**8,350**	**10,555**	**250**
3	कॉलेज विकास निधि	विकास एवं अनुरक्षण शुल्क	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	-
		सामान्य अनुरक्षण शुल्क							3,500	
		उद्यान अनुरक्षण शुल्क	500	500	500	500	500	500	300	-
		वेबसाइट अनुरक्षण शुल्क	200	200	200	200	200	200	200	-
		महाविद्यालय विकास निधि का कुल शुल्क	**5,200**	**5,200**	**5,200**	**5,200**	**5,200**	**5,200**	**8,500**	-
4	कॉलेज सुविधाएं और सेवा प्रभार	पुस्तकालय शुल्क	500	500	500	500	500	500	500	-
		विद्युत शुल्क	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	-
		जल शुल्क	800	800	800	800	800	800	500	-
		प्रयोगशाला शुल्क (यूजीसी)	-	-	-	120	120	-	-	-
		प्रयोगशाला अनुरक्षण शुल्क	-	-	1,000	2,000	3,000	-	-	-
		कंप्यूटर अनुरक्षण शुल्क	-	1,000	-	1,000	1,000	-	1,000	-
		कुल कॉलेज सुविधाएं और सेवा	**2,300**	**3,300**	**3,300**	**5,420**	**6,420**	**2,300**	**3,000**	-
		कुल शुल्क छात्र निधि (बी)	**16,850**	**17,850**	**17,850**	**19,970**	**20,970**	**15,850**	**22,055**	**250**
		कुल प्रवेश शुल्क (ए + बी)	**21,170**	**22,170**	**22,170**	**24,290**	**25,290**	**21,210**	**38,195**	**4,610**
			-	-	-	-	-			

शिवाजी कॉलेज

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड से प्रत्यायित)
दिल्ली विश्वविद्यालय
राजा गार्डन, दिल्ली-110027

प्रवेश संबंधी जानकारी हेतु

https://shivaji.du.ac.in/

admission@shivaji.du.ac.in